प्रधानमंत्री मोदी बोले- मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत को मुख्यधारा में लाना चाहिए - 7

शेरी सिंह बनीं भारत की पहली मिसेज यूनिवर्स - 11

इजराइल ने गाजा में युद्धविराम शुरू होने से पहले की जी भरके गोलाबारी - 11

जायसवाल ने जड़ा सातवां शतक, भारत की शानदार शुरुआत- 12

आज का मौसम

29.0° अधिकतम तापमान

19.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.10

सूर्यास्त 05.47

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष पंचमी 04:43 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

शनिवार, 11 अक्टूबर 2025, वर्ष 6, अंक 322, पृष्ठ 12+4 मूल्य 6 रुपये

चांद का दीदार

पति की लंबी उम्र के लिए सुहागिनों ने शुक्रवार को करवा चौथ का व्रत रखा। दिन भर उपवास करके देर शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देकर व्रत का पारायण किया। हरि मंदिर में चांद का दीदार करतीं व्रती महिलाएं। ● अमृत विचार

वेनेजुएला की मारिया कोरिना को शांति नोबेल पुरस्कार

● 20 साल तक गहराते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखी

ओस्लो, एजेंसी

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को इस साल के नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की शुक्रवार को घोषणा की गई। मारिया को एक ऐसी महिला के रूप में मान्यता दी गई है, जिन्होंने 20 साल तक गहराते अंधकार के बीच लोकतंत्र की लौ जलाए रखी है।

नॉर्वे की नोबेल समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वात्ने फ्रिडनेस ने कहा कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए विपक्ष की उम्मीदवार रहीं मारिया को राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार के खिलाफ कभी गहरे तक विभाजित विपक्ष को एकजुट करने वाली महत्वपूर्ण शख्सियत के रूप में सराहा गया है। फ्रिडनेस ने कहा, मारिया पिछले एक साल से छिपकर रहने के लिए मजबूर हैं। जान को गंभीर खतरे के बावजूद वह देश में ही हैं और इस फैसले ने लाखों लोगों को प्रेरित किया है। उन्होंने कहा, जब अधिनायकवादी सत्ता पर कब्जा कर लेते हैं, तो आजादी की रक्षा करने वाले उन साहसी नायकों को मान्यता देना अहम हो जाता है, जो आवाज उठाते हैं और प्रतिरोध करते हैं। फ्रिडनेस ने समाचार एजेंसी से कहा कि समिति घोषणा से कुछ देर पहले मारिया से संपर्क करने में सफल रही थी, जिन्होंने इस पुरस्कार के लिए चुने जाने पर विस्मय व्यक्त किया। मारिया और गोंजालेज को पिछले साल यूरोपीय संघ (ईयू) के सर्वोच्च मानवाधिकार सम्मान 'सखारोव पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। मारिया को टाइम पत्रिका की 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची में शामिल किया गया था।

पुरस्कार पाने वाली 20वीं महिला

नोबेल शांति पुरस्कार एकमात्र नोबेल पुरस्कार है, जो ओस्लो (नॉर्वे) में प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार अब तक 112 लोगों को दिया जा चुका है। मारिया इस पुरस्कार को हासिल करने वाली 20वीं महिला हैं। अर्थशास्त्र के विजेता का नाम सोमवार को घोषित किया जाएगा।

ट्रंप की उम्मीदें नाकाम नोबल समिति पर कटाक्ष

वाशिंगटन। नोबेल शांति पुरस्कार के लिए राष्ट्रपति ट्रंप की तमाम कोशिशें नाकाम रहीं। ट्रंप ने खुद को इसका उचित उम्मीदवार बताया था। व्हाइट हाउस ने डोनल्ड ट्रंप के योगदान को नजरअंदाज करने के लिए नोबल समिति की आलोचना की है।

कौन हैं वेनेजुएला की आयरन लेडी मचाडो

मचाडो का जन्म 1967 में वेनेजुएला में एक ऐसे परिवार में हुआ जो सामाजिक और बौद्धिक रूप से सक्रिय था। मचाडो ने 1992 में फंडासिओन एटेनिया की सह-स्थापना की, जिसका उद्देश्य अनाथ बच्चों की मदद करना था। सुमाते आंदोलन में नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्र स्तर पर पहचान दिलाई।

ब्रीफ न्यूज

सबरीमाला स्वर्ण चोरी: आपराधिक केस दर्ज करने के दिए आदेश

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राज्य पुलिस को आदेश दिया कि वह सबरीमला मंदिर के चौखट या लिंटर से सोने की हेराफेरी को लेकर एक आपराधिक मामला दर्ज कर जांच शुरू करे। न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन वी व न्यायमूर्ति केवी जयकुमार की पीठ ने यह निर्देश यह कहते हुए दिया कि अब तक की गई जांच से ऐसा प्रतीत होता है कि जहां तक चौखट का संबंध है, सोने की हेराफेरी की गई है। पीठ ने अपने द्वारा गठित एसआईटी को चौखट मुद्दे के साथ-साथ जांच के दौरान सामने आने वाले अन्य सभी पहलुओं की भी पड़ताल करने का निर्देश दिया। एसआईटी से 6 हफ्ते में रिपोर्ट मांगी है।

आय से अधिक संपत्ति में अधिकारी गिरफ्तार

भुवनेश्वर। सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओएएस) के एक अधिकारी को कथित तौर पर अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से 190 प्रतिशत अधिक संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिकारी को 23 सितंबर को केंद्रपाड़ा जिले के महाकालपाड़ा स्थित तहसील कार्यालय के शौचालय में 20,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया था।

अब माफिया की हवेलियों की जगह खड़े होंगे गरीबों के घर : मुख्यमंत्री

सीएम योगी ने 160 परिवारों को दी फ्लैट की चाबी, 50 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माफियाओं से मुक्त कराई गई जमीनों पर अब गरीबों के घर बनाए जा रहे हैं। प्रयागराज और लखनऊ में माफियाओं की हवेलियों की जगह अब गरीबों के मकान खड़े हो रहे हैं। योगी ने कहा कि आगे भी यूपी में माफियाओं की हवेलियों की जगह गरीबों के लिए घर खड़े होंगे। वे गोरखपुर में शुक्रवार को दीपावली से पहले गरीबों को खुशियों का बड़ा तोहफा लेकर आए थे।

उन्होंने देवरिया बाईपास स्थित पाम पैराडाइज हाई-राइज बिल्डिंग में 160 परिवारों को ईडब्ल्यूएस व एलआईजी फ्लैट्स की चाबियां सौंपीं। सीएम ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 118 करोड़ की 50 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया। योगी ने कहा कि हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसके सिर पर अपनी छत हो। यह सिर्फ एक आवास नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी खुशी है। सीएम ने बताया कि जीडीए को निर्देश दिया गया है कि हाई-राइज बिल्डिंग्स के रखरखाव के लिए आवासीय समितियां गठित करें, ताकि लिफ्ट और अन्य सुविधाओं का नियमित रखरखाव हो सके। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देशभर में 4 करोड़ गरीबों को आवास मिल चुके हैं, जिनमें 60 लाख लाभार्थी उत्तर प्रदेश से हैं। उन्होंने कहा कि अच्छी नियत से अच्छे कार्य होते हैं, जब सरकार ईमानदार होती है तो गरीब को उसका अधिकार मिलना सुनिश्चित होता है।

गोरखपुर में शुक्रवार को 120 एलडब्लूएस फ्लैट्स के आवंटी को चाबी सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला का किया उद्घाटन

योगी ने गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में 'यूपी ट्रेड शो-स्वदेशी मेला' का उद्घाटन करते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति से अराजकता खत्म कर प्रदेश को निवेश योग्य बनाया। जहां मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और सुरक्षा का भरोसा हो, वहां निवेश अपने आप आता है। आज यूपी में ये तीनों ताकतें मौजूद हैं।

योगी बोले- स्वदेशी खरीदें और गिफ्ट भी हो स्वदेशी

मुख्यमंत्री ने लोगों से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने की अपील करते हुए कहा कि जब हम स्वदेशी खरीदते हैं तो देश के कारीगरों के श्रम का सम्मान करते हैं और पैसा देश में ही रहता है। उन्होंने कहा कि विदेशी वस्तुओं के मुनाफे से देशविरोधी गतिविधियों को बल मिलता है, इसलिए जो भी खरीदें, स्वदेशी खरीदें और जो भी गिफ्ट दें, स्वदेशी दें।

दिल्ली और एनसीआर राज्यों ने ग्रीन पटाखे जलाने की मांगी अनुमति

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखों के निर्माण और बिक्री की अनुमति के अनुरोध वाली याचिकाओं पर अपना आदेश शुक्रवार को सुरक्षित रख लिया। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने इस मुद्दे पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता समेत विभिन्न हितधारकों को सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया। एनसीआर में दिल्ली के साथ उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के कई जिले आते हैं।

एनसीआर के राज्यों का भी प्रतिनिधित्व करने वाले शीर्ष विधि अधिकारी ने उच्चतम न्यायालय से आग्रह किया कि दिवाली, गुरु पर्व और क्रिसमस जैसे मौकों पर दिल्ली-एनसीआर में समय पर किसी प्रतिबंध के बिना हरित पटाखे जलाने की अनुमति दी जाए। एनसीआर राज्यों की ओर से न्यायालय में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि दिवाली पर रात 8 बजे से रात 10 बजे तक हरित पटाखे जलाने की अनुमति दी जानी चाहिए। तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय में एक अनूठी दलील पेश करते हुए सीजेआई से कहा कि वह अपने भीतर बैठे एक बच्चे के माध्यम से उनके भीतर बैठे बच्चे से इसके लिए अपील कर रहे हैं।

● मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

● राज्य बोले- बच्चों को दिवाली मनाने दें, दो घंटे की परमिशन दी जाए

पीईएसओ सुनिश्चित करेगा बिक्री न हो

मेहता ने कहा कि एनसीआर के राज्यों, दिल्ली सरकार और पेट्रोलियम एवं विस्फोटक (पदार्थ) सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पटाखों की लड़ी का निर्माण, बिक्री और इस्तेमाल न हो। पटाखों की बिक्री केवल लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों के माध्यम से ही की जानी चाहिए।

काबुल में भारत फिर शुरू करेगा दूतावास

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री के साथ जयशंकर।

● अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्ताकी व जयशंकर के बीच हुई वार्ता, काबुल जल्द ही भारत में भेजेगा राजनयिक

● मुत्ताकी ने दिया भरोसा अपनी जमीन भारत के खिलाफ इस्तेमाल नहीं होने देगा

अफगानिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने शुक्रवार को काबुल स्थित अपने तकनीकी मिशन को दूतावास का दर्जा देने की घोषणा की और अफगानिस्तान में अपने विकास कार्यों को फिर से शुरू करने का संकल्प जताया। विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाने के लिए अफगानिस्तान में तालिबान के शासन की सराहना भी की। जयशंकर ने यह घोषणा अफगान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से व्यापक वार्ता के दौरान की जो गुरुवार को नई दिल्ली पहुंचे।

भारत ने 2021 में अपने दूतावास और वाणिज्य दूतावास को बंद कर दिया था। उसके चार साल बाद, अफगानिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों की बहाली, भारत की पड़ोसी कूटनीति में एक महत्वपूर्ण क्षण है। बैठक में उद्घाटन भाषण में जयशंकर ने सीमापार आतंकवाद को दोनों देशों के लिए साझा खतरा बताते हुए कहा कि भारत व अफगानिस्तान को आतंकवाद से निपटने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। मुत्ताकी ने आश्वासन दिया कि अफगानिस्तान किसी भी तत्व को अपनी जमीन का इस्तेमाल नई दिल्ली के हितों के खिलाफ नहीं करने देगा।

भारत हमेशा अफगान संग खड़ा रहा : मुत्ताकी

अपने भाषण में, मुत्ताकी ने भारत को इस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण देश बताया और कहा कि भारत हमेशा अफगान लोगों के साथ खड़ा रहा है और कई क्षेत्रों में उनकी सहायता की है। मुत्तकी ने कहा कि काबुल द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए चरणबद्ध प्रयासों के तहत भारत में राजनयिकों को भेजेगा।

चरणबद्ध तरीके से एसआईआर की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

● अगले साल चुनावी राज्यों से हो सकती है शुरुआत

निर्वाचन आयोग पूरे देश में मतदाता सूचियों के एसआईआर की कवायद को चरणबद्ध तरीके से शुरू कर सकता है और इसकी शुरुआत उन कुछ राज्यों से होगी जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

साथ ही आयोग उन राज्यों में मतदाता सूची को दुरुस्त नहीं करेगा, जहां स्थानीय निकाय चुनाव हो रहे हैं या होने वाले हैं, क्योंकि जमीनी स्तर की चुनावी मशीनरी इसमें व्यस्त है संभवतः एसआईआर पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगी। असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। इन चार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के अलावा, पहले चरण में कुछ अन्य राज्यों में भी मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कराया जा सकता है।

अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना उद्देश्य

एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य जन्म स्थान की जांच करके विदेशी अवैध प्रवासियों को बाहर निकालना है। इस कदम को विभिन्न राज्यों में बांग्लादेश और म्यांमार सहित अवैध विदेशी प्रवासियों पर कार्रवाई के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

प्रदेश से 48 घंटों में विदा हो जाएगा मानसून

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● मानसून ने छोड़ा पश्चिमी उप्र का अधिकांश भाग, पूर्वी से वापसी होगी

अमृत विचार: प्रदेश से केवल 48 घंटों में मानसून विदा हो जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश का अधिकांश भाग छोड़ दिया है और पूर्वी उत्तर प्रदेश से भी वापसी की राह पकड़ ली है।

इस बीच फिलहाल बारिश की संभावना नहीं हालांकि, पछुआ हवाओं के कारण सुबह-शाम की ठंड बढ़ जाएगी। पूर्वांचल के दक्षिणी-पूर्वी भाग को छोड़कर, राज्य के अधिकांश हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून विदा हो गया है। जो हिस्से बचे हैं वहां से भी अगले 48 घंटों के दौरान मानसून के वापस लौटने के लिए परिस्थितियां बनीं हुईं हैं। हालांकि, पश्चिमी उप्र से मानसून 26 सितंबर के आसपास लौट गया था, लेकिन बाद में हल्की-बारिश हुई वह अब थम चुकी है।

फिलहाल शुष्क पछुआ व उत्तरी-पश्चिमी हवाएं चल रही हैं। इन हवाओं के प्रभाव को ही मौसम विभाग मानसून के पूरी तरह वापसी का संकेत मान रहा है। वहीं, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, सोनभद्र और मिर्जापुर से अभी मानसून की वापसी बाकी है।

देश में पहली बार रोबोटिक किडनी का प्रतिरोपण

नई दिल्ली। एम्स नई दिल्ली में चिकित्सकों ने 45 वर्षीय एक मरीज का रोबोटिक किडनी प्रतिरोपण किया। दावा किया गया कि यह किसी सरकारी अस्पताल में पहली बार हुआ है। सर्जरी विभाग के प्रो. डॉ. वीरेंद्र बंसल ने ऑपरेशन का नेतृत्व किया। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन में रोबोटिक मंच दा विंची शी सर्जिकल का उपयोग किया गया, जिसमें बेहतर परिशुद्धता, निपुणता और श्रीडी दृश्य के साथ न्यूनतम चीरफाड़ करनी होती है। कम जटिलताओं का सामना करना पड़ता है, जिससे मरीज जल्दी घर लौट सकते हैं। डॉ. कृष्णा असुरी ने बताया कि इस मरीज की किडनी ने काम करना बंद कर दिया था, वह डायलिसिस पर था एवं छह महीने पहले एम्स में आया था।

तैयारी

बिजरानी जोन से होगी शुरुआत, अगले साल 30 जून तक रहेगा सीजन, पार्क प्रशासन तैयारी में जुटा

कॉर्बेट में 15 से रोमांच की वापसी, शुरू हो रहा पर्यटन सीजन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: विश्व प्रसिद्ध कॉर्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) में पर्यटकों के लिए रोमांच का इंतजार शीघ्र खत्म होने वाला है। 15 अक्टूबर से शुरू हो रहे पर्यटन सीजन का आगाज बिजरानी जोन से होगा। पार्क प्रशासन तैयारियों में जुटा है।

सीटीआर के निदेशक डॉ. साकेत बडोला के अनुसार, मानसून के दौरान जंगल की सड़कों को भारी नुकसान पहुंचा है। इस बार बारिश सामान्य से अधिक हुई, जिससे कई मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए। पार्क प्रशासन की टीमें लगातार सड़कों की मरम्मत और सफाई कार्य में लगी हैं ताकि 15 अक्टूबर से पहले सभी पर्यटन जोन पर्यटकों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और सुगम बनाए जा सकें। कॉर्बेट का बिजरानी सबसे लोकप्रिय पर्यटन जोन में से एक माना जाता है, जहां हर साल देश-विदेश से हजारों पर्यटक पहुंचते हैं। बिजरानी का परिदृश्य हर मौसम में अलग-अलग रूप दिखाता है। घने साल वन, घास के मैदान और जल स्रोतों के कारण यह क्षेत्र टाइगर देखने के लिए प्रसिद्ध है। बता दें कि सीटीआर में प्रत्येक वर्ष 15 अक्टूबर से 30 जून तक पर्यटन सीजन रहता है। मानसून के दौरान (जुलाई से सितंबर) पार्क को पर्यटकों के लिए बंद रखा जाता है ताकि जंगल के रास्तों और वन्यजीवों को आराम मिल सके। इस बार प्रशासन को उम्मीद है कि बिजरानी जोन के खुलने के साथ ही पर्यटकों की भारी आमद होगी।

बेसब्री से करते हैं इंतजार

रामनगर के पर्यटन कारोबारी सतप्रीत सिंह शेट्टी बताते हैं कि कॉर्बेट पार्क के खुलने को लेकर स्थानीय व्यापारियों और होटल संचालकों में भारी उत्साह है। हर साल 30 जून को जब पार्क बंद होता है तो तब से हम 15 अक्टूबर का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इसके खुलते ही पर्यटन गतिविधियां तेज हो जाती हैं और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलने लगते हैं। कहा कि, मानसून के कारण तीन माह तक पर्यटन गतिविधियां पूरी तरह ठप रहती हैं जिससे होटल व्यवसाय, जीप सफारी संचालक, गाइड और ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर असर पड़ता है लेकिन पार्क खुलने के साथ ही रामनगर, ढिकुली, मोहान और आसपास के इलाकों में फिर से रौनक लौट आती है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार,11 अक्टूबर 2025

मेला प्रारम्भ सायं 5 बजे

Rotary | TEAM VIRAJ

रोटरी क्लब ऑफ बरेली चैरिटेबल ट्रस्ट

प्रस्तुत करता है

SRASHTIPURTI

CARNIVAL THEME

62 वां

महान दिवाली मेला

11-12-13 Oct. 2025

Venue : Bareilly Club Ground, Bareilly

ज़रुरतमंद और मेहनती छात्राओं को साइकिल वितरण

उद्घाटन समारोह

दिवाली मेले का शुभारम्भ
मुख्य अतिथि
श्री भूपेंद्र एस. चौधरी IAS
आयुक्त, बरेली मंडल

सांस्कृतिक संध्या
मुख्य अतिथि
श्री मनिकंडन ए. IAS
उपाध्यक्ष, बरेली विकास प्राधिकरण

पुरुस्कार वितरण
मुख्य अतिथि
श्रीमती रश्मि पटेल
जिला पंचायत अध्यक्ष

Co-Sponsors

AMBER Sunshine — एक नई जीवन शैली...!!!
BHUTANI INFRA — INSPIRED BY INNOVATION — MARKETED BY PROPKARMAA PVT. LTD.
एगमार्क चक्र कच्ची घाणी सरसों का तेल
Capital Crafter — We make it happen
PMSV Financial Services Pvt. Ltd.
R.K. ENTERPRISES — AREENA REFINED OIL (COMING SOON)

Powered By

NANDI mango tree APARTMENTS
Shurbhi Paints
HOTEL CHEER ROYALE
Creation Biotech
Nath Nagari Sponsor: CITY CENTRE LA
Energy Partner: IndianOil

CRACKER SHOW All 3 Days
MUSICAL NIGHT All 3 Days
SUPERIOR INDUSTRIES
MELA QUEEN
DG INFRA GROUP

SATURDAY 11 OCT. 2025
Fancy Dress 3-6 Yr, 6-12 Yrs 8-9 pm
Dr. Shashank Mishra
Dr. Shivam Mishra
Neuro Kids Care
Face in the Crowd
Dr. R.K. Mahajan
Beautiful Eyes
FOCUS PATHLAB
Best Hair Style
SALON hm

Associate Sponsors

Automobile Partner: COMMERCIAL GROUP — TOYOTA, ŠKODA, Volkswagen
MXALIFE SUPER SPECIALITY HOSPITAL & FAHMY IVF CENTRE
V-GUARD Midlite Electric Co. Nikunj Mittal
ICICI Lombard GENERAL INSURANCE
INTERNATIONAL CITY — स्वदेश में आपका विदेश
Rajshree
MARUTI Coral Motors
SnaQ Trail — MADHUSUDAN ENTERPRISES
कलारा स्वैन मिशन अस्पताल — ESTD. 1870
Tea Partner: ATC tea
LIC भारतीय जीवन बीमा निगम
बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
Sri Chaitanya School
Punjab & Sind Bank
ramaa shyama
CASA DIVINE
Dhir
RAM KUMAR AGARWALA JEWELLERS

Rtn. Dr. Manish Sharma	Rtn. CA Mohit Vaish	Rtn. Shekhar Yadav	Rtn. Dr. A.K. Chauhan	Rtn CA Amit Manohar	Rtn Rahul Jaiswal	Rtn. Arvind Gupta
President	Mela Director	Secretary	Chief Club Trainer	Co-Mela Director	Co-Mela Director	Treasurer
9359101513	9411632875	8881988887		8392929282	7520333336	9412291072

न्यूज ब्रीफ

जनता की सहभागिता ही लोकतंत्र की शक्ति

कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन के असेंबली सेशन में उपस्थित विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना।

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने शिकागो में कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन की अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला एवं जनरल असेंबली सेशन में हिस्सा लिया। इस सत्र का विषय 'बिल्डिंग ट्रस्ट एण्ड ट्रांसपरेंसी इन डेमोक्रेसी यानी लोकतंत्र में विश्वास और पारदर्शिता का निर्माण' रहा। इस मौके पर सतीश महाना ने भारत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं की सुदृढ़ता, जनता की सहभागिता और जवाबदेही को लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति बताया। सम्मेलन में 52 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

कफ सिरप के 69 नमूने और लिए गए

अमृत विचार, लखनऊ : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उप्र. आयुक्त के निर्देशों के क्रम में अब तक प्रदेश में दवा दुकान, अस्पताल, नर्सिंगहोम व क्लीनिक, बच्चों के अस्पतालों से कुल 595 कफ सिरप के नमूने एकत्र किए गए हैं। उक्त क्रम में शुक्रवार को सिरप निर्माता फर्मों से 69 नमूने लिए गए हैं। जिन्हे राजकीय प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है, जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

नोएडा में मुठभेड़ के दौरान बदमाश गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी : नोएडा में दनकौर थाना पुलिस ने गुरुवार रात को गोकशी के एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) सुधीर कुमार ने बताया कि दनकौर थाना पुलिस देर रात चपरगढ़ पुलिया के पास जांच कर रही थी तभी मोटरसाइकिल सवार कुछ लोगों पर शक होने पर पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया लेकिन उन्होंने भागने की कोशिश की। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उन लोगों का पीछा करके उन्हें घेर लिया जिसके बाद उन्होंने जान से मारने की नीयत से पुलिस दल पर गोली चलाई। कुमार ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश के पैर में लगी जिसकी पहचान हापुड़ जिले के देहरा ग्राम निवासी राजा (23) के रूप में हुई।

भेड़िए के हमले में सात वर्षीया बच्ची घायल

बहराइच, एजेंसी : जिले में कैसरगंज तहसील के एक गांव में शुक्रवार शाम भेड़िए ने हमला कर सात वर्षीय बच्ची को घायल कर दिया। इससे पहले गुरुवार देर रात मझारा तौकली ग्राम पंचायत की भिरगुपुरवा बस्ती में अज्ञात जानवर के हमले से 60 वर्षीय एक महिला घायल हो गयी थी। प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) राम सिंह यादव ने संवाददाताओं को बताया कि कैसरगंज तहसील के ग्राम गोड़हिया नंबर तीन में आज शाम करीब 4.45 बजे गंगाराम की पुत्री नेहा (सात) घर के बाहर खेल रही थी और उसी दौरान भेड़िए ने हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल बच्ची को सीएचसी कैसरगंज ले जाया गया।

आईआईटी कानपुर में चल रहे सांस्कृतिक युवा महोत्सव में रहा उत्साह

डांस, म्यूजिक व गिटार, अंतराग्नि में जोश की बयार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: आईआईटी कानपुर में चल रहे युवा सांस्कृतिक महोत्सव अंतराग्नि के दूसरे दिन शुक्रवार को संगीत से जुड़े इवेंट ने सभी को आकर्षित किया। डांस, म्यूजिक और गिटार सहित विभिन्न वाद्ययंत्रों ने युवाओं का मन मोहा। अक्षर में साहित्यिक आयोजन हुए। मुख्य रूप से ऋतंभरा और ईडीएम नाइट ने चार चांद लगा दिए। अमृत विचार अंतराग्नि का मीडिया पार्टनर है।

नृत्य नाटिका पेश करतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

अंतराग्नि में शुक्रवार को नुक्कड़ नाटक के जरिये विभिन्न सामाजिक संदेश दिए गए। इस इवेंट में देशभर से आई 33 टीमों के कलाकारों ने अपने अभिनय को प्रदर्शित किया। इन आयोजन में युवाओं की ओर से रोजाना सामने आने वाली समस्याओं पर भी व्यंग्य किए गए। आईआईटी बीएचयू की टीम की ओर से संदेश दिया गया कि किसी भी काम को टालना कितना हानिकारक हो सकता है। समारोह की शाम का बौद्धिक आकर्षण रहा इनमोबी पैनल डिस्कशन- एआई से आगे, देसी सुपरपावर्स फ्रॉम इंडिया टू द वर्ल्ड', जिसमें विशेषज्ञों ने भारत की तकनीकी प्रगति और उसके वैश्विक प्रभाव पर विचार साझा किए।

युवाओं का जोश 'जुनून' इवेंट में उमड़ा। इस इवेंट में विभिन्न टीमों की ओर से रॉक बैंड के जरिये प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। इस इवेंट को देखने के लिए बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

इवेंट में शुक्रवार को 8 टीमों की ओर से गिटार, कीबोर्ड, ड्रम सहित अन्य वाद्ययंत्रों के जरिए ईस्टन रॉक म्यूजिक को प्रदर्शित किया गया। बैंड के जरिये ईस्टर्न म्यूजिक को बॉलीवुड गीतों के साथ मिक्स भी किया गया।

कामायनी का नाट्य रूपांतरण

वाराणसी से आए जाने-माने साहित्यकार व्योमेश शुक्ला ने रूपवाणी समूह के साथ जयशंकर प्रसाद की बहुचर्चित रचना 'कामायनी' का नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत किया। अगली प्रस्तुति में कोलकाता, पश्चिम बंगाल से प्रसिद्ध गायिका ईशा चक्रवर्ती और उनके साथियों ने अपनी शास्त्रीय प्रस्तुति से सभी का मन मोहा। अंतिम आयोजन में दिल्ली से आए सूफी गायक युसूफ़ खान निज़ामी ने सूफी गायन की प्रस्तुति से पूरे सभागार में अद्भुत सम्मोहन की छटा बिखेरी।

बद्री-केदार के समक्ष नतमस्तक हुए अंबानी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को बदरीनाथ और केदारनाथ धाम में दर्शन किए। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने दोनों मंदिरों के लिए 10 करोड़ रुपये की धनराशि दी।

इससे पहले देवस्थलों पर पहुंचने पर श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने उद्योगपति अंबानी का स्वागत किया तथा उन्हें उत्तराखंडी टोपी, मफलर और स्मृति चिन्ह भेंट किया। अंबानी ने राज्य सरकार की सराहना करते हुए कहा कि सीएम धामी की अगुवाई में चारधाम यात्रा काफी सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की जा रही है। द्विवेदी के अनुसार, चारधाम यात्रा के इंतजामों से पता चलता है कि उत्तराखंड सरकार का आस्था को लेकर विजन कितना भव्य है। अंबानी ने हाल के दिनों में उत्तराखंड में बादल फटने से हुए जानमाल के नुकसान पर संवेदना प्रकट करते कहा कि वह और रिलायंस फाउंडेशन किसी भी तरह की जरूरत के लिए उसके साथ हैं।

मुकेश अंबानी को स्मृति चिन्ह भेंट करते बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी आदि।

पुलिस पर फायरिंग, बरेली के चार बदमाश गिरफ्तार

रुकने का इशारा करते ही तमंचों से की फायरिंग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- मछली बेचने के आड़ में चोरी की घटना को देते थे अंजाम
- पिकअप सीज, 2.70 लाख रुपये, तमंचे और कारतूस बरामद

अमृत विचार : चेकिंग के दौरान पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो पिकअप में सवार बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने घेराबंदी करके पिकअप रोककर चार बदमाशों को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उनके पास से 2.70 लाख रुपये, तीन तमंचे, तीन जिंदा व तीन खोखा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने पिकअप को सीज किया और आरोपियों को जेल भेज दिया। शुक्रवार को घटना का खुलासा एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया ने प्रेस वार्ता कर किया।

बिल्सी के प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार शुक्रवार सुबह लगभग पौने 10 बजे नरैनी चौराहे पर संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की तलाश कर रहे थे। मुखबिर ने सूचना दी कि प्रेस लिखी पिकअप उघैती की ओर से आ रही है। इसमें संदिग्ध व्यक्ति है। पिकअप चौराहे पर आई तो पुलिसकर्मियों ने रुकने का इशारा किया। पुलिस को देखते ही पिकअप चालक बिल्सी की ओर भागने लगा। इस दौरान पिकअप में आगे की सीट पर बैठे दो बदमाशों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पर तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने खुद का बचाव करते हुए जैसे-तैसे पिकअप रोककर चार लोगों को हिरासत में लिया। बदमाशों ने अपने नाम बरेली के थाना सुभाषनगर क्षेत्र के निवासी मनुआ, बनिया, आजिम मियां और हनीफ बताए।

पुलिस पर फायरिंग की घटना का खुलासा करते एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया।

चार आईपीएस के ट्रांसफर, विक्रांत वीर नए डीसीपी

लखनऊ, अमृत विचार: पुलिस विभाग में शुक्रवार देर रात चार आईपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र बदले गए है। डीजीपी मुख्यालय ने उनकी तबादला सूची जारी की है। प्रतीक्षारत चल रहे आईपीएस विक्रांत वीर को राजधानी में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है।

लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में तैनात पुलिस उपायुक्त आशीष श्रीवास्तव को एसपी सुरक्षा मुख्यालय के पद पर तैनाती दी गई है। डीजीपी मुख्यालय से संबद्ध एसपी विक्रांत धीर को पुलिस उपायुक्त लखनऊ कमिश्नरेट बनाया गया है। 28वीं वाहिनी इटावा के सेनानायक अनिल कुमार सिंह को एसपी सुरक्षा मुख्यालय की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा एसपी सीआईडी लखनऊ अनिरुद्ध कुमार को 28वीं वाहिनी इटावा का सेनानायक बनाया गया है। आईपीएस अधिकारी विक्रांत वीर कमिश्नरेट व्यवस्था से पूर्व लखनऊ में एसपी ग्रामीण के पद पर रह चुके हैं।

घबराइए मत, हर पीड़ित को मिलेगा न्याय : योगी

गोरखपुर में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने लोगों को भरोसा दिलाया कि घबराइए मत, हर पीड़ित को न्याय मिलेगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होंने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि हर शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन का उद्देश्य लोगों को राहत देना है, इसलिए हर अधिकारी जनता की पीड़ा को अपनी जिम्मेदारी समझे।

जनता दर्शन में महिलाओं की उपस्थिति अधिक रही। मुख्यमंत्री स्वयं कुर्सियों पर बैठे लोगों के पास जाकर एक-एक कर उनकी बात सुनते रहे।

हेमकुंड साहिब व लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट बंद

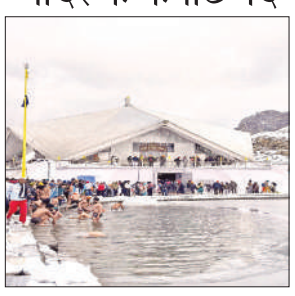

देहरादून, अमृत विचार: हिमालय की गोद में, 15000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित, श्री हेमकुंड साहिब एवं पौराणिक श्री लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट शुक्रवार दोपहर 1:30 बजे विधिवत रूप से शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए।

यह धार्मिक केंद्र केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि हिन्दू-सिख आस्था के अटूट संकल्प का प्रतीक है। इस वर्ष 25 मई से आरंभ हुई श्री हेमकुंड साहिब यात्रा ने श्रद्धालुओं की संख्या के पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। इस सीज़न में 2.75 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने सकुशल दर्शन किए।

लिंग परिवर्तन के बाद नाम बदलने की अनुमति संभव : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- सहायक शिक्षक है शाहजहांपुर निवासी याची

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि क्या लिंग परिवर्तन सर्जरी के बाद किसी व्यक्ति को नाम बदलने की अनुमति दी जा सकती है। कोर्ट ने यह भी बताया कि इस मुद्दे पर कर्नाटक हाईकोर्ट के सुश्री एक्स बनाम कर्नाटक राज्य व अन्य तथा मणिपुर हाईकोर्ट के डॉ. बेयोन्सी लैशराम बनाम मणिपुर राज्य व अन्य मामलों में दिए गए निर्णयों का अवलोकन किया जा सकता है। लिंग परिवर्तन के बाद नाम बदलने की अनुमति का मामला न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकलपीठ द्वारा शरद रोशन सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए सामने आया।

मामले के अनुसार शाहजहांपुर निवासी याची एक सहायक शिक्षक हैं। उन्होंने वर्ष 2020 में लिंग परिवर्तन की प्रक्रिया प्रारंभ की थी, वर्ष 2023 में सर्जरी पूरी हुई। इसके बाद उन्होंने जिला मजिस्ट्रेट से लिंग परिवर्तन प्रमाण-पत्र और पहचान पत्र प्राप्त करने के बाद सरकारी अभिलेखों में अपना नाम सरिता से बदलकर शरद करने की अनुमति मांगते हुए हाईकोर्ट के समक्ष वर्तमान याचिका दाखिल की है। मामले की अगली सुनवाई 30 अक्टूबर को निर्धारित की गई है। बता दें कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने अपने फैसले में राज्य सरकार को जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 एवं उसके नियमों में संशोधन का सुझाव दिया था। जिससे ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 को प्रभावी रूप से लागू किया जा सके।

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र में नाम व लिंग परिवर्तन की अनुमति दी जा सके। वहीं मणिपुर हाईकोर्ट ने माना था कि सरकारी अधिकारी, जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी पहचान प्रमाण-पत्र के आधार पर नाम और लिंग में संशोधन करने के लिए बाध्य हैं।

2027 चुनाव की तैयारी में जुटें कार्यकर्ता : मायावती

लखनऊ, अमृत विचार: कांशीराम के 19वें परिनिर्वाण दिवस पर गुरुवार को संपन्न रैली की अपार सफलता से गदगद बसपा प्रमुख मायावती ने पहली बार अपने कार्यकर्ताओं का आभार जताया। साथ ही कहा कि आप लोगों के जोश एव संकल्प को देखकर विरोधियों के होश उड़ गए हैं, इसलिए विपक्षियों के हथकंडों से बचने के साथ ही 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी में तन, मन और धन से जुट जाएं, ताकि कांशीराम के सपने साकार किए जाएं।

बसपा प्रमुख ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर कार्यकर्ताओं से कहा कि बहुजन समाज के लोग अपने वोटों के बलबूते पर शोषित से शासक वर्ग बनकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का सपना पूरा करने के लिए कितने तत्पर व संघर्षशील हैं।

हल्द्वानी में विवाद के बाद फायरिंग, भगदड़ मची

हल्द्वानी, अमृत विचार: कालाढूंगी में गुरुवार रात दो पक्षों में तकरार के बाद फायरिंग हो गई। गोलियों की तड़तड़ाहट से क्षेत्र थर्रा गया। रामनगर-कालाढूंगी हाईवे स्थित पेट्रोल पंप पर पुलिस कर्मियों के सामने हुई फायरिंग से रामलीला देख रहे लोगों में भगदड़ मच गयी। गनीमत रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। दोनों पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो दिन पहले रामलीला मैदान में मामूली विवाद के बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया था लेकिन गुरुवार रात विवाद इतना बढ़ गया कि नयागांव तिराहे पर रामलीला मैदान के बाहर दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए। यहां पुलिसकर्मियों के सामने ही फायरिंग व पथराव होने पर रामलीला देखने आये लोग दहशत में आ गए। लोगों ने भागकर जान बचाई। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक पंकज जोशी मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। शुक्रवार सुबह पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पेट्रोल पंप से डीवीआर को कब्जे में ले लिया। सूचना पर जनप्रतिनिधि व ग्रामीण भी पहुंच गये। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर बहस हुई। सामाजिक कार्यकर्ता गंगा सामंत ने चार लोगों के खिलाफ तहरीर देकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ रामलीला देख रहे थे। तभी कुछ आराजकतत्वों ने मंचन में बाधा डालने की कोशिश की। रोकने पर अवैध हथियारों से लैस लोगों ने उन्हें जान से मारने की कोशिश की।

करवाचौथ : पतियों की लंबी उम्र के लिए की कामना

सुहागिनों ने विधि विधान से पूजन कर चंद्रमा को अर्घ्य दिया, पतियों के हाथों से जल पीकर व्रत खोला, बाजार में जमकर खरीदारी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : करवाचौथ पर सुहागिनों ने व्रत रखकर विधि विधान से पूजन कर चंद्रमा को अर्घ्य दिया। पतियों की लंबी आयु और परिवार की सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

नवाबगंज, फतेहगंज पूर्वी, शेरगढ़, फरीदपुर, मीरगंज, बहेड़ी, सेंथल, भुता, भंडसर, आंवला, सिरौली, अलीगंज, रामनगर, बंजरिया, सावरखेड़ा, मुंडिया अहमदनगर, चावड़, रिठौरा सहित पूरे जिले में श्रद्धा के साथ करवाचौथ का पर्व मनाया गया।

सुहागिनों ने पतियों की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रखा। भगवान शिव, पार्वती, कार्तिकेय, गणेश और चंद्र देव की पूजा की। पतियों के हाथों जल पीकर व्रत खोला। बाजारों पूजा सामग्री, साज-सज्जा और मेहंदी की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ दिखी। पूरे दिन बाजार ग्राहकों से गुलजार रहा। कुछ जगहों पर भीड़ की वजह से जाम के हालात बने रहे। इससे लोगों को दिक्कत हुई।

करवाचौथ पर आंवला में सामूहिक रूप से पूजन करतीं महिलाएं। • अमृत विचार

फरीदपुर में छलनी से देखकर पूजन करतीं महिलाएं। • अमृत विचार

फतेहगंज पूर्वी में चंद्रमा को देखतीं महिलाएं।

नवाबगंज में पूजन करतीं महिलाएं। • अमृत विचार

सेंथल में पूजन करती महिला।

भुता में पति के साथ पूजा करती महिला।

न्यूज ब्रीफ

खेत में पशु छोड़ने के विरोध पर किया हमला

कैंट, अमृत विचार : जगतपुर निवासी अजीत उर्फ छोटे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 7 अक्टूबर को शाम करीब 4 बजे पड़ोसी गांव पीपल गौटिया निवासी ओमवीर, भूरे, कल्लू व वीरेश ने उनके खेत में अपने जानवर छोड़ दिए। जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपी गाली गलौच करके चले गए। उसी दिन शाम 6 बजे आरोपी एक राय होकर लाठी डंडे से लैस होकर घर के बाहर आए और गाली गलौच करते हुए ललकारने लगे। जब अजीत बाहर निकल कर आए तो उनके साथ मारपीट की। ओमवीर ने कोई नुकीली वस्तु उनके पेट में मार दी। जिससे वह गंभीर घायल हो गए। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एसडीएम को सौंपा 12 सूत्रीय ज्ञापन

आंवला, अमृत विचार : रबी सीजन के मद्देनजर खाद, बीज, और फसलों के विक्रय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने शुक्रवार को तहसील कार्यालय के सामने बैठक की। इसके बाद एसडीएम विदुषी सिंह को 12 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इस दौरान महाराज सिंह, बसंत कुमार, ऊदल सिंह वर्मा, वीरसिंह यादव, मोहनलाल वर्मा, पंकज शर्मा आदि मौजूद रहे।

पुलिस पर पक्षपात करने का आरोप सीओ से शिकायत

नवाबगंज, अमृत विचार : रिछौला चौधरी निवासी शेर सिंह ने बताया कि 9 अक्टूबर की सुबह करीब 8 बजे गांव के कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट की थी। उन्होंने उसी दिन थाने में शिकायत की। दोनों हमलावर भी थाने पहुंच गए। जहां पुलिस ने शिकायतकर्ता सहित तीनों को बैठा लिया। आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों को छोड़ दिया, जबकि उन्हें पूरे दिन थाने में बैठाए रखा।

आरोप है कि इसी दौरान आरोपियों ने उनके घर में तोड़फोड़ की। पुत्री ने घटना की वीडियो बनाकर डायल 112 पर सूचना दी। हमलावर फरार हो गए। वहीं उसे शाम करीब 8:30 बजे थाने से छोड़ा गया। पीड़ित ने सीओ से शिकायत करते हुए न्याय की गुहार लगाई है। आरोपियों पर कार्रवाई न होने पर गांव छोड़ने की बात कही है। कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों पक्ष संग भाई हैं। शिकायतकर्ता ने सार्वजनिक स्थल पर निर्माण करा रखा है, वह पंचायत का फैसला भी नहीं मान रहा है। पुलिस ने समझाया लेकिन अतिक्रमण हटाने पर तैयार नहीं हुआ। पक्षपात का आरोप गलत है। दोनों पक्षों को समझाबुझाकर भेज दिया गया था।

बिचौलियों से धान खरीदने का आरोप

मीरगंज, अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने कुछ केंद्रों के इंचार्ज पर बिचौलियों से धान खरीदने का आरोप लगाया है। मामले में जांच कर कार्रवाई करने की मांग करते हुए पदाधिकारियों ने शुक्रवार को सीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम आलोक कुमार को सौंपा।

मंडल अध्यक्ष चौधरी अरूण सिंह राठी ने कहा कि दो दिन के भीतर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो 25 अक्टूबर को कमिश्नरी कार्यालय पर भाकियू की बैठक में यह मुद्दा उठाया जाएगा। आरोप लगाया कि मीरगंज धान क्रय से बिचौलियों से सीधे धान खरीदा जा रहा है। उन्होंने बनइया स्थित क्रय केंद्र पर खरीद शुरू होने से पहले ही कुछ बोरों में धान भरा होने का भी आरोप लगाया। इमरान अली खान, अवधेश पाठक, कृष्ण चंद्र आदि किसान मौजूद रहे।

महिला सभासद ने चेयरमैन पर लगाया अभद्रता का आरोप, रिपोर्ट

संवाददाता, आंवला

- सभासद ने भाजपाइयों के साथ थाने पहुंच कर पुलिस से की शिकायत
- चेयरमैन बोले-सभासदों को भड़का कर विपक्षी करा रहे झूठी कार्रवाई

अमृत विचार : महिला सभासद ने नगर पालिका चेयरमैन पर अभद्रता करने का आरोप लगाया है। भाजपा नेताओं के साथ थाने पहुंची महिला सभासद की शिकायत पर पुलिस ने चेयरमैन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उधर, चेयरमैन ने कहा कि विपक्षी दल के नेता सभासदों को भड़काकर झूठी कार्रवाई करा रहे हैं।

मोहल्ला गंज कुरेशियान पुरैना ढाल निवासी दिनेश कुमार मौर्य ने बताया कि उनकी पत्नी अनुप्रिया मौर्य पालिका सभासद हैं। पालिका सभागार में गुरुवार को बोर्ड की बैठक थी। उनकी पत्नी सभागार से बाहर आईं। आरोप है कि तभी पालिका चेयरमैन सैयद आबिद अली ने पत्नी का रास्ता रोककर अभद्रता की। आरोप है कि महिला सभासद ने चेयरमैन से कहा कि वह उनकी और पालिका के कार्यों की शिकायत करेंगी और अपने वार्ड में विकास कार्य भी करवाएंगी। इस पर चेयरमैन ने कहा कि अब तुम्हारे वार्ड में विकास कार्य नहीं कराएंगे। इसी बीच पत्नी को बुलाने पहुंचे दिनेश कुमार मौर्य ने इसका विरोध किया। आरोप है कि चेयरमैन ने जान से मारने की भी धमकी दी।

सभासद अनुप्रिया मौर्य अपने पति दिनेश कुमार, भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारियों और सभासदों के साथ शुक्रवार को थाने पहुंची। सभासद के पति ने तहरीर देकर चेयरमैन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने देर शाम चेयरमैन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। इस दौरान महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मीना मौर्य, कुसुम लता शर्मा, कुसुम शर्मा, बीना रस्तोगी, प्रियंका सक्सेना, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अनमोल गुप्ता उर्फ काकू, सुनील श्रीवास्तव, सभासदों में सपना अग्रवाल, सूरजपाल मौर्य, सचिन गुप्ता मौजूद रहे।

वहीं, इस संबंध में चेयरमैन सैयद आबिद अली का कहना है कि उनके लिए सभी सभासद सम्मानित हैं। उन्होंने किसी के साथ कोई अभद्रता नहीं की है। विपक्षी दलों के नेता सभासदों को भड़काकर उनके खिलाफ झूठी कार्रवाई करवा रहे हैं। सभी आरोप निराधार हैं।

भाजपाइयों के साथ थाने में शिकायत करने पहुंचीं सभासद व उनके पति। • अमृत विचार

मां-बेटे पर धारदार हथियार से हमला

क्योलड़िया, अमृत विचार : गांव पुरैनिया के कुलदीप कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार दोपहर गांव के दो लोग शराब के नशे में उसके घर में घुस आए और गाली गलौज करने लगे। मना किया तो दबंगों ने उसके ऊपर धारदार हथियार से हमला कर दिया। बचाने आईं उनकी मां विद्या देवी के साथ भी मारपीट की गई। जिससे मां बेटे घायल हो गए।

संघ के नगर प्रचारक पर किया हमला

- कुछ युवकों ने कार्यालय में लात-घूसों से पीटा, गंभीर घायल
- आरोपियों ने दी जान से मारने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

नवाबगंज, अमृत विचार : कुछ लोगों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर प्रचारक अनंत कुमार पर शुक्रवार देर रात हमला कर दिया।

अनंत कुमार।

मोहल्ला नीमगढ़ स्थित संघ कार्यालय में अनंत कुमार कार्य कर रहे थे। तभी कस्बे के पांच-छह युवक जबरन कार्यालय में घुस आए और पटाखे चलाने लगे। उन्होंने युवकों से शांत रहने और पटाखे न जलाने की बात कही। इस पर युवकों ने गाली-गलौज करते हुए उनपर हमला कर दिया। उन्हें लात-घूसों से पीटा। आरोप है कि एक युवक ने बेल्ट उनकी गर्दन में डालकर जान से मारने की कोशिश की। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोगों ने उन्हें बचाया। युवक तमंचा लहराते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। हमले में अनंत कुमार को गंभीर चोटें आई हैं। कान से खून बह रहा था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाल अरुण कुमार श्रीवास्तव ने घायल मेडिकल परीक्षण कराया। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिल चुकी है। मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सीएम को दी श्रद्धांजलि

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर कस्बे में सपा नेताओं ने सभाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सूरज यादव, पूर्व चेयरमैन शब्बीर अहमद, राम सेवक शर्मा, मंगल बाबू, राजकुमार पाल, बुधपाल सिंह यादव आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

योजनाओं की दी जानकारी

मीरगंज, अमृत विचार : विकसित उत्तर प्रदेश बनाने के संबंध नगर पंचायत कार्यालय सभागार में शुक्रवार को बैठक का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। कई सुझाव भी दिए। इस दौरान अध्यक्ष नगर पंचायत योगेंद्र कुमार गुप्ता, अधिशासी अधिकारी प्रियंका, राजीव गिरी लिपिक, मोहम्मद तसलीम, राजेश कुमार, रवि, लोकेश मौर्य, सर्वेश गिरी सहित सभी सभासद मौजूद रहे।

रोजगार मेला आयोजित

मीरगंज, अमृत विचार : अनुबिस आईटीआई में शुक्रवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ, जिसमें 100 में से 51 छात्रों का चयन हुआ। प्रतिष्ठित कंपनियां एमआरएफ टायर्स (गुजरात) और जुबिलेंट फूड वर्क्स के प्रतिनिधियों ने छात्रों का साक्षात्कार लिया। मेघा शर्मा, सुरेंद्र, सचिन कुमार, बृजेश पाठक, अनिल पाठक, विजय मिश्रा, एचआर अश्विनी आदि मौजूद रहे। प्रधानाचार्य शरद सक्सेना ने चयनित छात्रों को बधाई दी।

जागरूकता रैली निकाली

शेरगढ़, अमृत विचार : कंपोजिट विद्यालय आकलाबाद के बच्चों ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत रैली निकाली। ग्रामीणों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया। खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार भारती, प्रधानाध्यापक कांता प्रसाद गंगवार, ग्राम प्रधान रामपाल मौर्य, एसएमसी अध्यक्ष रतनलाल, शिक्षक सर्वेश कुमार, राजेंद्र प्रसाद, शफीउर्रहमान आदि मौजूद रहे।

मुलायम सिंह की पुण्यतिथि मनाई

मीरगंज, अमृत विचार : कस्बे में सपा कार्यालय पर शुक्रवार को पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सुरेश गंगवार, मनोहर सिंह, महेंद्र राजपूत, नावेद खान, रामबहादुर लोधी, शिवम सक्सेना, सरदार हरभजन सिंह, अरविन्द यादव, अमर सिंह मौर्य आदि उपस्थित रहे।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

NOTICE

I, Vaibhav Aditya Saxena S/O Sh. Ashwani Saxena R/O-75, Rabn Bali Gali, Kasgran, Malukpur, Bareilly, Uttar Pradesh-243001, have changed my name from Vaibhav Saxena to Vaibhav Aditya Saxena henceforth I would be known by the name of Vaibhav Aditya Saxena for all future purposes.

सूचना

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि हमने अपने बड़े पुत्र सलमान को उसके गलत संगत में पड़ने की वजह से अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह खुद जिम्मेदार होगा। हमारे और हमारे परिवार से उसका कोई वास्ता नहीं है। **कल्लू खां पुत्र अच्छू खां और सायरा बी पत्नी कल्लू खां निवासीगण ईमली वाली मस्जिद, शहबाजपुर तकिया, जिला बदायूं**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY — अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE — DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

बवासीर-भगन्दर-फिशर
पाइलोनाइडल साइनस Mob.: 8126164170
भगन्दर गांठ Piles in Men
डॉ. वी.के. सिसोदिया
वरिष्ठ क्षार सूत्र विशेषज्ञ
B.Sc., B.A.M.S.
Proctologist (Ayur.), N.D.D.Y., C.C.K.S. (MUMBAI)
मिलें : प्रत्येक रविवार 12 पत्थर रोड, जलालाबाद (शाहजहाँपुर) में
बरेली एनोरक्टल क्लीनिक पताः- करगैना पुलिस चौकी के पीछे, बदायूं रोड, बरेली

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

दाँतों में तकलीफ
अब कोई चिन्ता नहीं!
ग्लोबल डेन्टल हॉस्पिटल एण्ड इम्पलान्ट सेन्टर
डॉ० एम.बी. गौतम
बी.डी.एस.
(वरिष्ठ मुख एवं दन्त रोग विशेषज्ञ)
उपलब्ध सुविधायें
● शादी से पहले स्माईल डिजाइन अवश्य करायें।
● दांतों की सफाई विदेशी तकनीक द्वारा (Ultrasonic scaler)
● हिलते हुए दांतों को जाम करना।
● दांतों की नसों का इलाज Root Canal Treatment, (Single Siting RCT)
● मसूड़ों से खून आना/बदबू आना व पायरिया का इलाज।
● दांतों में ठण्डा व गर्म पानी लगने का इलाज।
● सड़े गले दांतों को बना तकलीफ के निकालना (Laser Filling)
● टेड़े-मेढ़े, ऊँचे-नीचे दांतों का इलाज। (Fix Braces)
● डेन्टल इम्प्लांट द्वारा दांत लगाना। (Zirconia Crown/ Bridges)
● मुलायम जबड़े की बत्तीसी (Flexible/RPD)
● गुटखे की वजह से मुंह कम खुलने का इलाज।
● एक्सीडेन्टल टूटे जबडे व अक्कल दाढ़ की सर्जरी की सुविधा
सम्पर्क करें:- 9997317000, 0581-4508701
स्थान परिवर्तन
प्रभा टाकीज के सामने वाली रोड, महाजन स्क्वायर 35/के रामपुर गार्डन, जीवन ज्योति अस्पताल के बराबर में, बरेली

न्यूज ब्रीफ

केरल में इंजीनियर की हादसे में मौत

नवाबगंज, अमृत विचार : कस्बे के मुख्य बाजार निवासी आयुष गुप्ता (25) पुत्र राजेश गुप्ता की केरल में सड़क हादसे में मौत हो गई। वह बेंगलुरु में विप्रो कंपनी में इंजीनियर थे। शुक्रवार को शव नवाबगंज लाया गया। जहां अंतिम संस्कार किया गया। पालिका चेयरमैन के पति नीरेंद्र सिंह राठौर, अरविन्द शुक्ला, एडवोकेट श्याम स्वरूप गुप्ता, राजीव गुप्ता, दिनेश चंद्र गुप्ता, राहुल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

करवाचौथ पर पत्नी पर चाकू से किया हमला

आंवला, अमृत विचार : कस्बे के मोहल्ला बेहटा जुनू निवासी ऊषा देवी ने पुलिस को बताया कि पति सुखलाल शराब और जुएं का आदी है। शुक्रवार सुबह उसने जुएं के लिए रुपये न मिलने पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने घायल महिला को अस्पताल भेजा।

एक दिन को कनिष्का बनीं थाना प्रभारी

सिरौली, अमृत विचार : मिशन शक्ति के तहत छात्रा कनिष्क मिश्रा को एक दिन के लिए थाने का प्रभारी बनाया गया। कनिष्क ने शिकायतकर्ताओं को सुना और थाने का निरीक्षण किया। सीओ अजय कुमार ने छात्रा का स्वागत किया। कनिष्क वसुंधरा इंटर कॉलेज की छात्र हैं। प्रिंसिपल दुर्गा सिंह चौहान आदि शिक्षक मौजूद रहे।

पालिका को अतिक्रमण हटवाने के दिए निर्देश

बहेड़ी, अमृत विचार : कस्बे में मुख्य बाजार समेत विभिन्न मार्गों पर अतिक्रमण फैला हुआ है। इसकी वजह से जाम लग रहा है। लोगों को परेशानी से जूझना पड़ रहा है। इस पर एसडीएम इशिता किशोर ने नगर पालिका को रविवार तक अतिक्रमण हटवाने के निर्देश दिए हैं। अगर अतिक्रमण नहीं हटा तो सोमवार को प्रशासन पुलिस के साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाएगा।

पिकअप की टक्कर से कर्मचारी घायल

भमोरा, अमृत विचार : आंवला के मोहल्ला बजरिया निवासी शानू ने बताया कि उसके बड़े भाई समीर पीडब्ल्यूडी कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मी के पद पर तैनात हैं। वह रात में ड्यूटी कर शुक्रवार सुबह बाइक से घर आ रहे थे। मकरंदपुर धारा जीत गांव के समीप पिकअप ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में वह घायल हो गए। मकरंदपुर के ग्रामीणों ने पीछा कर पिकअप को पकड़ लिया।

स्वयंसेवकों को सुरक्षा क्षमता पर दिया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद वार्डन और स्वयंसेवक। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: नागरिक सुरक्षा वार्डन का स्वयंसेवक क्षमता कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार से अर्बन हॉट ऑडिटोरियम में शुरू हुआ। कार्यक्रम 16 अक्टूबर तक चलेगा। उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा राकेश कुमार मिश्रा ने 180 वार्डन को इतिहास, उद्देश्य, नागरिक सुरक्षा आयामों का प्रशिक्षण दिया। वायु सेना के अधिकारियों ने स्वयंसेवकों को आधुनिक युद्ध एवं राष्ट्र की सुरक्षा क्षमता पर प्रशिक्षण दिया। इसके बाद आपदा विशेषज्ञ ने आपदा का प्रशिक्षण दिया।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश को लागू करने का निर्देश

बरेली, अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन में बेसिक शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों को स्कूलों में छात्र-छात्राओं की सुरक्षा और शिकायत निवारण तंत्र को प्रभावी बनाने के निर्देश जारी किए हैं।

अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के पत्र में सभी बीएसए को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। बीएसए संजय कुमार ने बताया कि सभी शासकीय, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त विद्यालयों में छात्रों की सुरक्षा एवं शिकायतों के समाधान के लिए शिकायत निवारण समितियों की भूमिका को मजबूत किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान किया जाए।

जश्ने चिरागा में दिखी गंगा-जमुनी तहजीब

खानकाह-ए-नियाजिया में जश्न ए चिरागा में शामिल लोग। ● अमृत विचार

जश्न ए चिरागा में चिराग रोशन करते लोग। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : बिहारीपुर ख्वाजा कुतुब में स्थित खानकाह-ए-नियाजिया में शुक्रवार को बड़े चिरागा में बड़ी संख्या में लोग मन्नतों के चिराग रोशन करने के लिए पहुंचे।

महिलाओं ने शाम 5 बजे से ही चिराग रोशन करने के लिए लंबी लाइनें लगाकर अपनी बारी का इंतजार किया। कोई औलाद के लिए तो कोई मां-बाप की लंबी उम्र के दुआ के लिए लाइन में लगा। चिराग रोशन करते हुए अकीदतमंद की आंखों में आंसू नजर आए। रात 8 बजे चिराग रोशन करने वालों की भीड़ से खानकाह का परिसर खचाखच भर गया। हिंदू-मुसलमान समेत सभी धर्म के लोग अपनी मन्नत के चिराग रोशन करने पहुंचे।

प्रबंधक जुनैदी मियां नियाजी ने बताया कि गौस पाक के नाम से होने वाले चिराग का नजर अनोखा व निराला नजर आया। खानकाह के चारों तरफ चिराग रोशन होते हुए नजर आए। सज्जादानशीन मेंहदी मियां देर रात तक लोगों को चिराग बांटते रहे। कव्वाली के बाद देर रात गौसुल आजम और हजरत महबूब ए इलाही निजामुद्दीन औलिया का कुल शरीफ मनाया गया। कुल शरीफ की रस्म में देश में अमन चैन और भाईचारे की दुआ की गई। खानकाह में होने वाली भीड़ के मद्देनजर पुलिस फोर्स भी लगातार क्षेत्र में पैदल गश्त करके सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेती रही। शुक्रवार को बड़े चिरागा के साथ दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन हो गया।

बॉक्सिंग रिंग खराब, खुले मैदान पर हुए ट्रायल

प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता से पहले खिलाड़ियों की तैयारी पर संकट, एक साल से बॉक्सिंग के कोच नहीं

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : खेल निदेशालय की ओर से बॉक्सिंग की प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन मेरठ में 13 से 16 अक्टूबर तक किया जाएगा। इसके लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम में शुक्रवार को जिला स्तरीय ट्रायल हुए लेकिन बॉक्सिंग रिंग खराब होने की वजह से खिलाड़ियों को मैदान पर जान जोखिम में डालकर ट्रायल देने पड़े। बॉक्सिंग संघ की ओर एक प्राइवेट संस्था के कोच धमेंद्र यादव को ट्रायल लेने भेजा गया लेकिन ट्रायल में सिर्फ तीन बॉक्सर ही पहुंचे। अरुण शर्मा, हिमांशु और मो. अमान का चयन हुआ।

स्टेडियम में पिछले एक साल से बॉक्सिंग के कोच नहीं है। इसकी वजह से स्टेडियम से बॉक्सर गायब होते जा रहे हैं। बॉक्सिंग रिंग बदहाली का शिकार है। रिंग का फर्श उखड़ा हुआ है, रस्सियां ढीली हैं। अभ्यास के लिए पंचिंग बैग भी खिलाड़ियों ने आपस में चंदा करके लगवाया है। ट्रायल देने आए मुक्केबाजों ने बताया कि लगातार शिकायतों के बावजूद रिंग की मरम्मत नहीं हुई। किसी अधिकारी ने स्थिति सुधारने की कोशिश नहीं की। एक खिलाड़ी ने कहा रोज अभ्यास के लिए आते हैं लेकिन बॉक्सिंग करने लायक रिंग ही नहीं बची। मेहनत तो हम करें, पर व्यवस्था साथ नहीं देती। कोच की तैनाती के बारे में जब भी स्टेडियम कार्यालय से पूछा जाता है तो वहां से जवाब मिलता है कि कोच जल्द ही आ जाएंगे। अपनी समस्या को लेकर डीएम कार्यालय भी गए थे, वहां से भी केवल आश्वासन ही मिला। जिला बॉक्सिंग संघ के सचिव आर्यन चौधरी ने बताया कि स्टेडियम प्रशासन से कई बार इस बारे में बात की, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जो पैसा आता है, वह भी लगता नहीं है। स्टेडियम प्रशासन की ओर से कोच की मांग ही नहीं की जाती है।

मैदान पर बॉक्सिंग ट्रायल में भाग लेते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

स्पोर्ट्स स्टेडियम में बदहाल बॉक्सिंग रिंग। ● अमृत विचार

संजय नगर से अभ्यास के लिए आता हूं। कोच के न होने से हमें अपनी कमियों का पता नहीं चल पाता है। वह लोग सीनियर को देखकर अभ्यास करते हैं। कोच हो तो गेम में और सुधार आ सकता है।

–जय गंगवार

कोहाड़ापीर से चार साल से बॉक्सिंग करने आते हैं। पिछले एक साल से कोच नहीं है। उन्होंने स्टेट लेवल पर रजत और कांस्य पदक जीते हैं। कोच के न होने से प्रतियोगिता में हमारे ऊपर दबाव रहता है।

–संदेश हलदार

उनका प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन 51 से 54 किलोग्राम भार में हुआ है। स्टेडियम में पिछले काफी समय से कोच नहीं होने की वजह से सीनियर के साथ अभ्यास करते हैं। वह दो बार विश्वविद्यालय की प्रतियोगिता में 1 स्वर्ण पदक और 1 रजत पदक जीता है।

–हिमांशु पाठक

जांच में आधे से ज्यादा आसरा आवासों पर मिला कब्जा

संवाददाता, देवरनियां

- नगर पंचायत ने अवैध रूप से रहने वालों को नोटिस दिया, दो दिन में आवास खाली करने के निर्देश

अमृत विचार : नगर पंचायत में बेसहारा लोगों के लिए बने आसरा आवासों पर अपात्रों ने कब्जा जमा रखा है। नगर पंचायत प्रशासन ने ऐसे लोगों को नोटिस जारी कर दो दिन में आवास खाली करने के निर्देश दिए हैं। इस कार्रवाई से अवैध कब्जाधारकों में हड़कंप मच हुआ है।

दरअसल, मुंडिया जागीर में कई साल पहले आसरा आवास कॉलोनी का निर्माण कराया गया था। पात्रों को आवास आवंटित किए गए थे, मगर बड़ी संख्या में अपात्रों ने इन आवासों पर कब्जा कर रखा है। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी अंकित कुमार ने आवासों पर अवैध कब्जा करने वालों को नोटिस जारी किए हैं। दो दिन में आवास खाली न करने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि आसरा आवास कॉलोनी में 84 आवास हैं। इसमें 35 लोगों को ही आवास आवंटित हुए थे। 49 लोग अवैध रुप से आवासों पर कब्जा जमाए हुए हैं। शुक्रवार को अधिशासी अधिकारी ने तहसील से आई टीम के साथ मौके पर जाकर जांच की तो असलियत सामने आई। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी अवैध रुप से कब्जा जमाए लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। नगर पंचायत चेयरमैन मोहम्मद कलीम अंसारी का कहना है कि यह कार्रवाई तहसील और अधिशासी अधिकारी की ओर से की गई है। इससे उनका कोई लेना देना नहीं है। अधिशासी अधिकारी का कहना है कि आसरा आवास कॉलोनी में तहसील टीम के साथ जांच की गई तो सामने आया कि बड़ी संख्या में लोग आवासों पर कब्जा जमाए हैं। पूर्व में नोटिस दिए जाने के बाद भी आवास खाली नहीं किए गए हैं। ऐसे लोगों को दोबारा नोटिस जारी किए गए हैं।

आसरा आवासों की जांच करती टीम।

न्यूज डायरी

मुलायम सिंह की पुण्यतिथि पर हुई निबंध प्रतियोगिता

बरेली, अमृत विचार : प्रीति रूरल डिग्री कॉलेज फरीदपुर में समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. नेहा यादव के नेतृत्व में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें लगभग 200 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया, जिसमें नीलम गंगवार ने प्रथम, प्रियांशी भारद्वाज ने द्वितीय और पायल देवी और सक्षम शर्मा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और सम्मान प्रतीक प्रदान किए गए। डॉ. नेहा यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव का जीवन संघर्ष, समर्पण और सेवा की मिसाल है। ऐसे आयोजन युवाओं में समाजवादी विचारधारा के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। जिला महासचिव संजीव यादव ने कहा कि नेता जी का जीवन युवाओं के लिए एक आदर्श रास्ता है। राष्ट्रीय प्रवक्ता मयंक शुक्ला ने सपा संस्थापक के जीवन को एक आदर्श जीवन कथा बताया। कार्यक्रम में सपा संस्थापक के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। डॉ. सुरेश गंगवार, संजय यादव, रामप्रताप गंगवार, शैलेश शर्मा, भगवत सरन गंगवार, केदारनाथ, वीरेश यादव आदि उपस्थित रहे।

स्वदेशी मेले में धीरे-धीरे बढ़ रही भीड़

बरेली, अमृत विचार : उद्योग विभाग की ओर से आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो स्वदेशी मेले में शुक्रवार को सुबह से दोपहर तक कम लोग ही नजर आए। मेले में धीरे-धीरे भीड़ बढ़ रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार यहां चप्पल, जरी-जरदोजी, जरी पेंटिंग, पर्स इम्ब्राईडरी, बनारसी साड़ी, डोरमैट, आसन पट्टी, कालीन, मिट्टी के बर्तन, ज्वेलरी, बांस-बेंत, केन फर्नीचर, होम डेकोरेट के 15 से अधिक स्टॉल लगे हुए हैं। कम दामों में लोग स्वदेशी उत्पादों को खरीदकर लाभांवित हो सकते हैं, लेकिन लोगों की रुचि कम होने पर अधिकारियों में भी निराशा नजर आ रही है।

धर्म-अधर्म की लड़ाई में जीत धर्म की होती है: ज्ञानानंद

बरेली, अमृत विचार : मॉडल टाउन स्थित श्री हरि मंदिर में शुक्रवार को गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने सत्संग में गीता का उपदेश सुनाया। उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण अर्जुन की मनोभावना का आदर करते हुए उनके सारथी बने थे। रणभूमि में अर्जुन ने अपने सामने अपने परिवार के सदस्यों को देखकर धनुष को रख दिया था। उसके बाद श्रीकृष्ण ने उनसे कहा कि अपने मोह को त्याग दो और भीष्म पितामह और गुरु द्रोणाचार्य पर तीरों से प्रहार करो, तब अर्जुन ने कहा कि यह कैसे संभव है कि अपने लोगों पर कैसे वार कर सकता हूं। श्री कृष्ण ने अर्जुन को समझाया कि वह अधर्म के पक्ष में खड़े हैं और तुम धर्म के पक्ष में हो इसलिए तुम यह मोह त्याग दो। महाराज ने बताया कि धर्म अधर्म की लड़ाई में जीत धर्म की हुई। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुशील अरोरा, सचिव रवि छावड़ा ने महाराज का स्वागत किया। इस मौके पर डॉ. बलराम अरोड़ा, संजय आनन्द, गोविंद तनेजा, रंजन कुमार, अनिल चड्ढा, जतिन दुआ, अतुल कपूर आदि लो मौजूद रहे।

जिला जज ने सिविल न्यायालय का निरीक्षण किया

फरीदपुर, अमृत विचार : नवागत जिला जज प्रदीप कुमार सिंह ने शुक्रवार को सिविल न्यायालय का निरीक्षण किया। पत्रावलियों के रखरखाव की सही व्यवस्था न होने के कारण एसडीएम को जल्द स्थाई न्यायालय के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने बार के सभागार में बैठकर अधिवक्ताओं की समस्याओं को सुना और जल्द निराकरण का भरोसा दिलाया। सिविल जज शिखर अग्रवाल, सिविल न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण सिंह भदौरिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रवेश त्रिवेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता नरेश चौधरी, देवदत्त शर्मा, रविन्द्र राठौर, मथुराप्रसाद साहू, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, पंकज, धीरेन्द्र कश्यप, सौरभ सक्सेना, राहुल, शशिकांत साहू, अनेसुद्दीन अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

डिजिटल अटेंडेंस से मानी जाएगी छात्रों की उपस्थिति

बरेली, अमृत विचार : बेसिक शिक्षा विभाग ने छात्र उपस्थिति प्रणाली को सीएम डैशबोर्ड से इंटीग्रेट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बीएसए ने इस संबंध में जिले में भी आदेश जारी कर दिया है।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा लखनऊ से जारी पत्र के मुताबिक बेसिक शिक्षा विभाग का नया स्टूडेंट अटेंडेंस प्रोजेक्ट अब सीएम डैशबोर्ड से जोड़ा जाएगा, जिससे प्रत्येक विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति का डेटा डिजिटल रूप से दर्ज और मॉनिटर किया जा सकेगा। यह परियोजना अक्टूबर से शुरू होकर नवंबर से संबंधित रिपोर्टिंग सिस्टम में सम्मिलित होगी। इस परियोजना का उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को डिजिटल और पारदर्शी बनाना है। बीएसए संजय कुमार ने सभी परिषदीय विद्यालयों को निर्देशित किया है कि वे डिजिटल छात्र उपस्थिति पोर्टल पर प्रत्येक विद्यार्थी की उपस्थिति प्रतिदिन दर्ज करें।

जीआरएम में शतरंज चैलेंज चेकमेट की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- 149 विद्यार्थियों ने 28 स्कूलों से किया प्रतिभाग, आईपीएस अंशिका वर्मा ने किया उद्घाटन

जीआरएम सीनियर ब्रांच में शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: इंडिपेंडेंट स्कूल्स एसोसिएशन (आईएसए) की ओर से आयोजित क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक सप्ताह के अंतर्गत शुक्रवार को जीआरएम स्कूल नैनीताल रोड ब्रांच में दो दिवसीय अंतरविद्यालयी शतरंज प्रतियोगिता चेकमेट की शुरुआत हुई। प्रतियोगिता में जिले के सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के 28 विद्यालयों के 149 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

प्रतियोगिता तीन श्रेणियों अंडर-11, अंडर-14 और अंडर-19 में आयोजित हो रही है। पहले दिन तीन राउंड के मैच खेले गए। अंडर-11 वर्ग में जीआरएम नैनीताल रोड के सक्षम अरोरा, सोबती स्कूल के रियांश कुमार, जीआरएम डोहरा के ऋषित गोयल, जयपुरिया के रणविजय सिंह और सैक्रेड हार्ट के मोहम्मद अर्सलान शीर्ष पर रहे। अंडर-14 वर्ग में व्यास वर्ल्ड के दिव्यजोत गुंज्याल व अद्विक सिंह, जीआरएम नैनीताल रोड के अनंत सक्सेना और हरिति स्कूल के आदिदेव आगे चल रहे हैं।

अंडर-19 वर्ग में जीआरएम नैनीताल रोड के ओम रखेजा व साहस अग्रवाल, जिंगल बेल्स के दिव्यांश कुमार, बिशप के अरहान अहमद खान और व्यास वर्ल्ड के अश्मित वर्मा अग्रणी हैं।

मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अंशिका वर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन कर प्रतियोगिता की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि खेलकूद की गतिविधियां विद्यार्थियों के समग्र विकास का अभिन्न हिस्सा हैं। जीवन फूलों की सेज नहीं, बल्कि कांटों का ताज है और हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना ही असली सफलता की कुंजी है। एक छात्र के प्रश्न किया कि हार जाने पर क्या रोना उचित है, के उत्तर में उन्होंने कहा, रोना एक स्वाभाविक भावनात्मक प्रतिक्रिया है, पर महत्वपूर्ण यह है कि आंसू थमने के बाद हम फिर से जीत की ओर कदम बढ़ाएं।

विद्यालय प्रबंधक एवं आईएसए के चार्टर प्रेसिडेंट राजेश जौली ने कहा कि शतरंज जीवन का दर्पण है जहां हर चाल सोच-समझकर उठानी पड़ती है। प्रधानाचार्य रनवीर सिंह रावत ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। शनिवार को प्रतियोगिता के चौथे और पांचवें राउंड खेले जाएंगे। इसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा। कार्यक्रम में विद्यालय निदेशक त्रिजित अग्रवाल, आईएसए के अध्यक्ष निर्भय बेनीवाल, सचिव अंकित बग्गा, सौभाग्य चौधरी, रजनीश कुमार त्रिवेदी, पारुष अरोरा, तथा समन्वयक डॉ. विनीता सक्सेना उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल की भूमिका विद्यालय के क्रीड़ा विभाग ने निभाई। मंच संचालन सिया आनंद और सिद्धि सक्सेना ने किया।

दिनचर्या में बदलाव कर मानसिक स्वास्थ्य का रखें ख्याल

कार्यालय संवाददाता, बरेली

शिविर को संबोधित करते सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह। ● अमृत विचार

अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभागार में शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्या डॉ. प्रियंका ए मसीह, उप-प्रधानाचार्या डॉ. अनीता पी व प्रोफेसर वेल्लादुरई नारायनन ने की।

डॉ. प्रियंका ने बताया कि इस वर्ष की थीम सेवा तक पहुंच, आपदाओं और आपात स्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य है जिसका अर्थ है कि कार्यस्थल पर मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण विषय है क्योंकि तनाव, चिंता और अवसाद विश्व उत्पादकता और कर्मचारी कल्याण को प्रभावित करते हैं। कार्यक्रम के आयोजक एवं वक्ता नर्सिंग ट्यूटर अनुराग शर्मा ने मानसिक तनाव से होने वाली बीमारियों और उनसे बचाव के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की। बताया कि इस दिन का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और मानसिक बीमारियों को समाज में छुपाने के प्रति कलंक को खत्म करना है। उन्होंने यह भी बताया कि परिवार और समाज का सहारा मानसिक स्वास्थ्य बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। सरकारी और गैर सरकारी संगठनों द्वारा समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं। वहीं संतुलित आहार और सीमित दिनचर्या से भी मानसिक स्वास्थ्य को काफी लाभ मिलता है। इस मौके पर असिस्टेंट प्रोफेसर रवि शंकर पाल, कपिल पटेल का विशेष सहयोग रहा।

दिल व दिमाग दोनों पर भारी मानसिक बीमारी : एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मानसिक रोग विभाग की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। मानसिक रोग विभाग के अध्यक्ष प्रो. पीके परडल ने तनाव, चिंता, अवसाद, मन की थकान, उदासी जैसी आम परेशानियों के गंभीर होकर मानसिक विकारों में बदलने की बात कही। उन्होंने कहा कि मानसिक रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। प्रो. दीपक चरन ने कहा कि परिवार के किसी भी सदस्य में अगर तनाव, अवसाद और आत्महत्या जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत मनोरोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया। एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के डायरेक्टर आदित्य मूर्ति, प्रिंसिपल एयरमार्शल, सेवानिवृत्त डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. शरद जौहरी और डॉ. वंदना नेगी समेत अन्य मौजूद रहे।

तीन सौ बेड अस्पताल में लगाया शिविर

स्वास्थ्य विभाग की ओर से तीन सौ बेड अस्पताल परिसर में वृहद मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। इसकी शुरुआत सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह सिंह ने की। शिविर में मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. आशीष की टीम ने 189 रोगियों को परामर्श दिया। इस दौरान मरीजों को मानसिक स्वास्थ्य और टेलीमानस के बारे में समझाया गया और रोगों से बचाव संबंधी पैंफ्लेट भी वितरित किए गए। इस दौरान राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. अमित, डिप्टी सीएमओ डॉ. लईक अंसारी और तीन सौ बेड अस्पताल के सीएमएस डॉ. इंतजार भी मौजूद रहे।

अमृत विचार

बरेली , शनिवार,11 अक्टूबर 2025

बरेली

बरेली के चार खिलाड़ी हुए चयनित

बरेली, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से अंडर-19 महिला वर्ग के ट्रायल लखनऊ में हुए। फाइनल टीम के लिए कानपुर में ट्रायल होंगे, इसके बाद यूपी की टीम का चयन किया जाएगा। बरेली क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव सीताराम सक्सेना ने बताया कि ट्रायल में बरेली की गार्गी पटेल, मानवी वर्मा, इशिता सक्सेना व खुशी चयनित हुई हैं।

नेताजी कहते थे वायदा खिलाफी भी सबसे बड़ा भ्रष्टाचार: वीरपाल सिंह

सपा कार्यालय पर सपा संस्थापक की तीसरी पुण्यतिथि मनाई

कार्यालय संवाददाता, बरेली

पार्टी कार्यालय पर सपा संस्थापक को श्रद्धांजलि देते सपाई।

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की तीसरी पुण्यतिथि पर पार्टी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद वीरपाल सिंह यादव ने मुलायम सिंह के साथ अपने राजनीतिक अनुभव को साझा करते हुए कहा कि नेता जी कहते थे ''रिश्वत लेना ही नहीं बल्कि किसी से किया वायदा न निभाना भी भ्रष्टाचार है। बरेली की मौजूदा परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त की।

जिलाध्यक्ष शिवचरन कश्यप ने कहा नेता जी मन से मुलायम थे, उनके इरादे भी लोहा थे। महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव संगठन और कार्यकर्ता को हमेशा सर्वोपरि रखते थे। विधायक शहजिल इस्लाम ने कहा कि 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी जनकल्याणकारी सरकार बनाएगी। पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन ने कहा कि नेता जी संगठन को पद और सत्ता से अधिक महत्व देते थे। आज नेताजी भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार और छवि अखिलेश यादव जी के रूप में जीवित हैं। संचालन जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने किया। पूर्व विधायक सुल्तान बेग, विजय पाल सिंह, प्रो. जाहिद खां, मलखान सिंह यादव, सुरेंद्र सोनकर, डॉ. अनीस बेग, पं. दीपक शर्मा, मनोहर पटेल, गौरव सक्सेना, सुरेश गंगवार, ब्रजेश सविता, ॠषि यादव, जितेंद्र मुंडे, राजेश यादव, अब्दुल कयूम मुन्ना, रामनाथ पटेल, अमित पटेल, राम बहादुर लोधी,सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दूसरी शादी करने की तैयारी में था युवक, रिपोर्ट दर्ज

आंवला, अमृत विचार : तलाकशुदा महिला ने युवक पर शादी करके धोखा देने और दूसरी शादी करने के प्रयास का आरोप लगाया है। महिला ने आरोपी युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रामनगर रोड के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है। पति से तलाक के बाद वह दिल्ली में काम करती थी। दिल्ली में आंवला के कनगांव निवासी प्रदीप के संपर्क में आने के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। दोनों ने शादी करने का निर्णय लिया। 6 अक्टूबर को प्रदीप गांव चला आया। महिला को जानकारी मिली कि प्रदीप 11 अक्टूबर को दूसरी शादी करने जा रहा है।

दुकानदार के साथ की मारपीट, रिपोर्ट

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र में दो लड़कियों के साथ मिलकर एक युवक ने दुकानदार की जमकर पिटाई की। पुलिस ने तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सन सिटी विस्तार निवासी सुमन गिरी गोस्वामी ने बताया कि सुरेश शर्मा नगर चौराहे पर उनकी फोटो स्टेट की दुकान है। आरोप है कि 8 अक्टूबर को अभिषेक चौहान दो लड़कियों के साथ दुकान पर आया और अपनी प्रोजेक्ट रिपोर्ट को लेने के लिए दबाव बनाने लगा, जिसमें रुपयों को लेकर कहासुनी हो गई। बीच बचाव करने आए उसके बेटे के साथ तीनों ने मिलकर मारपीट क और जान से मारे की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। हालांकि इस मामले में आरोपी पक्ष ने पहले ही रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

व्याख्यान आयोजित

बरेली : मिशन शक्ति के अंतर्गत बरेली कॉलेज की ओर से विकसित भारत एवं महिलाओं की सुरक्षा विषय पर शुक्रवार को विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता राजनीति शास्त्र विभाग की प्रभारी प्रो. मनमीत कौर ने विचार रखे। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. वंदना शर्मा मौजूद रहीं।

कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली सम्भाग, बरेली

पत्रांक : 1605/स्वी.अनु./धा.ख./सी.एम.आर. परि.-ई-निविदा/2025-26/बरेली दिनांक 09.10.2025

ई-टेण्डर नोटिस (सी.एम.आर. परिवहन)

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 मे मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत इस कार्यालय के पत्रांक 1154/स्वी.अनु./धा.खा./सी.एम.आर. परि.-ई-निविदा/2025-26/बरेली दिनांक 12.08.2025 एवं पत्रांक 1470 दिनांक 22.09.2025 के द्वारा बरेली सम्भाग में गत वर्ष में कार्यरत राइस मिलों के आधार पर सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की गयी थी। उक्त आमंत्रित ई-निविदा में कतिपय राईस मिलों पर विचारणीय निविदायें प्राप्त न होने के कारण एवं खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत नई राईस मिल सत्यापित होने के कारण कार्यालय आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ के पत्रांक 2216/मु.वि.अ./धा.ख.-नीति प्रस्ताव/2025-26 दिनांक 10.06.2025 के साथ संलग्न शासनादेश सं. 358/29-4-2025/1831/2020 दिनांक 10.06.2025 के द्वारा खरीफ विपण वर्ष 2025-26 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान क्रय व्यवस्था संबंधी समय सारिणी में दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं. 591/29-4-2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 16.05.2023, शासनादेश सं. 1215/29-4013(99)7/2022 दिनांक 15.09.2022, शासनादेश सं.-571/29-4-2023/4013(099)/7/2022 दिनांक 03.05.2023, शासन के पत्र संख्या 831/29-4-2023-385/19 दिनांक 25.07.2023 एवं अपर आयुक्त (विपणन) खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांक 3773/अ.वि.श./है.परि./परि.दर/359/2022 दिनांक 25.07.2023 के साथ संलग्न राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.) की दिनांक 10.07.2023 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त के आलोक में बरेली सम्भाग के जनपद बरेली, बदायूँ, पीलीभीत एवं शाहजहाँपुर में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत धान क्रय केन्द्रों से सम्बद्ध होने वाली राइस मिलों से भारतीय, खाद्य निगम के निर्धारित डिपो तक सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है। सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु निविदायें जनपदवार मिलवार प्राप्त की जायेगी। राइस मिलों की ई-निविदा हेतु गतवर्ष में कार्यरत राइस मिलें सम्मिलित की गयी है, वर्तमान सत्र में राइस मिलों का सत्यापन प्रक्रियाधीन है। सत्यापन उपरांत राइस मिलों की सूची में मिलों की संख्या घट व बढ़ सकती है। वर्तमान प्रकाशित ई-टेण्डर में राइस मिलों के सत्यापन एवं पंजीयन के अधीन होगे। निविदा समिति द्वारा उन्हीं राइस मिलों की ई-निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा जिन राइस मिलों की सूची सत्यापन एवं पंजीयन उपरांत जिला खाद्य विपणन अधिकारी कार्यालय द्वारा इस कार्यालय को उपलब्ध करायी जायेगी।

गत वर्ष में कार्यरत राइस मिलों के आधार पर एवं वर्तमान में सत्यापित एवं सत्यापन के अधीन नवीन राईस मिलों पर संलग्न सूची के अनुसार जनपद बरेली में 04 जनपद बदायूँ मे 02 जनपद पीलीभीत में 02 एवं जनपद शाहजहाँपुर में 04 कुल 12 राइस मिलों पर सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु जनपदवार ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदादाता/फर्म द्वारा प्रत्येक राईस मिल के लिए पृथक-पृथक निविदा प्रपत्र संलग्न किये जायेंगे तथा निविदा शुल्क (प्रत्येक राइस मिल हेतु) एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कॉपी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी। सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि निविदा विशिष्टीकरण निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। सी.एम.आर. परिवहन कार्य हेतु निविदा प्रपत्र शुल्क 500+90(जी.एस.टी.)=590/- तथा प्रत्येक निविदा के साथ सी.एम.आर. परिवहन कार्य के लिये धरोहर धनराशि रू. 15,000 सम्भागीय वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी (खाद्य) बरेली के पदनाम से खाता संख्या 0232104000190848 आई.एफ.एस.सी. कोड IBKL0000232 आई.डी.बी.आई. बैंक सिविल लाइन्स बरेली में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. से जमा किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कॉपी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 16.10.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। टेक्निकल बिड दिनांक 16.10.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तदर्थ गठित ई-निविदा समिति के द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड के प्रपत्रों की जांचोपरान्त इसमें अर्ह निविदादाता की ही वित्तीय निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। तदोपरांत वित्तीय निविदा, निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने काअधिकार सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली के पास सुरक्षित होगा।

निविदा की शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई-टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक
बरेली सम्भाग, बरेली।

कार्यालय ग्रा.प. मौहब्बेअलीपुर चिचैटा विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक/निविदा/विज्ञाप्ति/2025-26 10-10-2025

अल्पकालीन निविदा

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, राज्य वित्त, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत मौहब्बेअली पुर चिचैटा विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अत: समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 13.10.2025 को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित धनराशि
1.	गौशाला में टिन शैड एवं अतिरिक्त निर्माण कार्य	प्रा. के अनु.

सचिव प्रधान

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

पत्रांक: 2977/का.ब.वि.प्रा./2025 **विज्ञप्ति** दिनांक: 10.10.2025

बरेली महायोजना-2031 अन्तर्गत जोनल प्लान तैयार करने हेतु इस कार्य में दक्ष संस्थाओं/कंसल्टेंट से निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखनीय है कि आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग-3, उ.प्र. शासन के शासनादेश संख्या 8-3099/1590/2020/ I/ 961333/2025, दिनांक 14.05.2025 द्वारा जोनल प्लान तैयार करने हेतु निर्देश दिये गये हैं। जोनल प्लान तैयार करने से सम्बन्धित RFP https://e-tender.up.nic.in दिनांक 13.10.2025 से डाउनलोड किया जा सकता है।

उपाध्यक्ष
बरेली विकास प्राधिकरण
बरेली

कार्यालय ग्राम पंचायत पुरैनिया विकास खंड भदपुरा जिला बरेली

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मों एवं विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पुरैनिया की कार्य योजना 2025-26 के अन्तर्गत मनरेगा योजना के अन्तर्गत निम्न कार्यो को कराये जाने हेतु ईट, रेता, रोड़ी, सीमेन्ट, बजरी, बजरफुट, पन्नी, सरिया इत्यादि सामान की आवश्यकता है। उक्त सामग्री की सीलबन्द निविदायें दिनांक 11.10.2025 से 14.10.2025 को ग्राम पंचायत कार्यालय पर दोपहर 2 बजे तक आमंत्रित की जायेगी जो उसी दिन दोपहर 3:00 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी। निविदा को स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने का अधिकार केवल ग्राम पंचायत को होगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	लम्बाई	अनु. लागत
1.	लालाराम के घर से फकीर चन्द के घर तक सीसी रोड निर्माण	90 मीटर	398050/-

ग्राम प्रधान-सेवाराम सचिव-पुष्पेंद्र कुमार

कार्यालय नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत

पत्रांक: 110/न.प.ब./2025-26 दिनांक: 09.10.2025

ई-निविदा सूचना

नगर पंचायत बरखेड़ा जनपद पीलीभीत द्वारा वर्ष 2025-26 में शहरी क्षेत्रों में अन्त्येष्टि स्थल विकास योजना के अन्तर्गत नगरीय निकायों को प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत बरखेड़ा के वार्ड नं. 01 में स्थित अन्त्येष्टि स्थल का निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य कराये जाने हेतु कार्य की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा प्रपत्र उ.प्र. की ई-प्रक्योरमेंट की वेबसाइट http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

बिड प्रकाशित होने की तिथि	10.10.2025	प्रात: 08:00 बजे
ऑनलाइन बिड अपलोड करने की तिथि	10.10.2025	प्रात: 10:00 बजे
बिड अपलोड करने की अन्तिम तिथि	18.10.2025	प्रात: 10:00 बजे तक
बिड खुलने की तिथि	18.10.2025	अपरान्ह 02 बजे

नागेन्द्र पाण्डेय
उपजिलाधिकारी बीसलपुर /
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बरखेड़ा, पीलीभीत

श्याम बिहारी भोजवाल
अध्यक्ष
नगर पंचायत बरखेड़ा
पीलीभीत

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई खण्ड, बरेली।

पत्रांक 1032/ल0सिं0/लेखा/म0ग0बो0/पंजीकरण/2025-26 दिनांक: 04.10.2025

अल्पकालीन पंजीकरण सूचना सं0-31/2025-26

लघु सिंचाई खण्ड बरेली के जनपद बरेली में एल्यूवियल स्ट्रेटा में आर0आर0 विट 8×14 इंच व्यास के 80 मीटर गहराई तक छिद्रण हेतु उपयुक्त डी0सी0/आर0सी0 फंक्शन हेतु छोटी/हल्की रिग मशीन अथवा मैकेनाइज्ड यूनिट से मध्यम गहरे नलकूप निर्माण के लिए बोरिंग करने के लिए मशीनों के पंजीकरण हेतु कुछ फर्मो द्वारा प्रार्थना-पत्र अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में उपलब्ध कराये गये है। उक्त के क्रम में महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा लघु सिंचाई खण्ड बरेली के जनपद बरेली में कार्य करने के लिए पंजीकरण हेतु पंजीकरण प्रपत्र पुन: मुहरबन्द लिफाफे में दिनांक 27.10.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिनांक को अपरान्ह 3:00 बजे गठित समिति द्वारा उपस्थित मशीन मालिकों/फर्मो अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में खोलें जायेगें,उक्त तिथि को अवकाश घोषित होने पर कार्यवाही अगले कार्य दिवस को होगी। पंजीकरण आवेदन पत्र (शर्तो सहित) दिनांक 13.10.2025 को प्रात: 10:00 बजे से दिनांक 17.10.2025 को सांय 05:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी कार्यालय से नकद रू0 300.00 का मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते है। इच्छुक फर्मदाताओं को पंजीकरण आवदेन पत्र के साथ निम्न प्रपत्र संलग्न करने अनिवार्य होगें, पंजीकरण हेतु रू0 100000.00 (रू0 एक लाख मात्र) जमानत धनराशि की एफ0डी0आर0 शिडयूल कमर्शियल बैंक जो अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई प्रखण्ड, बरेली के पदनाम से बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। कम्प्रेशर एवं रिग मशीन का वैध स्वामित्व प्रमाण-पत्र की छायाप्रति, जिलाधिकारी द्वारा प्रदत्त वैध चरित्र प्रमाण-पत्र एवं वैध हैसियत प्रमाण-पत्र, आयकर का पैन कार्ड नम्बर, जी0एस0टी0 नम्बर के रजिस्ट्रेशन की प्रमाणित छाया प्रति,आधार कार्ड की छायाप्रति, फर्मदाताओं का ड्रिलिंग एजेन्सी के रूप में उत्तर प्रदेश भू-गर्भजल विभाग के पोर्टल पर सम्बन्धित जनपद में वैध पंजीकरण का प्रमाण-पत्र (6-ए) संलग्न करना अनिवार्य होगा, दो वित्तीय वर्षो का कार्य करने का अनुभव प्रमाण-पत्र,आयकर रिटर्न (नवीनतम आई0टी0आर0) प्रमाण-पत्र की छायाप्रति।

अधिशासी अभियन्ता,
लघु सिंचाई खण्ड,
बरेली।

UP-238735 दिनांक 09.10.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली सम्भाग, बरेली

पत्रांक : 1606/स्वी.अनु./धाबा.ख./है.-परि.-ई-निविदा/2025-26/बरेली दिनांक 09.10.2025

अल्पकालीन ई-टेण्डर नोटिस

कार्यालय आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ के पत्रांक 2216/मु.वि.अ./धा.ख.-नीति प्रस्ताव/2025-26 दिनांक 10.06.2025 के साथ संलग्न शासनादेश सं. 358/29-4-2025/1831/2020 दिनांक 10.06.2025 के द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान क्रय व्यवस्था संबंधी समय सारिणी ने दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं. 591/29-4-2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 16.05.2023, शासनादेश सं. 1215/29-4013(99)7/2022 दिनांक 15.09.2022, शासनादेश सं.-571/29-4-2023/ 4013(099) /7/2022 दिनांक 03.05.2023 शासन के पत्र संख्या 831/29-4-2023-385/19 दिनांक 25.07.2023 एवं अपर आयुक्त (विपणन) खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांक 3773/अ.वि.शा./है.परि./परि. दर/359/2022 दिनांक 25.07.2023 के साथ संलग्न राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.टी.) की दिनांक 10.07.2023 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त, अपर आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ के आलोक में बरेली सम्भाग के जनपद बरेली, बदायूँ एवं शाहजहाँपुर में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा नामित समस्त क्रय संस्थाओं से सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित धान क्रय केन्द्रों से सम्बद्ध चावल मिलों तक तथा रबी विपणन वर्ष 2025-27 के अन्तर्गत सम्भावित गेहूँ क्रय केन्द्रों को आधार मानते हुए गेहूँ क्रय केन्द्रों से निर्धारित/सम्बद्ध भारतीय खाद्य निगम डिपो तक गेहूँ के परिवहन कार्य हेतु (एस.एल.सी. द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में) शेड्यूल दर के सापेक्ष तथा खाद्य विभाग के धान/ मक्का/बाजरा क्रय केन्द्रों पर हैण्डलिंग /परिवहन कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है।

क्र.सं.	कार्य का प्रकार	केन्द्रों की सं.
1.	बरेली सम्भाग में जनपद बरेली के 03 एवं जनपद बदायूँ के 02 कुल 05 बाजरा क्रय केन्द्रों पर हैण्डलिंग कार्य हेतु (संलग्न सूची सं. 01)	5 बाजरा क्रय केन्द्र
2.	बरेली सम्भाग में जनपद बदायूँ के 02 बाजरा क्रय केन्द्रों पर हैण्डलिंग कार्य हेतु (संलग्न सूची सं. 02)	2 बाजरा क्रय केन्द्र
3.	खाद्य विभाग में जनपद बदायूँ के 01 धान क्रय केन्द्र पर हैण्डलिंग कार्य हेतु (संलग्न सूची सं. 03)	1 धान क्रय केन्द्र
4.	बरेली सम्भाग में समस्त संस्थाओं के जनपद शाहजहाँपुर 7 एवं जनपद बदायूँ के 3 कुल 10 धान क्रय केन्द्रों पर परिवहन कार्य हेतु (संलग्न सूची सं. 04)	10 धान क्रय केन्द्र

उपरोक्तानुसार संलग्न सूची के अनुसार नवीन क्रय केन्द्रों पर एवं कतिपय केन्द्रों पर विचारणीय निविदायें प्राप्त न होने के कारण पुन: ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदादाता द्वारा प्रत्येक केन्द्र के लिए पृथक-पृथक निविदा प्रपत्र संलग्न किये जायेंगे तथा निविदा शुल्क (प्रत्येक केन्द्र हेतु) एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी। हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि निविदा विशिष्टीकरण निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु निविदा प्रपत्र शुल्क 500+90(जी.एस.टी.)=590/- तथा प्रत्येक निविदा के साथ परिवहन कार्य के लिये धरोहर धनराशि रू. 15,000/- तथा हैण्डलिंग कार्य के लिए धरोहर धनराशि रू. 30,000/- सम्भागीय वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी (खाद्य), बरेली के पदनाम से खाता संख्या 0232104000190848 आई.एफ.एस.सी. कोड IBKL0000232 आई.डी.बी.आई बैंक सिविल लाइन्स बरेली में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. से जमा किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 16.10.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। टेक्निकल बिड दिनांक 16.10.2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तदर्थ गठित ई-निविदा समिति के द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड के प्रपत्रों की जाँचोपरान्त इसमें अहर्य निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। तदोपरांत वित्तीय निविदा, निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली के पास सुरक्षित होगा।

निविदा की शर्त ने परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई-टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक
बरेली सम्भाग, बरेली।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता

निर्माण खण्ड, लो0नि0वि0, बदायूँ।

अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रण सूचना

No. : 2167 / Nivida(E-T.)/ 2025-26 Date : 30-09-2025

1. महामहिम राज्यपाल, उ0 प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड, लोनिवि बदायूँ के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार वर्षा काल में क्षतिग्रस्त सड़क के सतह सुधार एवं यातायात सुगम किये जाने हेतु स्वीकृति की प्रत्याशा में अल्पकालीन ऑनलाइन ई-निविदा दि0 13.10.2025 से दि0 25.10.2025 की दोपहर 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं:-

2.वित्तीय वर्ष 2025-26 में विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत कार्यः-

Sr. No.	District	Name of work	Cost of Construction	Bid Security (in Rs.lac)	Cost of Bid Document (Rs.)	Time of completion	Address of Executive Engineer Executing the work	Address of Superintending Engineer	Address of Chief Engineer	Category of Contractor (Road Work)
1	Budaun	बसपुर फिरोजपुर मार्ग से फततनपुर ठ्प्पा हवेली मार्ग की छूटी कड़ी में मरम्मत एवं आबादी भाग में सी0 सी0 एंव नाली निर्माण का कार्य	34.10	3.41	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
2	Budaun	खण्डुआ से बसन्तनगर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी0सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य	8.37	0.84	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
3	Budaun	धर्मपुर से गन्दरोली सम्पर्क मार्ग के गन्दारोली आबादी भाग मे सी0सी0 एवं नाली निर्माया का कार्य	8.81	0.89	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
4	Budaun	बिसौली इस्लामनगर मार्ग से हुसैनपुर सम्पर्क मार्ग की मरम्मत एवं आबादी भाग में सी0सी0 तथा नाली निर्माण का कार्य	6.71	0.68	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
5	Budaun	एम0 एफ0 मार्ग से भटानी सम्पर्क मार्ग के भटानी आबादी भाग में सी0 सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य	10.85	1.09	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
6	Budaun	बी0के0 के0 मार्ग से नूरपुर सम्पर्क मार्ग की मरम्मत एवं आबादी भाग में सी0सी0 तथा नाली निर्माण का कार्य	10.00	1.00	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
7	Budaun	सर्वा सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी0 सी0 एवे नाली निर्माण का कार्य	11.92	1.20	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
8	Budaun	नगला बाराह सम्पर्क मार्ग से जरैण्डा माग के जरैण्डा आबादी भाग में सी0सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य	11.93	1.20	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
9	Budaun	सिचौली से पुरोहित खेड़ा सम्पर्क मार्ग की मरम्मत एवं आबादी भाग में सी0सी0 तथा नाली निर्माण का कार्य	12.56	1.26	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
10	Budaun	बी0के0 के0 मार्ग से निजरा सम्पर्क मार्ग की मरम्मत एवं आबादी भाग में सी0सी0 तथा नाली निर्माण का कार्य	15.95	1.60	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
11	Budaun	उघैती करनपुर मार्ग (अजिमा) के किमी0 1 के उघैती आबादी भाग में सी0 सी एवं नाली निर्माण का कार्य	16.24	1.63	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
12	Budaun	धोबई से नसीरपुर ठ्प्पा मलसई सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी0सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य।	16.30	1.63	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
13	Budaun	मोहम्मदपुर मई से पुरोहित खेड़ा सम्पर्क मार्ग की मरम्मत एवं आबादी भाग में सी0सी0 तथा नाली निर्माण का कार्य	14.92	1.50	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
14	Budaun	एम0 एफ0 मार्ग से गनगोली दासपुर सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी0सी0 तथा नाली निर्माण का कार्य	18.05	1.81	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
15	Budaun	शरहा बरौलिया सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी.सी.एवं नाली निर्माण का कार्य	19.42	1.95	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
16	Budaun	बिसौली सहसवान मार्ग से कोट सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी.सी.एवं नाली निर्माण का कार्य	20.86	2.09	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
17	Budaun	बिसौली सहसवान मार्ग से बसपुर फिरोजपुर मार्ग के आबादी भाग में सी.सी.एवं नाली निर्माण का कार्य	21.17	2.12	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
18	Budaun	रसूलपुर डांस मार्ग से वाजिदपुर सुजातगंज सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी0सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य।	22.50	2.25	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
19	Budaun	इस्लामनगर चन्दौसी मार्ग से धिमरपुरा सम्पर्क मार्ग की मरम्मत एवं आबादी भाग में सी0 सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य।	14.95	1.50	856.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
20	Budaun	मकरन्दपुर से तालिबनगर सम्पर्क मार्ग की मरम्मत एवं आबादी भाग में सी0 सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य	15.16	1.52	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
21	Budaun	नगला बाराह से कन्हरपुर सम्पर्क मार्ग के कन्हरपुर आबादी भाग में सी0सी0 तथा नाली निर्माण का कार्य	31.59	3.16	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
22	Budaun	नदायल से भवानीपुर खल्ली मार्ग से सुजावली सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी.सी.एवं नाली निर्माण का कार्य	30.90	3.09	944/-	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
23	Budaun	बी0 एम0 मार्ग से बिसौली कछला मार्ग वाया पतरघटा पीरखदना ज्यौरा पारवाला मार्ग ;अजिमाद्व के ज्यौरापारावाला आबादी भाग में सी0सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य।	27.20	2.72	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
24	Budaun	बिसौली इस्लामनगर मार्ग से कुन्दनपुर भुसाया सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सी0सी0 तथा नाली निर्माण का कार्य	31.60	3.16	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D
25	Budaun	सहसवान नाधा मार्ग से दुधवा से सागरपुर वाया भवानीपुर सम्पर्क मार्ग के किमी0 3 बढौली आबादी भाग में सी0 सी0 एवं नाली निर्माण का कार्य	30.50	3.05	944.00	2 Month	Const. Div. PWD Budaun	Budaun/ Pilibhit Circle PWD Bareilly	Bareily Zone, PWD Bareilly	A,B,C,D

3- बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in. पर दिनांक 13.10.2025 से 25.10.2025 तक उपलब्ध है, निविदाये दिनांक 25.10.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड की जा सकती हैं। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 25.10.2025 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(देवपाल सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड, लो.नि.वि., बदायूँ।

UP-238750 दिनांक 09.10.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

वर्ल्ड ब्रीफ

मुंबई : लाउडस्पीकर पर अजान देने पर प्राथमिकी

मुंबई। बॉम्बे उच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत ध्वनि प्रदूषण मानदंडों का उल्लंघन करने वाले लाउडस्पीकरों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देशों के मद्देनजर मुंबई पुलिस ने मध्य मुंबई के माहिम इलाके की एक मस्जिद में लाउडस्पीकर का उपयोग करके अज़ान प्रसारित करने के लिए दो व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 223 के तहत यह प्राथमिकी दर्ज की है। जिन व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया गया है, उनमें ट्रस्टी शाहनवाज खान और मुअज्जिन हदीस खान शामिल हैं। इन लोगों पर माहिम स्थित वंजावाड़ी हनफी सुन्नी मस्जिद में सुबह में अज़ान के लिए लाउडस्पीकर का उपयोग करने का आरोप लगाया। यह कार्रवाई एक पुलिस कांस्टेबल द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर शुरू की गई है।

पूर्व जदयू सांसद समेत कई नेता राजद में गए

पटना। जनता दल यूनाइटेड के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा समेत पार्टी के कई नेता शुक्रवार को राजद में शामिल हो गए। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच इस घटनाक्रम को राष्ट्रीय जनता दल राजद के लिए अहम और जदयू के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। संतोष कुशवाहा पूर्णिया से 2014 और 2019 में लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। वर्ष 2024 में वह निर्दलीय उम्मीदवार पप्पू यादव से चुनाव हार गए थे। उनके साथ जदयू के पूर्व विधायक राहुल शर्मा, लोक जनशक्ति पार्टी के पूर्व प्रत्याशी अजय कुशवाहा और जदयू सांसद गिरधारी यादव के पुत्र चाणक्य प्रकाश रंजन भी राजद में शामिल हुए। इन नेताओं को पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में तेजस्वी यादव ने खुद पार्टी की सदस्यता दिलाई।

सेना ने करगिल में सात बम निष्क्रिय किए

करगिल। लद्दाख के करगिल जिले में सेना ने शुक्रवार को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र के पास सात बमों को निष्क्रिय कर दिया। एक अधिकारी ने बताया कि करगिल के जिला मजिस्ट्रेट के निर्देश पर सेना के कर्मियों ने कुर्बाथांग क्षेत्र में विस्फोटकों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। उन्होंने बताया कि नगरपालिका समिति के अधिकारियों को कचरा प्रबंधन केंद्र के पास एक विस्फोटक मिला था। रिपोर्ट मिलने पर जिला मजिस्ट्रेट ने तुरंत 121 ब्रिगेड के स्टेशन कमांडर को इसकी सूचना दी और 'फॉरएवर इन ऑपरेशंस डिवीजन' ने तुरंत कार्रवाई की।

लेह में पखवाड़े भर बाद इंटरनेट सेवा बहाल

लेह। लेह जिला प्रशासन ने कानूनी प्रावधानों के तहत जिले में सोशल मीडिया मंचों के जरिये फर्जी खबरें प्रसारित करने पर रोक लगा दी है। इस बीच, लेह जिले में 24 सितंबर को व्यापक हिंसा के बाद करीब एक पखवाड़े तक निलंबित रही मोबाइल इंटरनेट सेवा को बृहस्पतिवार रात बहाल कर दिया गया। लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और क्षेत्र को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर पिछले महीने हुई हिंसा में चार लोग मारे गए थे और कई घायल हो गए थे। लेह के जिलाधिकारी रोमिल सिंह डोंक ने कहा कि बीएनएसएस की धारा 163 के तहत फर्जी खबरों पर रोक लगाने संबंधी जारी आदेश अगले दो महीने तक प्रभावी रहेगा। जिलाधिकारी ने सभी सोशल मीडिया 'ग्रुप एडमिनिस्ट्रेटर्स' को निर्देश दिया है कि वे अपने समूह में साझा की जा रही सामग्री पर नजर रखें।

जम्मू-कश्मीर: पूर्ण राज्य की बहाली के मामले में केंद्र से 4 हफ्ते में मांगा जवाब

सॉलिसिटर जनरल ने कहा- भ्रम फैलाकर पेश की जा रही है राज्य की भयावह तस्वीर

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के अनुरोध संबंधी कई याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए शुक्रवार को केंद्र को चार हफ्ते का समय दिया।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ शिक्षाविद जहूर अहमद भट और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता अहमद मलिक द्वारा दायर याचिकाओं सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिनमें जम्मू कश्मीर को जल्द से जल्द पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के केंद्र के आश्वासन पर अमल का आग्रह किया गया है। उन्होंने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान केंद्र द्वारा केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा दिए जाने के आश्वासन का उल्लेख किया। केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ को बताया कि पिछले साल क्षेत्र में चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए थे, लेकिन मौजूदा सुरक्षा चिंताओं और हाल में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमलों के मद्देनजर राज्य का दर्जा बहाल करने के मुद्दे पर सरकार को और समय की आवश्यकता है।

विधि अधिकारी ने कहा, चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए और जनता द्वारा चुनी गई सरकार सत्ता में है। पिछले छह वर्षों में, जम्मू कश्मीर में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। हालांकि, अंतिम निर्णय लेने से पहले पहलगाम हमले जैसी कुछ हालिया घटनाओं को ध्यान में रखना आवश्यक है। मेहता ने पीठ से कहा कि राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में जम्मू कश्मीर प्रशासन के साथ विचार-विमर्श चल रहा है। सॉलिसिटर जनरल ने आरोप लगाया कि कुछ लोग एक खास तरह का भ्रम फैला रहे हैं और केंद्र शासित प्रदेश की एक भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं।

संविधान पीठ के समक्ष रखा जाए ये केस

जहूर भट की ओर से पेश वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि इस मामले को पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ के समक्ष रखा जाना चाहिए, क्योंकि अनुच्छेद 370 पर फैसला पांच सदस्यीय पीठ ने सुनाया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदक अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के मुद्दे को फिर से खोलने की मांग नहीं कर रहे, बल्कि केवल उचित समय सीमा के भीतर केंद्र की प्रतिबद्धता को लागू करने की मांग कर रहे हैं।

पूर्ण राज्य का दर्जा न देना खतरनाक मिसाल

विधायक इरफान हाफिज लोन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी ने दलील दी कि राज्य का दर्जा देने से लगातार इन्कार संविधान के संघीय ढांचे को कमजोर करता है। अगर किसी राज्य को इस तरह केंद्र शासित प्रदेश में बदला जा सकता है तो संघवाद के लिए इसका क्या मतलब है। जम्मू कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बने रहने देना एक खतरनाक मिसाल कायम करता है।

विचाराधीन कैदियों के मतदान अधिकार को बहाल करने की याचिका पर भी जवाबतलब

- याचिकाकर्ता ने प्रतिबंध को बताया लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने देशभर की जेलों में बंद लगभग 4.5 लाख विचाराधीन कैदियों को मतदान का अधिकार देने का अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब तलब किया है।

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने अधिवक्ता प्रशांत भूषण की इस दलील पर संज्ञान लिया कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 62(5) के तहत लगाया गया वर्तमान पूर्ण प्रतिबंध संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक मानदंडों का उल्लंघन करता है। पंजाब के पटियाला की निवासी सुनीता शर्मा द्वारा दायर याचिका में विधि एवं न्याय मंत्रालय के जरिए केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग को प्रतिवादी बनाया गया है।

इसमें कहा गया, यह याचिका उन कैदियों को छोड़कर जो भ्रष्ट आचरण और चुनाव से जुड़े अपराधों के लिए जेल में हैं, लगभग 4,50,000 विचाराधीन कैदियों के मतदान के अधिकारों से संबंधित है। याचिका में यह सुनिश्चित करने को न्यायिक हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया है कि इन कैदियों को मनमाने ढंग से उनके मतदान के लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न किया जाए। याचिका में स्थानीय कैदियों के लिए जेलों में मतदान केंद्र बनाने के लिए दिशानिर्देश जारी करने और दूसरे निर्वाचन क्षेत्र के कैदियों के लिए डाक मतपत्र जारी करने की मांग की गई है।

करूर भगदड़ की स्वतंत्र जांच की याचिका पर सुरक्षित किया फैसला

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के करूर भगदड़ की स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिकाओं पर शुक्रवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इस भगदड़ में 41 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हो गए थे। तमिल अभिनेता विजय की राजनीतिक पार्टी टीवीके ने मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा पारित उस आदेश की वैधता को चुनौती दी है जिसमें इस घटना की जांच के लिए वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी असरा गर्ग की अध्यक्षता में एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया गया था। याचिका में तर्क दिया गया है कि इस मामले में पुलिस जांच पर सवाल उठाने वाली टिप्पणी के बावजूद उच्च न्यायालय ने केवल तमिलनाडु पुलिस के तीन वरिष्ठ अधिकारियों वाली एक एसआईटी के गठन का निर्देश दिया।

मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत को मुख्यधारा में लाना चाहिए : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर अपने संदेश में एक ऐसा माहौल बनाने का आह्वान किया जहां मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत अधिक से अधिक मुख्यधारा में आए।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस इस बात की पुरजोर याद दिलाता है कि मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा है। उन्होंने कहा, तेज गति से भागती दुनिया में, यह दिन दूसरों के प्रति करुणा दिखाने और उसे बढ़ाने के महत्व को रेखांकित करता है। मोदी ने लिखा, आइए हम सामूहिक रूप से ऐसा माहौल बनाने के लिए काम करें जहां मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत ज्यादा से ज्यादा मुख्यधारा में आए। इस क्षेत्र में काम करने वाले और दूसरों को स्वस्थ होने और खुशी पाने में मदद करने वाले सभी लोगों को मेरी बधाई।

- प्रधानमंत्री ने कहा- मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का समग्र उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरुकता बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन में प्रयासों को गति देना है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

वेरावल (गुजरात)। गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा पर पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गिर सोमनाथ जिले में स्थित प्रसिद्ध सोमनाथ महादेव मंदिर में शुक्रवार को पूजा-अर्चना की। मुर्मू बृहस्पतिवार शाम गुजरात पहुंची थीं। शुक्रवार को उन्होंने वेरावल शहर के समीप भगवान शिव को समर्पित 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक सोमनाथ महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना और आरती की। राष्ट्रपति ने शिवजी का गंगा जल से अभिषेक किया और मंत्रोच्चार के बीच सोमेश्वर महापूजा की। मुर्मू ने मंदिर परिसर में स्थापित सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की।

जुबिन की मौत : दो निजी सुरक्षा अधिकारी भी गिरफ्तार

गुवाहाटी, एजेंसी

- दोनों के खातों से एक करोड़ का लेनदेन होने पर पैदा हुआ शक

गायक जुबिन गर्ग की पिछले महीने सिंगापुर में रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत के सिलसिले में शुक्रवार को उनके दो निजी सुरक्षा अधिकारियों (पीएसओ) को गिरफ्तार किया गया। इसी के साथ जुबिन की मौत से जुड़े मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या सात हो गई है।

एक अधिकारी ने बताया कि सरकार की ओर से जुबिन की सुरक्षा में तैनात नंदेश्वर बोरा और परेश बैश्य को असम पुलिस ने कई दौर की पूछताछ के बाद मंगलवार को निलंबित कर दिया। अधिकारी के मुताबिक, नंदेश्वर और परेश के बैंक खातों के माध्यम से 1.1 करोड़ रुपये से अधिक राशि का लेनदेन किया गया, जिससे संदेह पैदा हुआ। उन्होंने बताया कि दोनों को गुवाहाटी की एक अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उन्हें पांच दिन के लिए सीआईडी की हिरासत में भेज दिया।

जुबिन की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने बृहस्पतिवार को कहा था कि उनके पति ने अपने दो पीएसओ को सामाजिक कार्य के लिए कुछ पैसे दिए थे। गिरफ्तार पीएसओ नंदेश्वर और परेश लंबे समय से जुबिन के साथ थे। जुबिन को लगभग एक दशक पहले प्रतिबंधित उग्रवादी समूह उल्फा से हत्या की धमकी मिली थी, जिसके बाद असम पुलिस ने उन्हें गायक की सुरक्षा में तैनात किया था।

इससे पहले, 'नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल' के आयोजक श्यामकानु महंत, जुबिन के चचेरे भाई संदीपन गर्ग, उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा, संगीतकार शेखरज्योति गोस्वामी और गायक अमृतप्रभा महंत को मामले में गिरफ्तार किया गया था। असम पुलिस सेवा के अधिकारी संदीपन को मामले में गिरफ्तारी के बाद निलंबित कर दिया गया था।

एसआईटी करेगी आईपीएस अधिकारी पूरन कुमार आत्महत्या मामले की जांच

चंडीगढ़, एजेंसी

चंडीगढ़ पुलिस ने हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले की समयबद्ध तरीके से त्वरित, निष्पक्ष और गहन जांच के लिए शुक्रवार को छह सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी का नेतृत्व चंडीगढ़ के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) पुष्पेंद्र कुमार करेंगे।

एक आधिकारिक आदेश के मुताबिक इस एसआईटी में चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर, एसपी सिटी केएम प्रियंका, डीएसपी चरणजीत सिंह विर्क, उपमंडल पुलिस अधिकारी (दक्षिण) गुरजीत कौर और सेक्टर-11 पुलिस थाना के प्रभारी जयवीर राणा सदस्य होंगे। पूरन कुमार ने मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर खुद को गोली मार ली थी। उन्होंने एक 'सुसाइड नोट' छोड़ा था।

- सुसाइड नोट में वरिष्ठ अफसरों पर लगाया था उत्पीड़न का आरोप

पूरन कुमार ने अपने सुसाइड नोट में कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को नाम लिया था। उन्होंने विशेष रूप से हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक के पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनिया पर कथित रूप से उन्हें परेशान करने और बदनाम करने का आरोप लगाया था।

कांग्रेस सांसद ने की न्यायिक जांच की मांग

चंडीगढ़। कांग्रेस सांसद वरुण चौधरी ने शुक्रवार को चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात कर हरियाणा के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वाई पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले की न्यायिक जांच की मांग की। अंबाला के सांसद चौधरी ने पंजाब के विधायक अमित रतन के साथ लुधियाना में कटारिया से मुलाकात की और वरिष्ठ पुलिसकर्मियों द्वारा आईपीएस अधिकारी के साथ जातिगत भेदभाव पर क्षोभ जताया। रतन बठिंडा ग्रामीण विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के विधायक हैं और दिवंगत आईपीएस अधिकारी की पत्नी अमनीत पी कुमार के छोटे भाई हैं। कटारिया को सौंपे ज्ञापन में कांग्रेस नेता ने आईपीएस अधिकारी द्वारा छोड़े गए 'अंतिम नोट' का भी उल्लेख किया।

वायु प्रदूषण पर रोक के प्रभावी उपाय सुझाने वाले को दिल्ली सरकार देगी 50 लाख रुपये

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शहर में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रभावी और व्यापक समाधान विकसित करने वाले नवप्रवर्तकों और शोधकर्ताओं के लिए 50 लाख रुपये तक के नकद पुरस्कारों की घोषणा की है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता के दौरान प्रदूषण कम करने के समाधानों के लिए एक नवाचार चुनौती शुरू की, जिसमें व्यक्तियों, स्टार्टअप और शोध संस्थानों को प्रदूषक पीएम 2.5 और पीएम 10 उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से समाधान प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने पूरे भारत में नवप्रवर्तकों, प्रौद्योगिकी शोधकर्ताओं, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, विश्वविद्यालयों और पंजीकृत संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। सिरसा ने कहा कि यह चुनौती दो मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित होगी - बीएस-4 या बीएस-4 से नीचे के वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में कमी लाना और वातावरण में पीएम 2.5 और पीएम 10 कणों का स्तर कम करना।

कफ सिरप से मौतें: सीबीआई जांच की मांग वाली जनहित याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मध्य प्रदेश और राजस्थान में जहरीले कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत के मद्देनजर जांच और औषधि सुरक्षा तंत्र में प्रणालीगत सुधार की मांग वाली जनहित याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी।

सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने वकील विशाल तिवारी की ओर से दायर जनहित याचिका सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा आपत्ति जताए जाने के बाद खारिज कर दी।

सीमा पर निगरानी

सर्दियों का मौसम शुरू होने के साथ सीमा पार से घुसपैठ की आशंकाएं बढ़ गई हैं। इसी के मद्देनजर बीएसएफ के जवानों ने जम्मू और कश्मीर के बाहरी इलाके में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर निगरानी बढ़ा दी है। एजेंसी

अलवर में पकड़ा गया आईएसआई के लिए काम करने वाला जासूस

जयपुर। राजस्थान इंटेलीजेंस ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी के आरोप में अलवर के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया हैं। आरोपी दो वर्षों से आईएसआई के संपर्क में था।

पुलिस के आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार रात बताया कि आपरेशन सिंदूर के बाद राजस्थान इंटेलीजेंस प्रदेश के सामरिक महत्व के क्षेत्रों पर गहनता से निगरानी रख रही है। अलवर क्षेत्र के अतिमहत्वपूर्ण सामरिक एवं संवेदनशील लवर स्थित छावनी क्षेत्र की निगरानी के दौरान अलवर के गोविंदगढ़ निवासी मंगत सिंह की गतिविधियां संदिग्ध पाई गई।

- दो वर्षों से था संपर्क में, कर रहा था संवेदनशील सूचनाएं साझा

दो वर्षों से मंगत सिंह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के संपर्क में था। वह आपरेशन सिंदूर के पहले एवं बाद में ईशा शर्मा के छद्म नाम की महिला पाक हैंडलर के साथ सोशल मीडिया पर अलवर की अतिमहत्वपूर्ण छावनी इलाके एवं अन्य सामरिक स्थलों की महत्वपूर्ण सूचनाएं साझा कर रहा था। पूछताछ केन्द्र जयपुर पर इंटेलीजेंस एजेंसियों की पूछताछ और मोबाइल के तकनीकी परीक्षण पर तथ्यों की पुष्टि होने पर शुक्रवार को पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

हिमाचल : ड्रग कंट्रोलर आय से अधिक संपत्ति पर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईडी ने की कार्रवाई, पहले से चल रही थी दो मामलों में जांच

ईडी के शिमला उप क्षेत्रीय कार्यालय ने हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विनियमन निदेशालय में सहायक ड्रग कंट्रोलर (मुख्यालय) के पद पर तैनात निशांत सरीन को गुरुवार को मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है।

ईडी सूत्रों ने बताया कि यह गिरफ्तारी भ्रष्टाचार, जालसाजी, धोखाधड़ी, आय से अधिक संपत्ति और आपराधिक साजिश से संबंधित एक जांच के सिलसिले में की गई है। ईडी ने यह जांच हिमाचल प्रदेश पुलिस के राज्य सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसवीएसीबी) द्वारा निशांत सरीन (तत्कालीन सहायक ड्रग कंट्रोलर, बद्दी) के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। इसके बाद एसवीएसीबी ने उन्हें गिरफ्तार किया था और उनके सहयोगी कोमल खन्ना के साथ उनके खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। निशांत सरीन पर हरियाणा के पंचकुला में भी एक अन्य एफआईआर दर्ज है, जो जेनिका फार्मास्युटिकल्स की साझेदारी विलेख में कथित जालसाजी से संबंधित है।

बंगाल के मंत्री सुजीत बोस के आवास समेत छह ठिकानों पर छापे

कोलकाता। ईडी ने शुक्रवार को एक संस्थान की भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के मंत्री सुजीत बोस की संपत्ति सहित कोलकाता में छह स्थानों पर तलाशी ली। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईडी ने सॉल्ट लेक स्थित मंत्री के निवास सह कार्यालय और दम दम नगरपालिका के पूर्व अधिकारियों के आवासों पर छापे मारे। ईडी के अधिकारी ने बताया, छापेमारी का उद्देश्य भ्रष्टाचार से जुड़े दस्तावेजों को इकट्ठा करना है।

कर्नाटक सरकार ने की मासिक धर्म अवकाश की घोषणा

नई दिल्ली। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने सूचना प्रौद्योगिकी समेत विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाली महिलाओं के लिए एक दिन के मासिक धर्म अवकाश को बृहस्पतिवार को मंजूरी दी। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने 'इस फैसले को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि दूसरी राज्य सरकारों को भी इसका अनुसरण करना चाहिए।

महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने एक बयान में कहा, कर्नाटक सरकार का ऐतिहासिक कदम महिलाओं के स्वास्थ्य और कार्यस्थल पर समानता के प्रति एक संवेदनशील और समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार ने लैंगिक न्याय और कार्यस्थल पर सम्मान के लिए एक सशक्त मिसाल कायम की है। उनका कहना है, हम देश भर की सभी अन्य राज्य सरकारों और माननीय मुख्यमंत्रियों से इसी तरह के कदम उठाने की अपील करते हैं। अलका ने कहा, हमें आशा है कि यह कदम पूरे भारत में लैंगिक समानता, स्वास्थ्य पहुंच और कार्यस्थल समावेशन पर व्यापक चर्चा के द्वार खोलेगा।

संबोधन नागपुर में एक पुस्तिका के विमोचन के कार्यक्रम में बोले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत

देश को बेहतर बनाना नागरिकों की जिम्मेदारी, ये उन्हीं के हित में

नागपुर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि अपने देश का निर्माण करना और उसे बेहतर बनाना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है तथा इससे अंततः नागरिकों के ही हितों की रक्षा होती है।

भागवत ने नागपुर में एक पुस्तक के विमोचन समारोह में कहा, अपने देश का निर्माण करना और उसे बेहतर बनाना हमारा कर्तव्य है तथा ऐसा करके हम अपने ही हितों की

रक्षा करते हैं। जो देश अच्छा प्रदर्शन करता है, वह सुरक्षित होता है और दुनियाभर में सम्मान हासिल करता है। आरएसएस के उदय का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि डॉ. केशव हेडगेवार ने नागपुर में संगठन की स्थापना की, क्योंकि इस शहर में पहले से ही निःस्वार्थ सेवा और सामाजिक जागरूकता की भावना थी।

उन्होंने कहा, हालांकि, देशभर में ऐसे लोग हैं, जो हिंदुत्व पर गर्व करते हैं और हिंदुओं के बीच एकता का आह्वान करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आरएसएस जैसा संगठन केवल नागपुर में ही आकार ले सकता था। त्याग और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना यहां पहले से ही मौजूद थी, जिसने संघ की स्थापना में डॉ. हेडगेवार की मदद की। भागवत ने कहा कि आरएसएस पूरे देश और हिंदू समाज के लिए काम करता है। उन्होंने कहा कि नागपुर अपने स्वयंसेवकों के दिल में खास जगह रखता है, लेकिन वह किसी विशेष दर्जे का दावा नहीं करता।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने 'स्वराज्य' प्राप्त करने की दिशा में प्रयास व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि ईश्वर, धर्म और राष्ट्र के लिए शुरू किए थे। उन्होंने कहा, जब शिवाजी महाराज ने स्वराज्य की स्थापना शुरू की तो उन्होंने अपने मित्रों को अपने लिए नहीं, बल्कि एक बड़े उद्देश्य के लिए इकट्ठा किया। उनकी एकता की भावना ने लोगों को शक्ति प्रदान की। जब तक उनके आदर्शों ने समाज को प्रेरित किया, उस काल का इतिहास प्रगति और विकास को प्रतिबिंबित करता रहा। भागवत ने कहा कि शिवाजी महाराज के दृष्टिकोण ने देशभर के शासकों और स्वतंत्रता सेनानियों को प्रभावित किया और यहां तक कि 1857 के विद्रोह को भी प्रोत्साहित किया।

अमृत विचार

शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

नसीहत वह सच्ची बात है, जिसे हम कभी गौर से नहीं सुनते। खुशामद एक घटिया धोखा है, जिसे हम पूरी तवज्जो से सुनते हैं।
–**खलील जिब्रान**, दार्शनिक

रक्षा से शिक्षा तक

भारत–ब्रिटेन के बीच रक्षा से शिक्षा तक के समझौते, जहां विकसित भारत के दृष्टिकोण को और मजबूती देने तथा अमेरिकी टैरिफ के दुष्प्रभावों से कुछ राहत दिलाएंगे, रक्षा, शिक्षा और व्यापार के कई आयामों में सहायक सिद्ध होंगे। चुनौतियों से जूझती हालिया ब्रिटिश अर्थव्यवस्था को भी ये समझौते बड़ी राहत पहुंचाने वाले हैं। इस तर्क को रक्षा क्षेत्र में हुए 4,200 करोड़ रुपये के मिसाइल सौदे से समझा जा सकता है। यह सौदा न केवल हमारी जमीनी और हवाई ताकत को बढ़ाने वाला है, बल्कि ब्रिटिश रक्षा विनिर्माण के लिए आर्थिक अवसरों से युक्त एक नया निर्यात बाजार भी खोलता है। इसके परिणामस्वरूप उत्तरी आयरलैंड में लगभग 700 नई नौकरियां तत्काल सृजित होंगी।

ब्रिटेन के लिए भारत एक विशाल बाजार है। को-प्रोडक्शन और पार्ट सप्लाई के माध्यम से उसे उच्च स्तरीय सेवाओं, रक्षा उपकरणों और शिक्षा-उत्पादों के व्यापार में अरबों पाउंड के अवसर प्राप्त होंगे। व्यापारिक ढांचे अर्थात हालिया सीईटीए और एफटीए संबंधी समझौतों के सरकारी आकलन बताते हैं कि दीर्घकाल में ये समझौते ब्रिटेन की जीडीपी में सालाना लगभग 5 बिलियन पाउंड का इजाफा कर सकते हैं और द्विपक्षीय कारोबार में इन से 26 बिलियन पाउंड तक का वार्षिक विस्तार संभव है। ऐसे महत्त्वाकांक्षी आंकड़े यह साबित करते हैं कि ब्रिटेन को विशाल भारतीय बाजार के माध्यम से निर्यात और सेवाओं में अपार संभावनाएं मिलने वाली हैं। इन समझौतों से सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों के साथ-साथ आईटी, वित्त, पेशेवर सेवाएं, शिक्षा और हेल्थ-टेक में उल्लेखनीय वृद्धि की उम्मीद है। निर्माण तथा रक्षा-निर्माण में को-प्रोडक्शन और स्पेयर-पार्ट सप्लाई-चेन के नए अवसर खुलेंगे। इससे भारत को अमेरिकी टैरिफ से कुछ हद तक राहत के साथ 'मेक इन इंडिया' को बल मिलेगा।

रक्षा समझौते के अंतर्गत मिसाइल आपूर्ति हमारी वायुसेना और थलसेना की क्षमता में त्वरित गुणात्मक सुधार लाएगी, पर यह आवश्यक है कि इसमें टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और प्रतिस्पर्धी आपूर्तिकर्ताओं की भागीदारी पर भी ध्यान दिया जाए, ताकि एक देश पर निर्भरता न बढ़े। शिक्षा क्षेत्र में कुछ ब्रिटिश विश्वविद्यालयों के भारत में कैंपस खोलने की पहल भी महत्वपूर्ण है। इससे भारतीय छात्रों को विश्वस्तरीय पाठ्यक्रम देश के भीतर ही उपलब्ध होंगे और उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण-प्रशिक्षण के अवसर सुलभ होंगे। भारत चाहता है कि पेशेवरों के वर्क वीजा को 82 हजार से बढ़ाकर 1.25 लाख किया जाए तथा स्टूडेंट वीजा को 92 हजार से और आगे बढाया जाए। विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस खुलने के बाद इन वीजाओं की मांग में बदलाव आ सकता है। यद्यपि यह केवल संभावना है, गारंटी नहीं कि ब्रिटेन अपनी नीति-संवेदनशीलता के अनुरूप वीजा नीति में कुछ नरमी बरतेगा और स्टूडेंट व वर्क वीजा की संख्या बढ़ाएगा। फिलहाल इन समझौतों से कई उम्मीदें जुड़ी हैं, ये तभी पूरी होंगी जब समझौते सार्थक तथा टिकाऊ होंगे। इसके लिए रक्षा सहयोग में वास्तविक टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, व्यापार में घरेलू प्रतिस्पर्धा का संरक्षण और शिक्षा में गुणवत्ता-नियमन के समेकित उपाय सुनिश्चित करना होगा।

प्रसंगवश

भेदभाव और कुरीतियों की शिकार बालिकाएं

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित एक अंतर्राष्ट्रीय पालन दिवस है। 11 अक्टूबर 2012 को पहली बार बालिका दिवस मनाया गया था। यह दिन दुनिया भर में लड़कियों द्वारा उनके लिंग के आधार पर की जाने वाली लैंगिक असमानता के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस असमानता में शिक्षा, पोषण, कानूनी अधिकार, चिकित्सा देखभाल और भेदभाव से सुरक्षा, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और जबरन बाल विवाह जैसे क्षेत्र शामिल हैं। इस बार 2025 की थीम है मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं। यह थीम संकट की परिस्थितियों में लड़कियों की दृढ़ता, नेतृत्व और सशक्त भूमिका पर केंद्रित है।

हर क्षेत्र में बालिकाओं के आगे बढ़ने के बावजूद वह अनेकों

रमेश सर्राफ धमोरा
स्वतंत्र पत्रकार

कुरीतियों की शिकार हैं। ये कुरीतियां उनके आगे बढ़ने में बाधाएं उत्पन्न करती हैं। पढ़े-लिखे लोग और जागरूक समाज भी इस समस्या से अछूता नहीं है। देश में आज भी प्रतिवर्ष लाखों लड़कियों को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया जाता है। आज भी समाज के अनेक घरों में बेटा, बेटी में भेद किया जाता है। बेटियों को बेटों की तरह अच्छा खाना और अच्छी शिक्षा नहीं दी जाती। समाज में आज भी बेटियों को बोझ समझा जाता है।

भारत में हर साल तीन से सात लाख कन्या भ्रूण नष्ट कर दिए जाते हैं, इसलिए यहां महिलाओं से पुरुषों की संख्या पांच करोड़ ज्यादा है। समाज में निरंतर परिवर्तन और कार्य बल में महिलाओं की बढ़ती भूमिका के बावजूद रूढ़िवादी विचारधारा के लोग मानते हैं कि बेटा बुढ़ापे का सहारा होगा और बेटी हुई तो वह अपने घर चली जाएगी। बेटा अगर मुखाग्नि नहीं देगा तो कर्मकांड पूरा नहीं होगा। पिछले कुछ वर्षों में देश में जन्म के समय लिंगानुपात में बढ़ोतरी होना शुभ संकेत हैं। संसद में एक सवाल के जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया था कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना ने बालिकाओं के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए जनता की मानसिकता को बदलने की दिशा में सामूहिक चेतना जगाई है। यह राष्ट्रीय स्तर पर जन्म के समय लिंग अनुपात (एसआरबी) में 12 अंकों के सुधार के रूप में परिलक्षित होता है। जो कि 2014 में 918 था, जबकि 2023-24 में 12 अंक बढ़कर 930 हो गया।

हमारे देश में यह एक बड़ी विडंबना है कि हम बालिका का पूजन तो करते हैं, लेकिन जब हमारे खुद के घर बालिका जन्म लेती है तो हम दुखी हो जाते हैं। देश में सभी जगह ऐसा देखा जा सकता है। बेटी पैदा होते ही उसकी परवरिश से ज्यादा उसकी शादी की चिंता होने लगती है। आज महंगी होती शादियों के कारण बेटी का बाप हर समय इस बात को लेकर चिंतित नजर आता है कि उसकी बेटी की शादी की व्यवस्था कैसे होगी। समाज में व्याप्त इसी सोच के चलते कन्या भ्रूण हत्या पर रोक नहीं लग पाई है। कोख में कन्याओं को मार देने के कारण समाज में आज लड़कियों की काफी कमी होने से लिंगानुपात गड़बड़ा गया है।

लोगों को आगे आकर कन्या भ्रूण हत्या को रोकने का माहौल बनाना होगा। यदि यह कहा जाए कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना नहीं हम सबकी एक जिम्मेदारी है, तो इसमें कुछ गलत नहीं है। यदि हम सभी एक अच्छे समाज का निर्माण करना चाहते हैं, तो हम सबका यही फर्ज बनता है कि हम बेटियों को भी भयमुक्त वातावरण में पढ़ाएं। उन्हें इतना सशक्त बनाएं कि खुद गर्व से कह सकें कि देखो वह हमारी बेटी है, जो इतना बड़ा काम कर रही है।

गहरे हैं मायावती की रैली के सियासी निहितार्थ

अजय दयाल
लखनऊ

बसपा की लखनऊ रैली में जुटी भीड़ ने राजनीतिक पारा बढ़ा दिया है। लंबे समय से निष्क्रिय मायावती की वापसी से उत्तर प्रदेश के सारे सियासी समीकरण बदल जाने की आहट भी साफ सुनाई दे रही है।

सियासत में न तो दल और न ही राजनीतिज्ञ कभी अप्रसांगिक होता है। उसके चाहने वाले, समर्थक जब चाहते हैं प्रासंगिक बना देते हैं। बहुजन समाज पार्टी और उसकी नेता मायावती के संदर्भ में भी इस बात को सही माना जाना चाहिए। राजधानी में हुई बसपा महारैली की भीड़ के आधार पर ही यह बात नहीं कही जा रही, बल्कि मायावती ने अपने मूल व्यवहार से आगे बढ़कर यहां जो नजीर पेश की वह मुख्य है। उम्र की 70वीं दहलीज पर पहुंच रहीं बसपा नेत्री ने इस रैली के बहाने वर्तमान साधा और भविष्य भी। बता दिया कि दलितों के बीच उसका जलवा कायम है और यह भी संदेश दे दिया कि मुझ तक ही पार्टी समीति नहीं, आगे 'आकाश' है। राजनीति में उनकी दोबारा सक्रियता काफी कुछ कहती है। लखनऊ में हुई रैली के गहरे सियासी निहितार्थ भी साफ नजर आ रहे हैं।

गुजरे सालों की हकीकत यह है कि दलित वोट बैंक का एक बड़ा भाग दशकों बसपा के खाते में ही रहा। खाता टूटा तो वोट बैंक इस कदर बिखरा कि पार्टी लोकसभा में और न ही उत्तर प्रदेश विधानसभा में ठिकाना तलाश सकी। बसपा की पहचान समझे जाने वाले दिग्गज नेता भी एक-एक कर अलग होते गए। इस कड़ी में बसपा छोड़कर जाने वाले नेताओं ने दूसरे दलों को मजबूत किया। इनमें लालजी वर्मा, राम अचल राजभर, नसीमुद्दीन सिद्दीकी, स्वामी प्रसाद मौर्य, बाबू सिंह कुशवाहा, आरके चौधरी, नकुल दुबे, लालजी निर्मल, केके गौतम, इंद्रजीत सरोज जैसे नेता रहे, जिन्होंने बाहर निकल कर दूसरे दलों का दामन थाम लिया।

इसके बाद यह समझा जाने लगा कि मायावती अपनी पार्टी के साथ एकाकी और अलग-थलग हो गईं हैं। इस नेतृत्वकर्ता और पार्टी दोनों के ही इस हश्र का फायदा उठाने को दूसरे दल टूट पड़े। भाजपा, सपा, कांग्रेस डॉ. आंबेडकर को अपना-अपना बताने की रेस में उतर पड़े। बाबा साहब के नाम पर अन्य दलों के आयोजन बड़े होने लगे, दलितों के हित में बड़ी-बड़ी घोषणाएं होने लगीं। इसके मुकाबले उस वक्त इन दलों के आंबेडकर प्रेम को ढकोसला करार देने वाली मायावती अकेली थीं, जिनकी उस दौरान बात नक्कारखाने में तूती की आवाज बन कर रह गई।

हालांकि, राजनीति की समझ रखने वाले यह जानते हैं कि सच्चा राजनीतिज्ञ कभी हार नहीं मानता, थकता नहीं। मायावती के भीतर बैठा 'साइलेंट एक्टविस्ट' नये सिरे से जमीन तैयार करने को जुटा रहा। लगभग नौ बरस के बाद यकायक मायावती ने जो हुंकार भरी उसकी धमक इस बार सियासत में मजबूत पकड़ रखने वालों के दिल की धड़कने बढ़ाने जैसी रही। दो राय नहीं कि मायावती की लखनऊ रैली ने पार्टी को नई ऊर्जा और आत्मविश्वास दिया है। भले ही बसपा से दलितों ने बीते चुनावों में दूर बनाते हुए विकल्प तलाश हो, लेकिन बसपा प्रमुख मायावती ने उसे फिर से अपनी तरफ मोड़ने का मजबूत प्रयास किया है।

मायावती का वही पुराना आत्मविश्वास लौटा दिखा, जब उन्होंने एक्स पोस्ट कर कहा कि भीड़ के मामले में आज आपने खुद के भी अपने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। ये जो लाखों-लाखों की संख्या में लोग आए हुए हैं, तो इनको यहां दूसरी पार्टियों की तरह मजदूरी देकर दिहाड़ी पर नहीं लाया गया है, बल्कि ये लोग अपने खून-पसीने की कमाई के पैसों से ही खुद चलकर आज मुझे सुनने के लिए आए हैं।

कुल मिलाकर यह रैली बसपा के लिए सिर्फ एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक संदेश देना रहा कि दलित समाज का भरोसा अभी भी मायावती पर कायम है। वोट बैंक तो बिखरा, पार्टी की राजनीतिक जमीन भी खिसकी, पर रैली की भीड़ देखकर सहज ही अंदाजा होता है कि मायावती की लोकप्रियता में गिरावट नहीं आई है। इसी मौके पर भतीजे आकाश ने मायावती को पांचवी दफा मुख्यमंत्री बनाने का राजनीतिक पासा भी फेंक दिया। कहा कि आप लोगों को बहन जी को फिर से सत्ता में लाना है। मायावती का सारा निशाना तो सपा पर ही रहा। यह बात अलग है कि समीक्षक मायावती के बयानों को भाजपा के लिए हितकारी मान रहे हैं, लेकिन बसपा नेत्री ने भाजपा को लेकर 'सॉफ्ट रियेक्शन' देकर भी राजनीति साधी।

दरअसल, मायावती का सूबे में राजनीतिक संघर्ष भाजपा से ज्यादा पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) का फार्मूला लेकर चल रहे अखिलेश यादव से है, जो सीधे बसपा के वोट बैंक में सेंधमारी कर सकते हैं, जिसका खामियाजा मायावती और बसपा को और उठाना पड़ेगा। इस बार मायावती ने अपने बाद दलितों को भविष्य के नेतृत्व का भी एलान कर दिया। मायावती ने अपने भाषण में कहा कि जैसे आप लोगों ने कांशीराम के बाद मेरा साथ दिया है, वैसे ही मेरे बाद आकाश आनंद का साथ देना है।

सच पूछिए तो अब तक हमेशा यही संदेश निकलता रहा कि मायावती ने हमेशा पार्टी को अपने तरीके और निर्णय पर चलाया। जब जो चाहा किया। उनकी छवि सरकार हो या संगठन एक सख्त प्रशासक की नजर आती रही, लेकिन रैली में उनका व्यवहार उनके अब तक के मिजाज के विपरीत नजर आया। वह काफी सरल, संयमित लेकिन आत्मविश्वास से भरी नजर आईं। उन्होंने वर्तमान सियासी परिदृश्य के मद्देनजर अपनी बात रखी साथ ही भविष्य का खाका भी खींचा। यहां तक कि उन्होंने भविष्य में संगठन की जिम्मेदारी भतीजे आकाश को देने का एलान भी कर दिया। आने वाला दौर तय करेगा कि मायावती की रैली में जुटी भीड़ कितनी कारगर साबित होती है।

आमने

20 साल इस खटारा सरकार को कभी ध्यान ही नहीं था कि बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। हमारी सरकार बनते ही 20 दिन में अधिनियम बनाएंगे और 20 महीने के अंदर बिहार का ऐसा कोई घर नहीं बचेगा, जिसके पास सरकारी नौकरी नहीं होगी।
–**तेजस्वी यादव**, नेता प्रतिपक्ष, बिहार

सामने

ये तो 'चुनावी बुलबुला' है। राजद के लोगों के प्रति प्रदेश में लोगों के मन में क्या भाव है और लोग क्या चाहते हैं ये मायने रखता है। ये चुनावी स्टंट है। प्रदेश के लोगों को पता है कि नीतीश कुमार स्थिर सरकार चलाते हैं और वे व्यवस्थित सरकार चलाते हैं। –**अशोक चौधरी**, मंत्री, बिहार

जयप्रकाश और महात्मा गांधी की पीड़ा

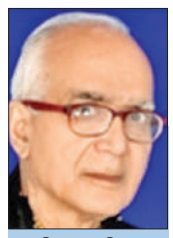

निरंकार सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

गांधी और जेपी अलग-अलग रास्तों से लगभग एक राजनीतिक दर्शन तक पहुंचे थे। गांधी का रास्ता मुख्यतः अनुभवों और प्रयोगों पर आधारित था। जेपी की यात्रा वैचारिक थी।

भारत के स्वाधीनता का निर्णायक संघर्ष महात्मा गांधी के नेतृत्व में लड़ा गया था। उस संघर्ष में जयप्रकाश नारायण (जेपी) गांधी जी के सिपाही थे, जिन्होंने 1942 के अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। जब सभी बड़े नेता गिरफ्तार कर लिए गए तो जयप्रकाश जेल की दीवार फांद कर बाहर आ गए और उन्होंने भूमिगत रहकर उस आंदोलन का संचालन किया। हालांकि कुछ महीनों के बाद वह फिर गिरफ्तार कर लिए गए और जेल में भारी यातनाएं भी दी गईं, इसलिए जब हम जेपी के जीवन पर नजर डालते हैं तो गांधी जी याद आते हैं। भले ही गांधी की उपलब्धियां ज्यादा हों। उन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अंग्रेजी हुकूमत पर दबाव बनाने के अहिंसक आंदोलन में बड़े पैमाने पर आम लोगों को जोड़ा था।

विदेशी हुकूमत से आजादी का विचार बहुत बेलाग था और लोगों की भावनाएं जगाने वाली इसमें अपील थी, लेकिन संवैधानिक मान्यता का दावा करने वाली शासन व्यवस्था की तानाशाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता का समर्थन पाना काफी मुश्किल था। इन सबसे भी बढ़कर यह समानता थी कि दोनों ही राजनीति को नैतिक आधार पर चलाना चाहते थे और दोनों की नैतिकता का आध्यात्मिक स्रोत धर्म ही था। ऊपरी आडंबरों और सांप्रदायिक असहिष्णुता से मुक्त धर्म। दोनों ने ही अपने विरोधियों को अलग-थलग करने या घेरने की जगह सहयोग और मतभेद समाप्त करने की नीति पर अमल किया। वे मूलतः राजनेता न होकर अच्छे शिक्षक थे, मूल्यों के प्रचारक थे। वे भले ही पूरी राजनीतिक सत्ता को अपने नजरिए के अनुसार नया रूप देने में सफल न हुए हों, पर उन्होंने जिन मूल्यों पर जोर दिया उनका महत्व सदैव बना रहेगा।

गांधी और जेपी अलग-अलग रास्तों से लगभग एक राजनीतिक दर्शन तक पहुंचे थे। गांधी का रास्ता मुख्यतः अनुभवों और प्रयोगों पर आधारित था। जेपी की विचार यात्रा वैचारिक थी और इसकी झलक हमें उनके रोचक लेखन में मिलती है। आज देश के विकास को जीडीपी के पैमाने से मापा जाता है। विकास का पश्चिमी माडल सिर्फ जरूरतें बढ़ाकर मानव विकास के जिस रास्ते की कल्पना कर रहा है या जिस रास्ते पर जा रहा है, उसे देख वे भी गांधी की तरह हैरान होते। वे चाहते थे कि स्वराज में जनता की भागीदारी दिखायी दे। जनता अपनी जिंदगी अपने हाथ रखे और पुनर्निर्माण के रास्ते पर अपने बलबूते बढ़े। उनका आग्रह था कि सत्ता देश के लाखों गांवों में बिखेर दी जाए, मुट्ठी भर राजधानियों के हाथ में केंद्रित न रहने दी जाए, लेकिन गांधी जी अपनी इस कल्पना को साकार करने के लिए जीवित नहीं रह सके, फिर भी इतनी बात दुनिया के सामने आ गई कि नेहरू और गांधी के रास्ते अलग थे।

नेहरू का रास्ता राष्ट्र-राज्य (नेशन स्टेट) था और गांधी का ग्राम गणराज्य का। आजादी के तीस साल बाद सत्ता में आई जनता सरकार ने भी जेपी द्वारा प्रस्तावित विकेन्द्रित शासन व्यवस्था लाने की दिशा में कोई प्रयास नहीं किया। जेपी द्वारा 1974-75 में भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ उभरे बिहार आंदोलन का नेतृत्व करना, जवाब में इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लागू करना, उन्हें और हजारों अन्य नेताओं को जेलों में बंद करना, 1977 के चुनाव में विपक्षी दलों को एकजुट करना और चुनाव में भारी जीत दिलवाते हुए केंद्र में पहली गैर-कांग्रेस सरकार का गठन कराने में उनकी भूमिका इतिहास की चीजें हैं। गांधी की तरह जेपी को भी समझ में आ गया कि मैदाने-जंग में जीत का मतलब यह नहीं होता कि जीत के सेनापति उन क्रांतिकारी उद्देश्यों के लिए भी उतने ही मन से काम करें। यह बात तब और भी ज्यादा स्पष्ट ढंग से सामने आती है, जब प्रस्तावित बदलावों से सत्ता में आए लोगों के अपने अधिकारों से भी कटौती का मसला जुड़ा हो।

जैसे ही अंग्रेजों ने आजादी देने की बात स्वीकार कर ली और विभाजन समेत सत्ता के हस्तांतरण की बातें शुरू हुई। गांधी की उपेक्षा शुरू हो गई। उन्होंने अपने सचिव और जीवनीकार प्यारेलाल से शिकायत की, 'आज मेरी कौन सुनता है-आजादी की लड़ाई लड़ते हुए तो हम एक थे लेकिन आजादी के अवसर पर हम विभाजित हैं। सत्ता की संभावना ने हमारा नैतिक बल हर लिया है।' संभव है कि यही शब्द जेपी के मुंह से भी तब निकलते जब 1977 में इंदिरा गांधी के शासन को खत्म करने के लिए एकजुट हुई जनता पार्टी के घटक दल बिखरने लगे थे।

आजाद भारत में कुछ ही महीने जिंदा रहने के दौरान ही महात्मा गांधी को पार्टी पॉलिटिक्स की बुनियाद ही गड़बड़ होने का एहसास हो गया था। 1947 की पहली तारीख को उन्होंने कांग्रेस के रचनात्मक कार्यकर्ताओं से कहा था, ''आज राजनीति भ्रष्ट हो गई है। राजनीति में जाने वाला हर आदमी इसमें नहा जाता है। हम सभी को इससे बाहर ही रहना चाहिए। फिर 27 जनवरी को उन्होंने कहा, "कांग्रेस ने अपनी आजादी की लड़ाई का शुरुआती और जरूरी हिस्सा हासिल कर लिया है। पर इसका मुश्किल भाग अब आना है। लोकतंत्र के मुश्किल रास्ते पर इसने ऐसे घटिया ठिकाने बनाए हैं, जिनसे भ्रष्टाचार पैदा हुआ है और गड़बड़ी वाले ऐसे संस्थान बने हैं जो नाममात्र के लोकतांत्रिक और जनप्रिय हैं (तेन्दुलकर, महात्मा खण्ड 8)।"

सोशल फोरम

लो फिर आ गए हैं सिंघाड़ों वाले दिन

सिंघाड़ा ट्रैपा नटन्स (Trapa natans) नामक जलीय पौधे का फल है। सिंघाड़े को संस्कृत में शृङ्गाटक, जलफल कहते हैं, जबकि अंग्रेजी में इसे वॉटर चेस्टनट या वॉटर कैल्ट्रोप्स के नाम से जाना जाता है।

अजय कुमार प्रजापति
ब्लॉगर

ये तालाबों, दलदलों और धीमी गति से बहने वाली नदियों में उगता है। यह सर्दी के मौसम में मिलने वाला एक स्वादिष्ट और पौष्टिक फल है, जो फाइबर, प्रोटीन, आयरन और विटामिन से भरपूर होता है। यह पाचन को दुरुस्त करने, वजन घटाने और हृदय स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद है। इसका उपयोग कच्चा, उबला हुआ या आटे के रूप में किया जाता है, खासकर उपवास के दौरान।

सिंघाड़े में विभिन्न पोषक तत्व पाए जाते हैं। जैसे- विटामिन A, विटामिन B6, विटामिन C और थायमिन। खनिज में कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, पोटेशियम, कॉपर, मैगनीज, जिंक, सोडियम और आयोडीन पाया जाता है। इसके अलावा इसमें कार्बोहाइड्रेट, डाइटरी फाइबर और प्रोटीन भी होता है।

इसमें मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है और कब्ज से निजात दिलाता है। सिंघाड़े में फाइबर और पानी की अच्छी मात्रा होती है, जो पेट को भरा रखती है और वजन को नियंत्रित करने में मदद करती है। कम सोडियम और अधिक पोटेशियम होने के कारण यह ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है, जिससे हृदय पर दबाव कम पड़ता है और हृदय स्वस्थ रहता है।

सिंघाड़ा डायबिटीज के मरीजों के लिए भी सुरक्षित माना जाता है। जानकार कहते हैं कि यह शुगर के अवशोषण को धीमा करके रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके पोषक तत्व शरीर में कमजोरी और थकान को दूर करने में भी सहायक होते हैं। हालांकि डायबिटीज के मरीजों को इस खाने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

सिंघाड़े दो रंग के बाजार में मिलते हैं। एक हरे रंग का और दूसरा काले रंग का। सिंघाड़े शुरू में जब तोड़े जाते हैं तो मुलायम होते हैं। इन्हें कच्चा खाया जाता है। सख्त होने पर इसे उबालकर खाया जाता है। सिंघाड़े के पके फलों को सुखाकर उसका आटा बनाया जाता है, जिसका उपयोग उपवास के व्यंजनों में किया जाता है। कुछ क्षेत्रों में इसकी कचरी भी बनाकर खाई जाती है।

सामयिकी

पूर्व नरेश का शुभकामना संदेश व नेपाल का भविष्य

नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने काम करना प्रारंभ कर दिया है, लेकिन जनता में यह भ्रम बना हुआ है कि नेपाल का आगे का भविष्य क्या होगा? जिस गति से पुराने राजनीतिक दलों के नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो रही हैं और उनके खिलाफ जांच के लिए आयोग का गठन किया गया है, उससे ऐसा लगता है कि नेपाल की राजनीति में उन्हें दरकिनार करने की लंबी तैयारी है। फिलहाल अभी जो दृश्य है, वह नेपाल के लिए बहुत शुभ नहीं है। हैरत है कि पिछले दिनों जेन जी आंदोलन में तहस-नहस हुए नेपाल को संवारने के लिए कोई दूसरा या तीसरा देश दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। जैसा कि भूकंप से तबाह हुए नेपाल के लिए दुनिया के तमाम देश इमदाद को आगे आए थे।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

इससे ऐसा लगता है कि नेपाल के मित्र देशों को भी छह महीने बाद होने वाले आम चुनाव के बाद नए नेपाल की राजनीतिक दिशा का इंतजार है। इसी के साथ दशहरा पर्व के अवसर पर पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र का देश के नाम संदेश भी चर्चा में है। पूर्व नरेश का यह जनता के नाम शुभकामना संदेश था, लेकिन इस बार के संदेश के मायने अलग हैं। दशहरे के मौके पर पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र का जनता के नाम भावनात्मक संदेश को नेपाल में बदल रही राजनीतिक परिदृश्य की दृष्टि से देखा जा रहा है। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र ने नेपाली जनता को याद दिलाया है कि उनके पूर्वजों ने जिस त्याग, बलिदान और अदम्य साहस से नेपाल की एकता, अखंडता, सार्वभौमिकता और संप्रभुता की रक्षा की, वही हमारे अस्तित्व, स्वाभिमान और गौरवशाली संस्कृति की रीढ़ है। इन्हीं आदर्शों के सहारे नेपाल सदा से स्वतंत्र और स्वाभिमानी राष्ट्र के रूप में खड़ा रहा है। हमें किसी भी प्रकार की पराधीनता या भू-राजनीतिक जाल में उलझे बिना, अपनी राह स्वयं तय करते हुए 'अखण्ड नेपाल' के नवनिर्माण की ओर अग्रसर होना है। अपने संदेश में पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र ने युवाओं पर भी फोकस किया है। कहा कि युवा पीढ़ी हमारे भविष्य की आधारशिला है। उनमें निहित देशभक्ति, ऊर्जा और नवीन चिंतन ही वह शक्ति है जो राष्ट्र को मजबूत, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाएगी।

कार्की सरकार फिलहाल अभी ओली सहित उनके मंत्रिमंडल के मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई और जांच पड़ताल में जुटी है, जैसा कि जेन जी समूह की मंशा है। ऐसा लगता है कि कार्की सरकार का छह महीने का कार्यकाल पूर्व की सरकार को भ्रष्ट और बेइमान साबित करने में ही बीत जाएगा। ओली और उनकी सरकार के लगभग सभी मंत्री भ्रष्ट और बेइमान थे, इसमें संदेह की गुंजाइश नहीं है। ऐसे में आगामी छह महीने बाद नेपाल में तय समय-सीमा में चुनाव हो पाएगा, इसे लेकर भी असमंजस है, क्योंकि चुनाव में हिस्सा लेने के लिए राजनीतिक दलों के लिए यह समय बहुत अधिक नहीं है। जिस तरह भंग प्रतिनिधि सभा के सदस्यों और राजनीतिक दलों ने खामोशी अख्तियार कर ली है, उससे तय समय-सीमा में चुनाव हो पाने के संदेह को और गहरा करता है। आंदोलन, आगजनी और हिंसा के बाद नेपाल की राजनीति डरी हुई जान पड़ रही है।

डर के इस माहौल में नेपाल में दो तरह की राजनीति जन्म लेती दिखाई पड़ रही है, जो जनता को आकर्षित कर सकती है। प्रथम तो राजशाही और दूसरा ग्रेटर नेपाल! नेपाल चार सौ साल तक राजशाही के शिकंजे में रहा है। इस दौरान दो मर्तबा लोकतंत्र के लिए आवाज उठी। 1960 में प्रधानमंत्री रहे स्वर्गीय वीपी कोइराला के नेतृत्व में राजा के खिलाफ आवाज उठाई गई थी, जिसे तत्कालीन नरेश ने छल-कपट के जरिए दबा दिया था, दूसरा 1996 में। 1996 का यह आंदोलन जनयुद्ध में तब्दील हो गया था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

अमृत विचार
शब्द रंग

लगभग 200 वर्षों से गुलाब की पंखुड़ियों की उसी खुशबू के बीच खंडहर बनी वह इमारत मौजद है, जो बता रही है कि इमारत कभी बुलंद थी। उस राजधानी में जहां सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की कमी नहीं, वहां चुनिंदा हकीम आज भी तमाम मरीजों की सांसें थाम उन्हें जिंदगी दे रहे हैं। हां ! वही हकीम जो इस्लामी स्वर्ण युग के दौरान विद्वानों की श्रेणी में आते थे। ऐसे विद्वान जो धर्म, चिकित्सा, विज्ञान और इस्लामी दर्शन के जानकार थे। उसी यूनानी चिकित्सा पद्धति को विरासत में पाने वाले कुछ हकीम अब भी हैं, जिसकी नींव 460 ईसा पूर्व ग्रीस में यूनानी दार्शनिक हिप्पोक्रेट्स ने रखी थी। इन हकीमों से मिलना है तो लखनऊ में चौक के शोर-शराबे और संकरी गलियों से होते हुए दारुलशफा तक पहुंचना होगा। यहां दशकों पुराना एक जर्जर भवन पर लगा बोर्ड दिखेगा, जिस पर लिखा है किंग्स यूनानी हॉस्पिटल, गोल दरवाजा चौक। यही है शाही यूनानी शिफाखाना। -*रिपोर्ट: शुभंकर*

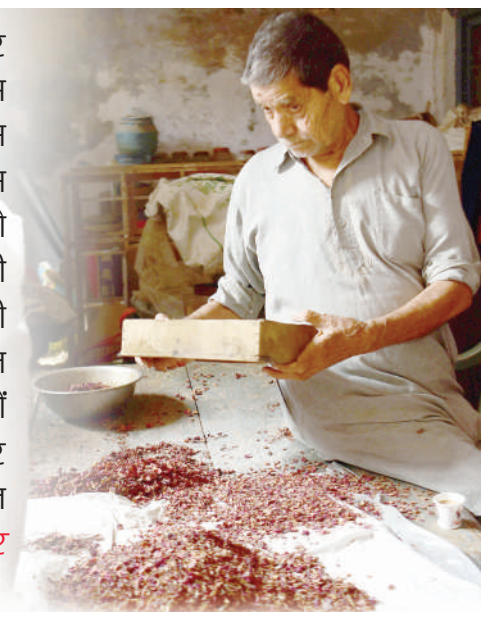

खंडहर बता रहे हैं इमारत कभी बुलंद थी

गरीबों के इलाज के लिए इस चिकित्सा इकाई की स्थापना 1832 में राजा नसरुद्दीन हैदर बहादुर ने की थी। यानी सात वर्षों के बाद इस यूनानी पद्धति के अस्पताल को स्थापित हुए पूरे 200 साल हो जाएंगे। इसी जर्जर इमारत तले आज भी न केवल मरीजों को हकीम उचित चिकित्सीय परामर्श देते हैं, बल्कि यहीं निर्मित दवाएं भी। इन्हीं यूनानी औषधियों में गुलाब की पंखुड़ियों का प्रयोग होता है, जो यहां बिखरी पड़ी दिखेंगी, जिनकी रूहानी खुशबू तनमन को तरोताजा कर देती है। दरअसल यूनानी चिकित्सा पद्धति खासकर इस्लामी देशों में फली-फूली, फिर भी अवध के नवाबों के शासनकाल में यह लखनऊ पहुंची और शहर की पहचान का अभिन्न अंग बन गई। जब अन्य लोग इससे विमुख हो गए, तब भी नवाबों ने इस प्राचीन परंपरा को संरक्षण देना जारी रखा। अभिलेखों से पता चलता है कि अंतिम नवाब, वाजिद अली शाह, शाही चिकित्सकों की एक टीम रखते थे, जो यूनानी चिकित्सा पद्धति का अभ्यास करते थे। यह वह समय था जब यूरोपीय चिकित्सा पद्धति दुनियाभर में अपनी जगह बना रही थी। यह विरासत 20 वीं सदी तक जारी रही और यूनानी चिकित्सा पद्धति जन स्वास्थ्य के लिए केंद्रीय बनी रही। लखनऊ में शाही शिफाखाना यहां के चौक इलाके के बीचों-बीच स्थापित अवध की शाही विरासत का एक प्रतीक है। एकबारगी यह कोई आम सरकारी क्लीनिक या किसी पुराने हकीम का दवाखाना लग सकता है, लेकिन जो लोग इसके इतिहास को जानते हैं, उनके लिए यह नवाबों के प्रगतिशील नजरिए का प्रतीक है। राजा नसीरुद्दीन हैदर द्वारा 1833 में स्थापित, शिफाखाना उस वक्त का आधिकारिक शाही अस्पताल था। राजा ने इसे यूनानी चिकित्सा के केंद्र के रूप में स्थापित किया था, जो यूनानी-अरबी चिकित्सा पद्धति थी, जिसने भारतीय उपमहाद्वीप में गहरी जड़ें जमा रखीं थीं। तीन प्रशिक्षित हकीमों की एक टीम जनता की सेवा करती थी। इलाज न केवल मुफ्त था, बल्कि सम्मान के साथ भी किया जाता था। सभी वर्गों के मरीजों को समान स्तर की देखभाल प्रदान की जाती थी। इस सुविधा में गहन या दीर्घकालिक उपचार की आवश्यकता वाले मरीजों के लिए भर्ती वार्ड भी शामिल थे।

अस्पताल के आसपास के बगीचे में औषधीय जड़ी-बूटियां उगाई जाती थीं और इसके अपने दवाखाना (फार्मेसी) में दुर्लभ औषधियां तैयार की जाती थीं। बाद के दिनों में लखनऊ उत्तर भारत के कलात्मक और बौद्धिक जीवन का केंद्र बनकर उभरा। अवध के नवाबों ने इस बदलाव को अपनाया और कवियों, कलाकारों, संगीतकारों और हकीमों को आमंत्रित किया। शिफाखाना शीघ्र ही चिकित्सा शिक्षा का केंद्र बन गया। यूनानी चिकित्सा के इच्छुक चिकित्सक यहां वरिष्ठ हकीमों के अधीन प्रशिक्षण लेते थे और निदान, औषध विज्ञान और समग्र चिकित्सा में अनुभव प्राप्त करते थे। निदान में नाड़ी-परीक्षण, नेत्र परीक्षण और सावधानीपूर्वक पूछताछ शामिल थी। उपचार में जोशांदा (जड़ी-बूटियों का काढ़ा), कुर्स (गोलियां) और अर्क (आसुत) शामिल थे, जो अक्सर रोगी की शारीरिक संरचना या मिजाज के अनुसार विशेष रूप से तैयार किए जाते थे। समय के साथ अस्पताल का स्टाफ कम होता गया और इसके समृद्ध अभिलेखागार और फार्मेसी की उपेक्षा की गई। फिर भी यह कभी बंद नहीं हुआ। वर्षों के राजनीतिक उथल-पुथल, सत्ता परिवर्तन और स्वास्थ्य सेवा के बदलते रुझानों के बावजूद, शाही शिफाखाना चुपचाप लोगों की सेवा करता रहा।

इमारत पर बदलते दौर के निशान हावी

आज इमारत पर बदले दौर के निशान हावी हैं। यहां की टूटी दीवारें और जंग खा चुका साइनबोर्ड संस्थान की ऐतिहासिक महत्ता की कहानी बयां करता है। अंदर चुनिंदा हकीम आज भी मात्र तीस रुपये के पर्चे पर परामर्श के साथ औषधियां भी देते हैं। मौके पर पहुंचिए तो हकीम सय्यद जैनुअल हसन और हकीम सय्यद अहमद मेंहदी यहां बैठे मिलेंगे। एक हकीम-ए-अव्वल हैं तो दूसरे हकीम-ए-दोयम यानी सीनियर और जूनियर हकीम साहब। इनके एक सहायक इस्लाम भी यहां दवाओं के वितरण का काम करते हैं। हालांकि यहां आने वाले मरीज कम हैं, फिर भी कई मरीज पुरानी बीमारियों के इलाज के लिए आते हैं। मर्ज के लिहाज से इन हकीमों द्वारा बताई गईं सभी दवाइयां एक विशेषज्ञ टीम द्वारा तैयार की जाती हैं, जो दशकों से इस यूनिट से जुड़े हुए हैं। सभी औषधियां गुलाब, ताजी जड़ी-बूटियों और प्राकृतिक औषधियों से तैयार होतीं है, बाजार में मिलने वाली कोई भी रेडीमेड दवा नहीं प्रयोग नहीं होती।

संस्मरण

प्राचार्य जी के शब्द

गौरव वाजपेयी 'स्वप्निल'
साहित्यकार

बात उन दिनों की है जब मैं कक्षा-10 का विद्यार्थी था। डॉ. बीएन शर्मा जो कि सेना से सेवानिवृत्त थे और हमारे प्राचार्य थे। उनकी छवि एक अनुशासनप्रिय और कड़क प्राचार्य की थी। जब वह अपने हाथ में रूल लेकर पूरे कॉलेज के राउंड पर होते, तो कैंपस में पिन ड्रॉप साइलेंस छा जाता। बच्चे तो बच्चे, आसपास के पेड़ों पर बैठी चिड़ियां भी चहचहाना बंदकर खामोश हो जातीं। मेधावी छात्रों से प्राचार्य जी को सहज लगाव था, जो भी बच्चा उन्हें मन लगाकर पढ़ने वाला और कुशाग्र बुद्धि दिख जाता, वह उनका लाडला हो जाता। फिर वह हर तरह से उसके बौद्धिक और मानसिक विकास का न केवल प्रयास करते, वरन उसे विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित भी करते। उनका ऐसा ही एक लाड़ला विद्यार्थी मैं भी था।

लेखन में मुझ पर शुरुआत से ही मां सरस्वती की बड़ी कृपा रही थी, किंतु मेरा स्वभाव उस समय तक बड़ा अंतर्मुखी था। सार्वजनिक मंच से बोलने में मेरी सिट्टी-पिट्टी गुम हो जाती थी। कितनी भी अच्छी तैयारी क्यों न की हो, लोगों की अपनी ओर केन्द्रित निगाहें मुझे असहज कर देती थीं। मुझे लगता है शुरुआत में ऐसा सभी के साथ होता है। उस समय खाड़ी युद्ध चल रहा था। प्राचार्य जी ने इसी विषय पर एक जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन कराने का निर्णय लिया। उन्होंने मुझसे कहा कि तुम्हें इस प्रतियोगिता में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करना है। मैंने कहा-"सर! मैं भाषण और वाद-विवाद आदि में उतना अच्छा नहीं हूं।" उन्होंने एक न सुनी और तैयारी करने को कहा। मैंने भी हिम्मत करके विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं का अनुशीलन कर मैटर कलेक्ट किया, उसे अपने शब्दों में बिंदुवार लिखा और प्राचार्य जी को दिखाया। पढ़कर वह बेहद खुश हुए और आशा जताई कि प्रथम पुरस्कार विजेता मैं ही होऊंगा। मैंने भी प्रतियोगिता से पहले रोज उस मैटर को कई बार दिमाग में बैठाते हुए दोहराया। प्रतियोगिता का दिन आया। जनपद के लगभग सभी विद्यालयों के प्रतिभागी आए हुए थे। बढ़िया स्टेज सजाया गया था। सभी में अत्यंत उत्साह था। मैं थोड़ा नर्वस था, किंतु उत्साहित था। सभी प्रतिभागी पूरे जोशोखरोश के साथ अपनी प्रस्तुति दे रहे थे। सात-आठ प्रतिभागियों के बाद मेरा नाम पुकारा गया। मैं मां सरस्वती का स्मरण करते हुए स्टेज पर पहुंचा। मैंने मां सरस्वती को प्रणाम करते हुए कार्यक्रम के अध्यक्ष, मुख्य अतिथि आदि को अभिवादन करते हुए बोलना शुरू किया। जैसे ही मेरी नजर सामने बैठे हुए श्रोताओं पर गई, मैं असहज महसूस करने लगा और मेरे मुंह से आवाज निकलनी बंद हो गई। ऐसा लग रहा था जैसे मुझे कुछ भी याद न रहा हो। प्राचार्य जी मेरा उत्साह बढ़ाते हुए बोले-"बहुत अच्छी शुरुआत है बेटा! आगे जारी रखो।" पर मेरी कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था। मैं रुआंसा सा हो गया। रुंधे गले से सॉरी कहकर मैं स्टेज से नीचे उतर आया। प्राचार्य जी ने स्टेज पर माइक से कहा-"हमारे विद्यालय का सबसे मेधावी छात्र है, बहुत अच्छा लिखता है। भाषण की कला का वरदान मां सरस्वती सभी को नहीं देतीं।" उनके ये शब्द मेरे बालमन में तीर की तरह जा लगे थे। घर आकर मैं बहुत रोया। अपनी पराजय का एहसास मुझे बार-बार हो रहा था और प्राचार्य जी के शब्द मेरे कानों में बार-बार गूंज रहे थे। मैं समझ रहा था कि उन्हें भी मेरे स्टेज पर न बोल पाने से बेहद तकलीफ हुई होगी। उसी वेदना में ये शब्द उनके श्रीमुख से निकले थे। अगले दिन विद्यालय में मैं उनके कक्ष में जाकर उनसे मिला और क्षमा मांगी। उन्होंने कहा-"गौरव! दुःख इस बात का है कि तुमने इतनी अच्छी तैयारी की थी, किंतु आत्मविश्वास के अभाव में तुम घबरा गए। अरे! जब कभी भी भीड़ के सामने बोलो, कभी यह मत सोचो कि सामने सब विद्वान बैठे हैं। हमेशा यह सोचो कि सामने वाले को कुछ नहीं पता और तुम इस विषय को सबसे अच्छी तरह जानते हो। कभी घबराहट नहीं होगी।" उनके वे शब्द उसी समय मैंने गांठ बांध लिए। मैंने उसी समय संकल्प लिया कि भाषण कला में अभ्यास करते हुए पारंगत होना है। उसके बाद मैंने कभी भी सार्वजनिक मंच से बोलने का कोई भी मौका नहीं छोड़ा। धीरे-धीरे स्टेज फियर बिल्कुल गायब हो गया। प्राचार्य जी के शब्द मेरे लिए वरदान सिद्ध हुए और उनका सुझाव मेरे जीवन का मागदर्शक सिद्धांत।

अमिताभ बच्चन के पहले गुरु फ्रैंक ठाकुर दास

दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ी मल कॉलेज (केएमसी) के विशाल परिसर में कदम रखते ही फ्रैंक ठाकुर दास सभागार नजर आता है, जो उस महान शिक्षक को श्रद्धांजलि है, जिनका रंगमंच और शिक्षा के प्रति जुनून बेजोड़ था। यदि उनकी प्रेरणा न होती, तो शायद एक लंबा-दुबला बीएससी का छात्र कभी मंच पर न आता और दुनिया का अमिताभ बच्चन जैसे आइकन से परिचय नहीं होता।

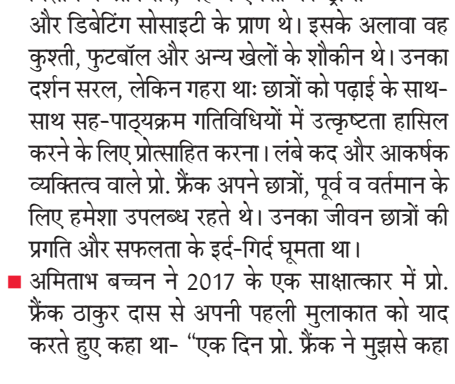

■ अमिताभ बच्चन 1959 से 1962 तक केएमसी में छात्र थे, जब उनके पिता, प्रख्यात हिंदी विद्वान डॉ. हरिवंश राय बच्चन, विदेश मंत्रालय में हिंदी अधिकारी थे। तीन वर्षों तक केएमसी हॉस्टल का कमरा नंबर 66 उनका घर रहा। यहीं उनकी मुलाकात प्रो. फ्रैंक ठाकुर दास से हुई, जो पंजाब के गुरदासपुर के रहने वाले थे, जिन्होंने उनकी जिंदगी को नया मोड़ दिया। फ्रैंक ठाकुर दास बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। पेशे से राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर, वह केएमसी की ड्रामा और डिबेटिंग सोसाइटी के प्राण थे। इसके अलावा वह कुश्ती, फुटबॉल और अन्य खेलों के शौकीन थे। उनका दर्शन सरल, लेकिन गहरा था: छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रोत्साहित करना। लंबे कद और आकर्षक व्यक्तित्व वाले प्रो. फ्रैंक अपने छात्रों, पूर्व व वर्तमान के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे। उनका जीवन छात्रों की प्रगति और सफलता के इर्द-गिर्द घूमता था।

■ अमिताभ बच्चन ने 2017 के एक साक्षात्कार में प्रो. फ्रैंक ठाकुर दास से अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा था- "एक दिन प्रो. फ्रैंक ने मुझसे कहा कि मुझे तुरंत कॉलेज की ड्रामा सोसाइटी में शामिल होना चाहिए"। उस पहली मुलाकात से ही वह मेरे गुरु बन गए। उनके मार्गदर्शन में मैंने रंगमंच की बारीकियां सीखीं। जैसे मंच पर आवाज का उतार-चढ़ाव और अभिनय में भावनाओं का क्या महत्व होता है।"

■ प्रो. फ्रैंक स्वयं एक उत्कृष्ट अभिनेता और निर्देशक थे, जिन्होंने अमिताभ को पूरे समर्पण से मार्गदर्शन दिया। फ्रैंक के मार्गदर्शन में अमिताभ ने रंगमंच में उत्साह के साथ हिस्सा लिया और हिंदी व अंग्रेजी नाटकों में अभिनय किया। केएमसी ड्रामा सोसाइटी एक शक्तिशाली मंच बन गई, जो न केवल दिल्ली विश्वविद्यालय में, बल्कि पूरे शहर में नाटकों का मंचन करती थी। अमिताभ इस जीवंत रंगमंच समुदाय का अभिन्न हिस्सा थे। प्रो. फ्रैंक ने तो उन्हें मिरांडा हाउस, एक महिला कॉलेज में एकल नाटक के लिए भी सिफारिश की थी, जिसे अमिताभ मुस्कुराते हुए याद करते हैं।

■ फ्रैंक ठाकुर दास का प्रभाव केवल अमिताभ तक सीमित नहीं था। उन्होंने सतीश कौशिक, कुलभूषण खरबंदा और कबीर खान जैसे केएमसी के पूर्व छात्रों की पीढ़ी को प्रेरित किया, जिन्होंने अभिनय और फिल्म निर्माण में अपनी पहचान बनाई। उनकी अपने छात्रों के प्रति प्रतिबद्धता असीम थी। वह जरूरत पड़ने पर उनकी आर्थिक मदद करते और कक्षाओं के बाद घंटों नाटकों का अभ्यास करवाते। एक कार्यनिष्ठ और बेहतरीन पंजाबी गायक, फ्रैंक ने केएमसी की डिबेटिंग और संगीत सोसाइटी को भी संवारा, जिससे कॉलेज की सांस्कृतिक विरासत पर अमिट छाप छोड़ी।

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

■ दिवंगत अभिनेता सतीश कौशिक ने एक बार इस लेखक से कहा था, "1970 के दशक में जब मैं केएमसी में आया, फ्रैंक सर एक विशाल व्यक्तित्व थे। यह जानकर मैं चकित था कि उन्होंने अमिताभ बच्चन को पढ़ाया था। वह अपनी उपलब्धियों पर कभी घमंड नहीं करते थे। यही उनकी खासियत थी। उन्होंने मुझे रंगमंच की बारीकियां उसी समर्पण से सिखाईं, जो वह सभी को देते थे।"

■ केएमसी समुदाय को फ्रैंक ठाकुर दास के योगदान पर गर्व है। 2019 में अमिताभ बच्चन, सतीश कौशिक और कबीर खान ने फ्रैंक ठाकुर दास सभागार के जीर्णोद्धार के लिए धन संग्रह कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जो खराब हालत में था। अमिताभ ने 51 लाख रुपये का दान दिया, ताकि सभागार का भव्य पुनर्निर्माण हो सके। फ्रैंक के अन्य छात्रों ने भी योगदान दिया, जो उनके प्रति सम्मान को दर्शाता है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,500 .82	25,285 .35
बढ़त	+328 .72	+103 .55
प्रतिशत में	0 .40	0 .41

सोना 1,26,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,71,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन-तुलसी 2550, राज श्री 1830, फ़ॉर्चून कि . 2245, रविन्द्रा 2490, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2040, सूरज 1990, अवसर 1920, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1920, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2150, आशीर्वाद मस्टर्ड 2410, स्वास्तिक 2505

किराना-(प्रति कु .) हल्दी निजामाबाद 14000, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रति किग्रा) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल-(प्रति कु0)डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा,5किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन-मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली-7250-7450 मलका दाल-7550-8900, मलका छोंटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9500-11200, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 12800, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7200, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 8600, मोटा हीरा 10700, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8100, अरहर कोरा मोटा 8600, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी-डालमियां 4480, पीलीभीत 4400, सितारगंज 4360, धामपुर 4480

न्यूज ब्रीफ

म्यूचुअल फंड में निवेश घटकर 30,421 करोड़

नई दिल्ली। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश सितंबर में नौ प्रतिशत घटकर 30,421 करोड़ रुपये रहा। भारतीय म्यूचुअल फंड संघ (एम्फी) के शुक्रवार को जारी आंकड़े के अनुसार निवेश में लगातार दूसरे महीने गिरावट आई है। इसके बावजूद यह लगातार 55वां महीना है जब इक्विटी खंड में शुद्ध रूप से निवेश बढ़ा है। आंकड़ों के अनुसार, इक्विटी वाले म्यूचुअल फंड में सितंबर में 30,421 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो अगस्त के 33,430 करोड़ रुपये और जुलाई के 42,702 करोड़ रुपये से काफी कम है। इक्विटी फंड श्रेणियों में, सबसे अधिक योगदान फ्लेक्सी कैप फंड्स का 7,029 करोड़ रुपये रहा।

प्रेस्टीज के चेयरमैन जगन्नाथन का निधन

नई दिल्ली। प्रेशर कुकर और रसोई के अन्य सामान बनाने वाली अग्रणी कंपनी टीटीके प्रेस्टीज के मानद चेयरमैन टीटी जगन्नाथन का बेंगलुरु में निधन हो गया है। वह 77 वर्ष के थे। 'किचन मुगल' के उपनाम से मशहूर जगन्नाथन आईआईटी चेन्नई का स्वर्ण पदक विजेता होने के साथ अमेरिका की कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से पीएचडी भी किए थे। उन्होंने अपने दादा और पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री टीटी कृष्णमाचारी द्वारा स्थापित टीटीके प्रेस्टीज के निदेशक मंडल में करीब 50 वर्षों तक सेवा दी।

भारत का अपना स्वदेशी एआई मॉडल फरवरी तक होगा तैयार

इलेक्ट्रॉनिक्स सचिव बोले-इंडिया एआई समिट तक पेश किए जाने की है योजना

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत का स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा अपना कृत्रिम मेधा (एआई) मॉडल अगले साल फरवरी में होने वाले 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' से पहले तैयार हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस. कृष्णन ने शुक्रवार को यहां आयोजित 'इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025' को संबोधित करते हुए कहा कि एआई क्षेत्र में देर से प्रवेश करने के बावजूद भारत ने अपनी कंप्यूटिंग अवसंरचना को तेजी से बढ़ाया है और 10,000 जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) के लक्ष्य के मुकाबले 38,000 जीपीयू की तैनाती की है।

उन्होंने कहा कि भारत अपने आधारभूत मॉडल तैयार कर रहा है। वर्ष के अंत तक हमें अपना पहला पूरी तरह भारतीय आधारभूत मॉडल मिलने की उम्मीद है। इंडिया एआई समिट होने तक भारत का स्वायत्त मॉडल पेश कर देने की योजना है। स्वायत्त एआई मॉडल भारत में विकसित ऐसा स्वदेशी एआई तंत्र होगा जो पूरी तरह भारतीय डेटा पर प्रशिक्षित होगा और देश के भीतर स्थित सर्वरों पर ही संचालित किया जाएगा।

सरकार ने 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' का आयोजन 19-20 फरवरी को करने की घोषणा की है। कृष्णन ने कहा कि सरकार एआई के संभावित प्रभावों को लेकर सतर्क है और ऐसे मंच विकसित करना चाहती है जो समावेशी हों। उन्होंने बताया कि सरकार क्षेत्र-विशिष्ट छोटे एआई मॉडल विकसित करने पर भी जोर दे रही है, ताकि प्रौद्योगिकी का लाभ उन क्षेत्रों तक भी पहुंचे जहां इसकी सबसे अधिक जरूरत है।

उन्होंने कहा कि सरकार लगातार कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ा रही है और भारतीय कंपनियों के लिए अधिक जीपीयू उपलब्ध कराएगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव अभिषेक सिंह ने कहा कि भारत का स्वायत्त एआई मॉडल पूरी तरह भारतीय डेटा सेट पर प्रशिक्षित होगा और भारत में स्थित सर्वरों पर ही संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार 12 घरेलू कंपनियों को समर्थन दे रही है।

टीसीएस ने लंदन में एआई हब, डिजाइन स्टूडियो पेश किया

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने शुक्रवार को लंदन में एक कृत्रिम मेधा (एआई) अनुभव क्षेत्र और डिजाइन स्टूडियो पेश करने की घोषणा की। कंपनी ने साथ ही कहा कि ब्रिटेन में उसके निवेश से अगले तीन वर्षों में 5,000 रोजगार के नए अवसर तैयार होंगे। टीसीएस इस समय ब्रिटेन में 42,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार देती है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में उसने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में 3 .3 अरब पाउंड का योगदान दिया। टीसीएस ने आज लंदन में एक एआई अनुभव क्षेत्र और डिजाइन स्टूडियो के शुभारंभ की घोषणा की, जो ब्रिटेन में उसके लगातार रणनीतिक निवेश की पुष्टि करता है। सितंबर में पेश किए गए न्यूयॉर्क डिजाइन स्टूडियो के बाद, लंदन स्टूडियो टीसीएस का दूसरा डिजाइन केंद्र है। ब्रिटेन और आयरलैंड के लिए टीसीएस के प्रमुख विनय सिंघवी ने कहा कि ब्रिटेन वैश्विक स्तर पर टीसीएस का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और कंपनी पूरे देश में अपनी उपस्थिति बढ़ाना जारी रखेगी।

दीप पर्व की तैयारी...

रोशनी के पर्व दीपावली में कुछ दिन ही शेष हैं। देशभर में लोग पर्व को धूमधाम से मनाने की तैयारी कर रहे हैं। घरों को जगमगाने के लिए दीप और मोमबत्तियां भी तैयार की जा रही हैं। त्रिपुरा के अगरतला में बिक्री के लिए मोमबत्तियां तैयार करती एक महिला।

विदेशी मुद्रा भंडार घट कर 699.96 अरब डॉलर पर

मुंबई, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 27.6 करोड़ डॉलर घटकर 699.96 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.33 अरब डॉलर घटकर 700.24 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, तीन अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.05 अरब डॉलर घटकर 577.71 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। केन्द्रीय बैंक के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 3.75 अरब डॉलर बढ़कर 98.77 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.81 अरब डॉलर हो गया।

कंपनियों के निजीकरण के फैसले को करें रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

- एआईपीईएफ ने उत्तर प्रदेश सरकार से किया आग्रह

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने शुक्रवार को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बिजली (संशोधन) विधेयक 2025 के प्रावधानों के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की दो वितरण कंपनियों के निजीकरण के फैसले को रद्द करने का आग्रह किया।

संगठन ने मांग की है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मसौदा विधेयक के प्रावधानों के आलोक में पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण के फैसले को तुरंत रद्द करें, जो पूर्ण निजीकरण की नीति का खंडन करता है।

इसमें कहा गया है कि एआईपीईएफ ने पूरे बिजली वितरण क्षेत्र के निजीकरण के लिए भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी किए गए बिजली (संशोधन) विधेयक 2025 के मसौदे का कड़ा विरोध किया है।

वेदांता समूह के खिलाफ दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को अमेरिका की वित्तीय शोध कंपनी वायसराय रिसर्च के वेदांता समूह की कंपनियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच के आग्रह वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। न्यायालय ने पूछा कि भारत के बाहर की कंपनियां इस बात को लेकर इतनी चिंतित क्यों हैं कि हम अपना कामकाज कैसे चलाते हैं?' न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की पीठ ने शक्ति भाटिया नामक एक वकील की जनहित याचिका को खारिज कर दिया।

भरोसे के शासन को आधुनिक कर ढांचा जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- कारोबारी सुगमता और जीवनयापन होगा आसान : नीति आयोग

नीति आयोग ने शुक्रवार को कहा कि स्वैच्छिक अनुपालन, पारदर्शिता और निष्पक्षता सहित विश्वास आधारित शासन के लिए एक आधुनिक कर ढांचा स्थापित करने की जरूरत है। आयोग ने भारत के कर रूपांतरण की ओरः अपराध-मुक्त करने और विश्वास-आधारित शासन शीर्षक वाले एक कार्य पत्र में यह बात कही।

कहा गया कि भारतीय कर ढांचे को 2047 तक विकसित भारत बनाने और विकास, समावेशन तथा विश्वास के सिद्धांतों के अनुरूप होना चाहिए। कारोबारी सुगमता और जीवनयापन में आसानी को बढ़ाने के लिए एक आधुनिक, पूर्वानुमानित और नागरिक केंद्रित कर प्रणाली जरूरी है। आयोग के अनुसार सरकार को पारदर्शी कराधान - ईमानदार का सम्मान और जन विश्वास अधिनियम (2023) जैसे मंचों पर ध्यान देना चाहिए, जिसका मकसद अनुपालन बोझ को कम करना है।

सजा को तर्कसंगत बनाने की सिफारिश

नई दिल्ली। कर कानूनों में सुधार और कारोबार में सरलता के उपायों के तहत 2025 का आयकर अधिनियम कई तरह के पुराने आपराधिक सजा वाले प्रावधानों को खत्म करा चुका है और अभी इसमें 13 प्रावधानों में 35 प्रकार के कार्यों और गलतियों को आपराधिक कार्य की श्रेणी में रखा गया है। नीति आयोग की कर नीति द्वारा नीति पर कार्य-पत्र श्रृंखला के तहत गुरुवार को जारी दूसरे दस्तावेज में उपरोक्त तथ्य को रेखांकित किया गया है। इस दस्तावेज का विषय है डिक्रिमिनलाइजेशन एंड ट्रस्ट बेस्ड गवर्नेंस। दस्तावेज में दंडों को तर्कसंगत बनाने, छोटे और प्रक्रियात्मक गैर-अनुपालन को गैर-आपराधिक बनाने और न्यायिक विवेक को मजबूत करने के लिए एक सिद्धांत-आधारित ढांचे का प्रस्ताव किया गया है। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर . सुब्रमण्यम ने कहा कि ऐसे सुधारों से मुकदमेबाजी कम होगी, निवेशकों का विश्वास बढ़ेगा।

नियामक अब खुद संशोधित कर सकेंगे विद्युत दरें

नई दिल्ली, एजेंसी

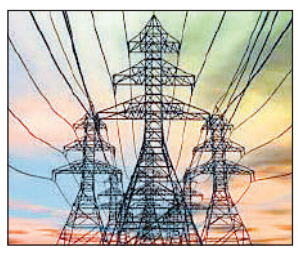

- बिजली मंत्रालय ने रखा अधिकार देने का प्रस्ताव

बिजली मंत्रालय ने गुरुवार को मसौदा बिजली संशोधन विधेयक 2025 पेश किया जिसका उद्देश्य राज्यों के नियामकों को दरों में स्वतः संशोधन का अधिकार देना, डिसकॉम को वितरण नेटवर्क साझा करने की मंजूरी देना और विनिर्माण, रेलवे एवं मेट्रो को क्रॉस-सब्सिडी से मुक्त करना है। मंत्रालय ने इस मसौदा विधेयक पर 30 दिनों में सुझाव आमंत्रित किए हैं।

मंत्रालय ने कहा कि बिजली अधिनियम, 2003 के तहत किए गए बड़े सुधारों के बावजूद वितरण क्षेत्र गंभीर वित्तीय दबावों का सामना कर रहा है, जिसमें कुल नुकसान 6.9 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। मंत्रालय ने कहा कि नियामकीय विलंब और उच्च औद्योगिक शुल्क ने उद्योग की प्रतिस्पर्धा और आर्थिक वृद्धि को प्रभावित किया है। इस विधेयक में प्रस्ताव रखा गया है कि राज्यों के बिजली नियामक एक अप्रैल से लागू होने वाले संशोधित शुल्क को खुद ही तय कर सकेंगे, जिससे बिजली दर निर्धारण में समयबद्धता और वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित होगा। यह विधेयक वितरण लाइसेंसधारकों को नेटवर्क के माध्यम से बिजली आपूर्ति करने की अनुमति देता है।

क्रास सब्सिडी से मुक्त करने का मसौदा

विनिर्माण उद्यम, रेलवे और मेट्रो को पांच वर्षों में क्रॉस-सब्सिडी यानी एक की कीमत पर दूसरे को सब्सिडी से मुक्त करने का भी प्रस्ताव किया गया है, जिससे परिवहन एवं लॉजिस्टिक लागत घटेगी और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। यह विधेयक उद्योगों को अपने इस्तेमाल के लिए बिजली उत्पादन से संबंधित पारदर्शी नियमों के तहत निवेश करने और स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों को अपनाने का अवसर भी प्रदान करता है। इसके साथ ही, केंद्र और राज्य सरकारों को गैर-जीवाश्म ऊर्जा उपभोग की अनिवार्यताएं लागू करने, देशव्यापी मानक सेवा स्तर तय करने और अपील प्रक्रिया में समयसीमा निर्धारित करने का अधिकार दिया गया है।

सुनिश्चित होगी सस्ती-भरोसेमंद बिजली

अपीलीय न्यायाधिकरण में सदस्यों की संख्या बढ़ाकर तेजी से निर्णय लेने और बिजली क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने का प्रावधान भी इस विधेयक में किया गया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण को नेटवर्क की साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने और उच्च स्तरीय बिजली परिषद स्थापित करने का अधिकार भी दिया गया है। मंत्रालय ने कहा कि इन संशोधनों से सस्ती, भरोसेमंद और स्वच्छ बिजली सुनिश्चित होगी, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और भारत की ऊर्जा बदलाव प्रक्रिया को तेज किया जा सकेगा।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में एमडी और ईडी बन सकते हैं निजी क्षेत्र के लोग

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने शीर्ष प्रबंधन पदों को निजी क्षेत्र के लिए खोला

सरकार ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में शीर्ष प्रबंधन पदों को निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों के लिए खोल दिया है। एसबीआई में प्रबंध निदेशक (एमडी) के चार पदों में एक पद निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों में कार्यरत व्यक्तियों के लिए खुला है। अब तक सभी एमडी और चेयरमैन पदों पर आंतरिक उम्मीदवारों की नियुक्ति हुई है।

संशोधित नियुक्ति दिशानिर्देशों के अनुसार अब निजी क्षेत्र के लिए एक एमडी पद उपलब्ध होगा। इसी प्रकार, संशोधित दिशानिर्देशों के तहत निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में कार्यकारी निदेशक (ईडी) पद के लिए आवेदन करने की अनुमति दी गई है। एसबीआई के अलावा, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ इंडिया सहित 11 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हैं। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने संशोधित दिशानिर्देश जारी किए। इसके अनुसार निजी क्षेत्र के उम्मीदवारों के पास न्यूनतम 21 वर्ष का अनुभव होना चाहिए, जिसमें कम से कम 15 वर्ष का बैंकिंग अनुभव और बैंक बोर्ड स्तर पर कम से कम दो वर्ष का अनुभव शामिल है। सार्वजनिक क्षेत्र के पद के लिए पात्र उम्मीदवार ऐसी रिक्तियों के लिए आवेदन कर सकेंगे।

इन दिशानिर्देशों के लागू होने की तिथि से एसबीआई के एमडी का पहला पद रिक्त माना जाएगा। पहली रिक्ति भरने के बाद आगामी रिक्तियों को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में काम कर रहे पात्र उम्मीदवारों द्वारा भरा जाएगा। राष्ट्रीयकृत बैंकों में कार्यकारी निदेशकों (ईडी) के संबंध में प्रत्येक बैंक में एक पद सभी पात्र उम्मीदवारों के लिए खुला होगा, जिसमें निजी क्षेत्र के उम्मीदवार भी शामिल हैं।

हवाई किराया दर उचित रखें विमानन कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी

- पर्वों के मद्देनजर नागर विमानन मंत्री नायडू ने दिए निर्देश

नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शुक्रवार को विभिन्न विमानन कंपनियों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में उनके संचालन और तकनीकी प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। इसके साथ ही मंत्री ने विमानन कंपनियों को त्योहारों के दौरान हवाई किराए को उचित स्तर पर बनाए रखने को कहा। एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, इंडिगो, अकासा एयर, एलायंस एयर, फ्लाई 91, फ्लाईबिग और इंडिया वन एयर सहित अन्य एयरलाइनों के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया। एक आधिकारिक सूचना अनुसार, विमानन कंपनियों के अधिकारियों ने सुरक्षा घटनाओं और यात्री शिकायतों पर की गई कार्रवाई सहित अपने प्रदर्शन से जुड़े आंकड़े प्रस्तुत किए।

बैठक के दौरान नायडू ने विमानन कंपनियों के प्रतिनिधियों को सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने विमानन कंपनियों से यात्रियों की सुविधा और सेवा गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए सर्वोत्तम कार्यप्रणालियां अपनाने को कहा।

प्रत्येक विमानन कंपनी के साथ संचालन में आ रही बाधाओं की पहचान और उन्हें दूर करने के उपायों पर बात हुई। त्योहारों में हवाई किरायों में संभावित वृद्धि को लेकर चिंताओं के मद्देनज़र, मंत्री ने विमानन कंपनियों से कहा कि कि आगामी त्योहारों के दौरान सभी क्षेत्रों में हवाई किराए उचित स्तर पर बनाए रखें।

नवरात्र से दशहरा तक बरेली बाजार पर बरसे 400 करोड़

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : नवरात्र के आरंभ से ही मां जगत जननी ने कारोबारियों पर कृपा कायम रखी जिससे दशहरा तक बाजार में रौनक छाई रही। बाजार में उमड़ी ग्राहकों की भारी भीड़ से कारोबारियों के चेहरे खिले नजर आए। हालांकि बीच में शहर में हुए बवाल से इंटरनेट सेवा बाधित होने से कारोबार पर कुछ समय के लिए ब्रेक जरूर लगा, लेकिन नवरात्र की शुरुआत के साथ ही जीएसटी छूट ने कारोबार को पंख लगा दिए। अब तक तकरीबन 400 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान कारोबारी जता रहे हैं। वहीं दीपावली तक त्योहारी सीजन का कारोबार 800 करोड़ तक पहुंचने की संभावना है।

कारोबारियों के अनुसार, त्योहारी सीजन की शुरुआत नवरात्र से हो जाती है जो कि दीपावली के बाद तक जारी रहता है। नवरात्र के आरंभ से ही सबसे ज्यादा वाहनों और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की जमकर बिक्री हुई। जीएसटी छूट का फायदा वाहन विक्रेताओं ने जमकर उठाया। टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर शोरूमों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ी रही। शोरूम संचालकों के मुताबिक इस बार बिक्री में 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वहीं, मोबाइल, टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन जैसे इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स में भी ऑफर्स का फायदा उठाते हुए लोगों ने खूब खरीदारी की।

शहर की एक दुकान में इलेक्ट्रॉनिक सामानों के बारे में जानकारी लेते लोग।

बवाल ने डाला असर, फिर भी नहीं थमा बाजार

हालांकि, 26 सितंबर को शहर में हुए बवाल के चलते दो-तीन दिन बाजारों में ग्राहकों की कुछ खासी भीड़ नजर नहीं आई। वहीं करीब 200 करोड़ तक कारोबार प्रभावित हुआ। पुलिस और प्रशासन की सतर्कता के चलते स्थिति जल्दी सामान्य हो गई और बाजारों में फिर से चहल-पहल लौट आई। व्यापारियों का कहना है कि यदि ये घटनाक्रम न हुआ होता तो कारोबार और भी ज्यादा हो सकता था।

अब दीपावली पर निगाहें, लांच होंगे नए ऑफर्स

अब व्यापारी दीपावली को लेकर तैयारी में जुट गए हैं। कपड़ा, जूता, गहना, सजावटी सामान, मिठाई और इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार से जुड़े व्यापारी नए-नए ऑफर्स लांच करने जा रहे हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि दीपावली में भी बाजार इसी तरह गुलजार रहेगा और बिक्री नवरात्रि से भी ज्यादा हो सकती है।

- वाहन और इलेक्ट्रॉनिक बाजार खूब चमके, कारोबारियों ने शुरू की दिवाली की तैयारी

ऑटो मोबाइल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स में नवरात्रों से दशहरे तक काफी बिक्री हुई। कुल मिलाकर दोनों व्यवसाय में करीब 400 करोड़ की बिक्री हुई। अब बाजार थोड़ा सुस्त है परंतु धनतेरस के लिए अभी से गाड़ियों की बुकिंग हो चुकी है।

– राजेश जसोरिया, महानगर महामंत्री उप्र उद्योग व्यापार मंडल

बड़े एलईडी टीवी व एसी में जीएसटी कम होने से ग्राहकों में रुझान बढ़ा है, परंतु अभी ग्राहक कंपनी की तरफ से स्कीमों का इंतजार कर रहा है। उम्मीद है कि दीपावली तक कुछ स्कीमें भी आएंगी जिससे टीवी, फ्रिज और एसी की बिक्री में अच्छा उछाल आएगा।

– शिव शंकर परचानी, इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबारी

- जीएसटी छूट मिलने का असर दीपावली तक कारोबार 800 करोड़ पार पहुंचने की संभावना

नवरात्रों से मोबाइल बिक्री में तेजी आई है। सभी मोबाइल कंपनियों ने भी अपने नए मॉडल लॉन्च किए हैं, इससे बाजार में मांग बड़ी है दीपावली तक बहुत अच्छी बिक्री का अनुमान है। जीएसटी में मिली छूट से सभी मॉडल सस्ते हो गए हैं।

– राजीव अग्रवाल, मोबाइल कारोबारी

नवरात्र के पहले से ही वाहनों की एडवांस बुकिंग जारी हो गई थी, डिमांड अधिक होने से सप्लाई समय पर देने में काफी दिक्कत हुई। एक दिन में 20 से अधिक वाहनों की डिलीवरी हुई। दीपावली तक ये संख्या दो गुनी होने की संभावना है। जीएसटी में राहत मिलने से खरीदारी तेज है।

– राघव अग्रवाल, निदेशक, नंदिनी मोटर्स

शेरी बनीं भारत की पहली मिसेज यूनिवर्स

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की शेरी सिंह ने मनीला में गुरुवार को मिसेज यूनिवर्स 2025 का खिताब जीता। यह पहली बार है जब किसी भारतीय ने यह प्रतिष्ठित वैश्विक खिताब जीता है।

मिसेज यूनिवर्स प्रतियोगिता के 48वें संस्करण का आयोजन फिलीपींस की राजधानी मनीला में किया गया था, जिसमें दुनिया भर के देशों की कुल मिलाकर 120 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। शेरी ने मिसेज इंडिया 2025 जीतने के बाद भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए मनीला में अपनी शालीनता और वाकपटुता से निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी महिला सशक्तीकरण एवं मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता की प्रभावशाली दलीलों से भी निर्णायक काफी प्रभावित नजर आए।

ये सीमाओं से परे देखने वाली हर महिला की जीत

शेरी सिंह ने अपने ताजपोशी के बाद कहा, यह जीत सिर्फ मेरी जी नहीं है, बल्कि यह हर उस महिला की जीत है जिसने अपने जीवन में कभी सीमाओं से परे सपने देखने की हिम्मत की है। मैं दुनिया को दिखाना चाहती थी कि दयालुता ही सच्ची सुंदरता को परिभाषित करती है। इस प्रतियोगिता में सेंट पीटर्सबर्ग की प्रतिभागी प्रथम रनर-अप और फिलीपींस की प्रतिभागी द्वितीय रनर-अप रहीं।

युद्ध शुरू होने से युद्धविराम तक

फिलिस्तीन और इजराइल के बीच दुश्मनी का वैसे तो पुराना इतिहास है लेकिन दोनों के बीच नया टकराव 7 अक्टूबर 2023 को तब शुरू हुआ गाजा पट्टी पर शासन करने वाले हमास ने इजराइल पर बड़े पैमाने पर अचानक हमला किया। इस हमले में हमास ने सीमा पार से इजराइल में घुसपैठ कर कई इजराइली नागरिकों और सैनिकों की हत्या कर काफी संख्या में उन्हें बंधक भी बना लिया। इजराइल ने इसे ब्लैक सैटरडे कहा और जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। दिसंबर 2023 में इजराइल गाज़ा में जमीनी और हवाई हमले शुरू किए। इसी के साथ गाजा में तबाही का अनवरत दौर शुरू हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता से संघर्ष विराम होने तक गाजा के निवासियों ने इस युद्ध की भारी कीमत चुकाई है। स्वतंत्र राष्ट्र बनने का सपना देख रहा यह क्षेत्र हजारों लोगों की मौत होने के साथ मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

गाजा : मलबे का ढेर

गाजा पर इजराइल के हमले और लोगों का हाल

- ओसीएचए के अनुसार 2025 के पहले नौ महीनों में गाजा में इजराइल ने 12,00 से ज्यादा हमलों का रिकॉर्ड बनाया है।
- लाखों लोग अपने घरों से विस्थापित होकर तुलकरम, नूर शम्स और जेनिन के टेंट में बनाए गए शिविरों में रह रहे हैं।
- स्वास्थ्य केंद्रों व अस्पतालों के मुताबिक इजराइल के हमलों में 70 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है।
- हमलों में 17,000 से ज्यादा पेड़ों के नष्ट होने की रिपोर्ट है। प्रमुख रूप से होने वाली जैतून की खेती भी नष्ट हो गई।

बच्चों और महिलाओं पर टूटा सबसे ज्यादा कहर

- संयुक्त राष्ट्र उपग्रह केंद्र के विश्लेषण के मुताबिक गाजा शहर में 83 प्रतिशत इमारतें मलबे के ढेर में बदल चुकी हैं।
- गाजा में लगभग 81,000 आवासीय इकाइयां इजराइली हवाई हमलों और जमीनी गोलाबारी में क्षतिग्रस्त हुई हैं।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार गाजा में लगभग 42,000 फिलिस्तीनी जीवन बदल देने वाली चोटों से ग्रस्त हुए हैं।
- इन घायलों में से करीब एक चौथाई बच्चे हैं और 5,000 से ज्यादा लोगों के अंग विच्छेदन के मामले दर्ज किए गए हैं।

बुनियादी ढांचा तबाह

- वर्ल्ड बैंक और संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को लगभग 18 .5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ है।

स्वास्थ्य-शिक्षा बर्बाद

- करीब 94 प्रतिशत स्वास्थ्य सुविधाएं क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गई हैं। लगभग 100 प्रतिशत बच्चे स्कूल से बाहर हैं, क्योंकि गाजा में 91 .8% स्कूलों की इमारत मलबे में बदल गए हैं।

विस्थापन और मानवीय संकट

- करीब 22 लाख आबादी वाले गाजा के 90 प्रतिशत से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं और पूरी आबादी को भोजन और मानवीय सहायता के लिए तरस रही है। आधे से अधिक आबादी अकाल के कगार पर है।

अर्थव्यवस्था का नुकसान

- फिलिस्तीनी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है, जीडीपी में 6 .9 बिलियन डॉलर के नुकसान का अनुमान है। गरीबी दर 60% से अधिक बढ़ सकती है। साथ ही 2,00000 से अधिक नौकरियां चली गई हैं।

हर तरफ भुखमरी का तांडव

- संयुक्त राष्ट्र के एक नए अध्ययन में खुलासा हुआ है कि दो साल से जारी युद्ध और भोजन की भारी कमी के कारण गाजा में पांच साल से कम उम्र के 55,000 से ज्यादा बच्चे जानलेवा हद तक कुपोषण का शिकार हैं। यह संख्या करीब 16 प्रतिशत है।
- इनमें से 12,800 से अधिक बच्चों को गंभीर रूप से प्रभावित बताया गया है। जिनकी मौत का खतरा काफी बढ़ गया है। द लैंसेट पत्रिका में इसी बुधवार को प्रकाशित यह अध्ययन गाजा पट्टी के करीब 2,20,000 बच्चों की जांच पर आधारित था।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका में सैन्य उत्पादन संयंत्र में विस्फोट, 19 लापता

टेनेसी (अमेरिका)। अमेरिका के टेनेसी में शुक्रवार को एक सैन्य विस्फोटक उत्पादन संयंत्र में शक्तिशाली विस्फोट हुआ जिसके बाद 19 लोग लापता हैं। अधिकारियों और निवासियों ने बताया कि विस्फोटक निर्माण संयंत्र में शक्तिशाली विस्फोट हुआ, जिससे मीलों दूर स्थित मकान हिल गए और आपातकालीन दल को बुलाया गया। अधिकारियो ने लोगों से उस इलाके में नहीं जाने का अनुरोध किया है ताकि बचावकर्मी अपना काम कर सकें।

पाकिस्तान को मिसाइल नहीं देगा अमेरिका

नई दिल्ली। अमेरिका ने पाकिस्तान को हवा से हवा में मार करने वाली मध्यम दूरी की नयी उन्नत मिसाइल (एएमआरएएएम) की आपूर्ति करने का दावा करने वाली खबरों का खंडन किया है। भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम पर हाल ही में किए गए अनुबंध संशोधन में केवल रखरखाव और कलपुर्जे शामिल हैं, इसमें नई मिसाइलों की आपूर्ति नहीं है। अमेरिका के युद्ध विभाग की 30 सितंबर को जारी मानक अनुबंध घोषणाओं की एक सूची में पाकिस्तान सहित कई देशों के लिए मौजूदा विदेशी सैन्य बिक्री अनुबंध में संशोधन का उल्लेख था।

ट्रंप का फिर भारत-पाक संघर्ष रुकवाने का दावा

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रोकने का दावा दोहराया है। ट्रंप पिछले कुछ महीने से कई युद्धों को रुकवाने का श्रेय लेते हुए नोबेल शांति पुरस्कार की दावेदारी भी कर रहे थे, हालांकि नॉर्वे नोबेल समिति की घोषणा में वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को शांति का नोबेल देने की घोषणा की गई। इस घोषणा से पहले शुक्रवार को जब एक संवाददाता ने ट्रंप से इस पुरस्कार को जीतने की संभावना के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता। यह जरूर कहा कि उन्होंने आठ संघर्ष विराम कराए हैं।

ताइवान ने तेज किया वायुरक्षा प्रणाली निर्माण

ताइपे। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने चीन की ओर से हमले के खतरे के मद्देनजर 'टी-डोम' वायु रक्षा प्रणाली के निर्माण में तेजी लाने का संकल्प लिया है। लाई ने कहा कि उनकी सरकार एक ठोस रक्षा प्रणाली स्थापित करेगी जो खतरे की उच्च स्तरीय पहचान करने और उसे प्रभावी तरीके से नाकाम करने में सक्षम होगी। 'टी-डोम या 'ताइवान डोम' जाहिर तौर पर इजराइल द्वारा विकसित आयरन डोम प्रणाली से प्रेरित है।

इजराइल ने गाजा में युद्धविराम शुरू होने से पहले की जी भरके गोलाबारी

इजराइली सैनिकों ने शुरू की वापसी, नेतन्याहू ने दी बंधकों की रिहाई को मंजूरी

वादी गाजा, एजेंसी

इजराइली सेना ने शुक्रवार को एलान किया कि गाजा पट्टी के लिए हमास के साथ युद्धविराम समझौता दोपहर से लागू हो गया है। यह घोषणा इजराइल के मंत्रिमंडल की ओर से गाजा पट्टी में युद्धविराम, शेष बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई की ट्रंप की योजना को मंजूरी देने के कुछ घंटों बाद आई। हालांकि युद्धविराम शुरू होने से ऐन पहले तक इजराइल ने गाजा पर जी भरकर गोलाबारी की।

युद्धविराम की खबरों के बीच मध्य गाजा के वादी गाजा में इकट्ठा हुए हजारों लोग स्थानीय समयानुसार दोपहर में सेना की घोषणा के बाद उत्तर की ओर चल पड़े। इससे पहले, फिलिस्तीनियों ने शुक्रवार सुबह पूरे गाजा में भारी गोलाबारी की सूचना दी थी। यह संघर्षविराम दो साल से जारी विनाशकारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसने गाजा के अधिकतर हिस्सों को मलबे में तब्दील कर दिया, पश्चिम एशिया को अस्थिर कर रखा था।

इजराइली सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल एफी डेफ्रिन ने कहा कि सैनिकों ने शुक्रवार दोपहर तक तैनाती रेखा पर वापसी पूरी कर ली थी, जो युद्ध विराम के आधिकारिक रूप से लागू होने के कुछ घंटों बाद की बात है। इससे पहले वापसी की संवेदनशीलता के कारण नाम गुप्त रखने की शर्त पर एक इजराइली सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि सेना अपनी नई स्थिति में गाजा के लगभग 50 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण रखेगी। गोलाबारी तड़के तक जारी रही। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद गाजा निवासियों ने शुक्रवार सुबह तक गोलाबारी तेज होने की सूचना दी।

युद्धविराम के बाद उत्तरी गाजा की ओर लौटते विस्थापित फिलिस्तीनी।

ट्रंप की शांति योजना में कई प्रश्नों के जवाब नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित व्यापक योजना में कई अनुत्तरित प्रश्न शामिल हैं, जैसे कि हमास निरस्त्रीकरण करेगा या नहीं और कैसे करेगा तथा गाजा पर शासन कौन करेगा। इन सवालों के बावजूद, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को एक टेलीविजन बयान में कहा कि अगले चरण में हमास को निरस्त्र और गाजा को विसैन्यीकृत कर दिया जाएगा। नेतन्याहू ने कहा, अगर यह आसान तरीके से हो जाता है, तो ठीक है। अगर नहीं तो इसे कठिन तरीके से हासिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमास इस समझौते पर तभी राजी हुआ जब उसे लगा कि तलवार अब भी उसकी गर्दन पर लटक रही है।

मध्य गाजा के नुसेरात शरणार्थी शिविर में, गाजा शहर से विस्थापित होकर वहां शरण लिए कई लोगों में से एक महमूद शार्कावी ने बताया कि तड़के तोपखाने की गोलाबारी तेज हो गई। शार्कावी ने कहा, आज गोलाबारी में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि मध्य गाजा के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ान भरने वाले सैन्य विमान भी उड़ रहे थे। उत्तरी गाजा में लोगों ने बताया कि बमबारी तड़के से ही जारी थी।

हमास ने कहा- अब फिलिस्तीनी राष्ट्र पर केंद्रित करेंगे ध्यान

हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी और प्रमुख वार्ताकार ने बृहस्पतिवार को एक संबोधन में युद्धविराम समझौते के मुख्य तत्वों को रेखांकित किया। खलील अल-हय्या ने कहा कि इजराइली जेलों में बंद सभी महिलाओं और बच्चों समेत 2000 फिलिस्तीनियों को रिहा किया जाएगा। अल हय्या ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि युद्ध समाप्त हो गया है। हमास तथा फिलिस्तीनी गुट अब आत्मनिर्णय और फिलिस्तीन राष्ट्र की स्थापना पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

अमेरिका निगरानी के लिए इजराइल भेजेगा 200 सैनिक

वाशिंगटन। अमेरिका इजराइल और हमास के बीच गाजा युद्धविराम समझौते की निगरानी के लिए इजराइल में लगभग 200 सैनिक भेज रहा है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि टास्क फोर्स समझौते की निगरानी कर सुनिश्चित करेगी कि कोई उल्लंघन न हो। अधिकारी के अनुसार, मिस्र, कतर और तुर्की सशस्त्र बलों के सदस्य अमेरिकी टीम में शामिल होंगे। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि टास्क फोर्स गाजा में नहीं होगी।

मारिया ने वेनेजुएला के लोगों व ट्रंप को समर्पित किया अपना नोबेल पुरस्कार

- बोलीं- हम अपने देश के लिए आजादी और क्षेत्र के लिए शांति प्राप्त करने के बहुत करीब

ओस्लो, एजेंसी

विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो अपने समर्थकों के साथ खुशी का इजहार करती हुईं।

नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की घोषणा के बाद नॉर्वेजियन नोबेल संस्थान के साथ बातचीत में मारिया ने कहा, वेनेजुएला के लोग इस सम्मान के हकदार हैं। मैं एक विशाल आंदोलन का हिस्सा हूं। मैं न सिर्फ इस सम्मान से अभिभूत हूं, बल्कि वेनेजुएला में आज जो कुछ हो रहा है, उसका हिस्सा बनकर भी गौरवान्वित महसूस करती हूं।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि हम अंततः अपने देश के लिए आजादी और क्षेत्र के लिए शांति प्राप्त करने के बहुत करीब हैं। मारिया ने कहा, भले ही हम सबसे बर्बर हिंसा का सामना कर रहे हैं, लेकिन हमारे समाज ने इसका प्रतिरोध किया है और शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि अब दुनिया समझ जाएगी कि अंततः सफल होना कितना जरूरी है। मारिया ने एक्स पर पोस्ट किया, आज हम स्वतंत्रता हासिल करने और लोकतंत्र कायम करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप, अमेरिका के लोगों, लातिन अमेरिका के लोगों और दुनिया के लोकतांत्रिक देशों पर अपने प्रमुख सहयोगियों के रूप में पहले से कहीं अधिक भरोसा करते हैं। उन्होंने कहा, मैं वेनेजुएला के पीड़ित लोगों और हमारे मुद्दे के प्रति निर्णायक समर्थन के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को यह पुरस्कार समर्पित करती हूं!

करीबी गोंजालेज ने शेयर किया वीडियो जिसमें मारिया ने कहा- मैं आश्चर्यचकित हूं

मारिया के करीबी सहयोगी एडमंडो गोंजालेज (जो स्पेन में निर्वासन में रह रहे हैं) ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह फोन पर उनसे बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में मारिया को गोंजालेज से यह कहते हुए सुना जा सकता है, मैं आश्चर्यचकित हूं। मुझे यकीन ही नहीं हो रहा है। गोंजालेज ने मारिया को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किए जाने के फैसले पर खुशी जाहिर की। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह हमारी आजादी और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एक महिला और लोगों की लंबी लड़ाई को मिली बहुत ही उपयुक्त मान्यता है। इस हफ्ते अपना 58वां जन्मदिन मनाने वाली मारिया को राष्ट्रपति चुनाव में मादुरो के खिलाफ लड़ना था, लेकिन सरकार ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया। इसके बाद गोंजालेज को राष्ट्रपति चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर उतारा गया। यह उनके जीवन का पहला चुनाव था। चुनावी प्रक्रिया के दौरान बड़े पैमाने पर दमन देखा गया, जिसमें विरोधी उम्मीदवारों को अयोग्य ठहराया जाना, उनकी गिरफ्तारी और मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन शामिल था।

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता बोले- नोबेल समिति के लिए राजनीति शांति से ऊपर

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने शुक्रवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति ट्रंप दुनियाभर में शांति समझौते करवाना, युद्ध-संघर्ष को समाप्त करवाना और लोगों की जान बचाना जारी रखेंगे। उन्होंने लिखा कि नोबेल समिति ने साबित कर दिया है कि 'वह राजनीति को शांति से अधिक महत्व देती है।

रूस ने कीव में ड्रोन और मिसाइलों की बौछार की

कीव, एजेंसी

रूस की ओर से शुक्रवार तड़के यूक्रेन में ड्रोन और मिसाइल से किए गए हवाई हमलों में कीव में कम से कम 20 लोग घायल हो गए। हमलों में आवासीय इमारतों को भी निशाना बनाया गया। इस दौरान देश के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई।

देश के दक्षिण पूर्व में अलग से हुए हमलों में एक बच्चे की भी मौत हो गई। यूक्रेन की राजधानी के बीचोंबीच स्थित 17 मंजिला एक इमारत से बचाव दल ने 20 से ज्यादा लोगों को बाहर निकाला। इस इमारत की छठी और सातवीं मंजिल पर आग की लपटें फैल गई थीं। अधिकारियों ने बताया कि पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य को घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। कीव पर यह नया हमला रात भर चला।

फिलीपींस में भूकंप के शक्तिशाली झटके, 7 की मौत

मनीला, एजेंसी

दक्षिणी फिलीपींस के पास एक ही क्षेत्र में कुछ घंटों के अंतराल पर शुक्रवार को दो शक्तिशाली भूकंप आए। भूकंप का पहला झटका सुबह में महसूस किया गया जिसकी तीव्रता 7.4 मापी गई। इसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई।

इसके साथ ही भूस्खलन होने से कई अस्पतालों और स्कूलों को नुकसान पहुंचा और सुनामी की चेतावनी के कारण आसपास के तटीय क्षेत्रों को खाली कराना पड़ा। हालांकि, सुनामी की चेतावनी बाद में वापस ले ली गई। दूसरे भूकंप की प्रारंभिक तीव्रता 6.9 थी। फिलीपींस के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान के प्रमुख टेरेसिटो बैकोलकोल ने बताया कि शुक्रवार को आए भूकंप के झटके दावाओ ओरिएंटल प्रांत के मनय शहर में महसूस किए गए थे। यह भूकंप फिलीपींस ट्रेंच में 10 किलोमीटर की गहराई पर हुई हलचल के कारण आया था। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह एक अलग भूकंप था या 7.4 तीव्रता वाले भूकंप का ही एक और झटका था।

भूकंप के तीव्र झटकों से फिलीपींस में आवासीय इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा।

पिछले भूकंप से उबर नहीं पाया है फिलीपींस

फिलीपींस अभी 30 सितंबर को आए 6.9 तीव्रता के भूकंप से उबर रहा है, जिसमें कम से कम 74 लोग मारे गए थे और मध्य प्रांत सेबू, खासकर बोगो शहर और आसपास के कस्बों में हज़ारों लोग विस्थापित हुए थे।

पाकिस्तान में सैन्य चौकियों पर हमला मारे गए 8 सैनिक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार तड़के एक सैन्य चौकी और एक सुरक्षा गश्ती दल पर आतंकवादियों की गोलीबारी में आठ सैनिकों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए हैं। घटना स्थानीय समयानुसार तड़के लगभग 4:30 बजे खैबर जिले में हुई, जब आतंकवादियों ने मुख्य चौकी से लगभग 200 मीटर दूर तैनात उसी रेजिमेंट की एक चौकी और ब्लॉक पार्टी पर एक साथ हमला किया। हमलावरों ने अंडर-बैरल ग्रेनेड लॉन्चर, स्नाइपर राइफल का इस्तेमाल किया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 11 अक्टूबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-कृष्ण पक्ष, पंचमी 16 .43 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

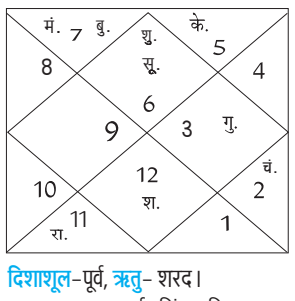

दिशाशूल-पूर्व, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- रोहिणी 15 .20 तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष आज महत्वपूर्ण दस्तावेजों को संभालकर रखें। रिश्तेदारों से आपको मिलना पड़ सकता है। आपकी उपलब्धियों के कारण लोग आपकी प्रशंसा करेंगे। विद्यार्थी पढ़ाई को लेकर चिंतित रहेंगे। माता की सेहत की चिंता हो सकती है।

वृष आज समाज में आपके अधिकार बढ़ेंगे। उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिल सकता है। आपके सभी काम समय पर पूरे हो जाएंगे। रुका हुआ धन आपको मिल सकता है। जीवन में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मिथुन आज आपके भीतर निर्भीकता का भाव रहेगा। गलत खानपान के कारण सेहत खराब हो सकती है। व्यवसाय में गतिशीलता कम हो सकती है। किसी परिजन के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। आप दूसरों की सेवा में मन लगाएंगे।

कर्क आज आपकी सलाह से लोगों के काम बनेंगे। अटके हुए कार्यों को पूरा करने का तनाव रहेगा। पुराने संपर्कों का लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। मित्रों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा।

सिंह आज आपको पूर्व में किए गए कठिन परिश्रम का लाभ प्राप्त होगा। बहुप्रतीक्षित कार्यों में आपको सफलता मिल सकती है। आवश्यक कार्य समय से पूर्ण हो जाएंगे। माता-पिता आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आप किसी महत्वपूर्ण विषय पर राय ले सकते हैं।

कन्या आज पुराना लोन चुकाने में सफलता मिलेगी। बिना मांगे किसी को राय न दें। परिजन आपके विचारों और भावों को अत्यधिक महत्व देंगे। आपका दृष्टिकोण अत्यंत सकारात्मक रहेगा। आपको सभी प्रयासों में सफलता मिलेगी।

तुला आज दिनचर्या के प्रति लापरवाही न रखें। मानसिक उदासीनता के कारण परेशान हो सकते हैं। अधिक शारीरिक श्रम के कारण पैरों में दर्द हो सकता है। घर में अकेलापन और बोरियत महसूस करेंगे। ठंडे खाद्यपदार्थों से बचे और पानी भरपूर पिएं।

वृश्चिक आज का दिन कारोबार में अपेक्षा से अधिक लाभ की संभावनाएं निर्मित करेगा। आपके ऊपर काम का दबाव कम रहेगा। आपके सभी कार्य सफल होंगे। व्यवसाय में आपको नया प्रयोग करना चाहिए। संतान के प्रति विश्वास बनाये रखें।

धनु आज बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है। म्यूचुअल फंड या किसी पॉलिसी में निवेश से लाभ प्राप्त होगा। सरकारी कार्यों में आपको उत्तम लाभ मिलेगा। परिजनों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। योजनाओं को उचित तरीके से क्रियान्वित कर पाएंगे।

मकर आज आपकी बुद्धि और ज्ञान की प्रशंसा होगी। नए व्यवसाय में आपका मन लगेगा। विद्यार्थियों को तरक्की के नए रास्ते मिलेंगे। सोशल मीडिया पर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे।

कुंभ आज व्यावसायिक तनाव को घर पर न आने दें। धार्मिक अनुष्ठानों में आप विशेष रुचि लेंगे। शत्रु आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। जिन लोगों पर आप आंख-मूंदकर भरोसा करते हैं, संभव है वही आपको धोखा दे दें।

मीन आज विद्वान लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा। पति-पत्नी के बीच संबंध मधुर होंगे। युवाओं को नए करियर के अवसर मिलेंगे। राजनीतिक लोगों को उच्च पद मिल सकता है। अपने मन की करें दूसरों से अधिक सलाह न लें।

सुडोकू -126

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2			9	3	7	6		
				8		2		
5		9				1		
			5	6		7		
7								8
		8						3
		2				9		6
		4		5				
3		6		2	9			5

सुडोकू - 125 का हल

7	9	8	1	6	3	5	2	4
4	2	5	7	8	9	3	6	1
3	6	1	5	4	2	8	9	7
8	3	2	4	9	5	7	1	6
9	5	7	6	3	1	2	4	8
6	1	4	8	2	7	9	5	3
1	7	9	3	5	6	4	8	2
5	8	6	2	7	4	1	3	9
2	4	3	9	1	8	6	7	5

मैं बहुत खुश हूँ। मैं इस जीत के स्तर से खुश हूँ, इस मैच को सीधे सेटों में जीतकर खुश हूँ, और अपने प्रदर्शन से वाकई बहुत खुश हूँ। वह अतीत के महान खिलाड़ियों से तुलना करने की बजाय आत्म-सुधार पर ज्यादा ध्यान देती हैं।

-आर्यना सबालेंका

स्टेडियम

बरेली, शनिवार 11 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले शिवाजी पार्क में किया अभ्यास

मुंबई : रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले शुक्रवार को मुंबई रणजी टीम के अपने पूर्व साथी अभिषेक नायर के साथ शिवाजी पार्क में लगभग दो घंटे तक अभ्यास किया। नायर कुछ समय पहले तक भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच भी थे। रोहित की जगह हाल ही में शुभमन गिल को भारतीय एकदिवसीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। रोहित 19 अक्टूबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के दौरान वापसी करेंगे।

रणजी में बडोनी करेंगे दिल्ली की अगुवाई

नई दिल्ली : दिल्ली ने हैदराबाद के खिलाफ 15 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट मैच के लिए शुक्रवार को 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें आयुष बडोनी को कप्तान और यश ढुल को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) की चयन समिति ने नितीश राणा को भी टीम में शामिल किया है। राणा उत्तर प्रदेश के साथ कुछ समय तक खेलने के बाद दिल्ली की टीम में वापस आ गए हैं।

आईपीएल की नीलामी दिसंबर में संभव

नई दिल्ली : आईपीएल 2026 की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है, और 13-15 दिसंबर संभावित समय के रूप में उभर रहे हैं। फ्रेंचाइजी अधिकारियों, जिन्होंने बीसीसीआई अधिकारियों से बात की है, ने बताया है कि चर्चा इन्हीं तारीखों पर केंद्रित है, हालांकि लीग की गवर्निंग काउंसिल ने अभी तक कार्यक्रम तय नहीं किया है। इसके अलावा, इस समय इस बात का कोई संकेत नहीं है कि नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी, जैसा कि पिछले दो संस्करणों में हुआ था - पहले दुबई (2023) और फिर सऊदी अरब के जेद्दा (2024) में।

सबालेंका की वुहान में लगातार 20वीं जीत

वुहान (चीन) : आर्यना सबालेंका ने वुहान में अपनी जीत का सिलसिला 20 मैचों तक बढ़ाते हुए शुक्रवार को आठवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना को 6-3, 6-3 से हराकर डब्ल्यूटीए 1000-स्तरीय टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अमेरिकी ओपन चैंपियन ने 2018, 2019 और पिछले साल चीन के इस शहर में वापसी पर वुहान ओपन का खिताब जीता था। शीर्ष रैंकिंग वाली सबालेंका ने एक घंटे 25 मिनट तक चले मैच में तीन बार रयबाकिना की सर्विस तोड़ी और इस सत्र में 11वीं बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

यशस्वी के शतक से भारत की शानदार शुरुआत

दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के आक्रमण की उड़ाई धज्जियां

नई दिल्ली, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने टेस्ट करियर का सातवां शतक जड़ा, जबकि साई सुदर्शन ने भी अपने कौशल का अच्छा नमूना पेश करके टीम में अपनी उपयोगिता साबित की। इससे भारत ने वेस्टइंडीज के आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए दूसरे एवं अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शुक्रवार को यहां दो विकेट पर 318 रन बनाए।

शुभमन गिल ने कप्तान के रूप में पहली बार टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इसका जायसवाल ने पूरा फायदा उठाया। पहले टेस्ट में बड़ा स्कोर बनाने से चूकने वाले जायसवाल दूसरे मौके को हाथ से जाने देने के मूड में नहीं थे और उन्होंने कुछ आकर्षक शॉट लगाए। वह 253 गेंदों पर 22 चौकों की मदद से 173 रन बनाकर खेल रहे हैं। सुदर्शन हालांकि अपना पहला टेस्ट शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्होंने करके 87 रन बनाए। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का यह सर्वोच्च टेस्ट स्कोर है।

सुदर्शन और जायसवाल ने दूसरे विकेट के लिए 193 रन जोड़कर वेस्टइंडीज के कमजोर आक्रमण की कलई खोलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिन का खेल समाप्त होने के समय जायसवाल के साथ कप्तान शुभमन गिल 20 रन बनाकर खेल रहे थे। भारतीय कप्तान ने सतर्कता बरती और अभी तक उन्होंने 68 गेंद का सामना करके तीन चौके लगाए हैं। इन दोनों बल्लेबाजों ने अभी तक तीसरे विकेट के लिए 67 रन जोड़े हैं। केएल राहुल (38) का किस्मत ने साथ नहीं दिया। बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वारिकन की सुबह के सत्र में सिर्फ एक गेंद टर्न और बाउंस हुई जिस पर उन्होंने राहुल का कीमती विकेट हासिल किया।

वारिकन ने तीसरे सत्र में एक और टर्न लेती गेंद पर सुदर्शन को पगबाधा आउट करके वेस्टइंडीज को दूसरी सफलता दिलाई। उन्होंने अब तक 60 रन देकर दो विकेट लिए हैं। उनके अलावा वेस्टइंडीज के अन्य गेंदबाज दिन भर सफलता हासिल करने के लिए तरसते रहे। भारत ने पहले सत्र में एक विकेट खोकर 94 रन बनाए थे। उसने दूसरे सत्र में बिना किसी नुकसान के 126 रन जोड़कर वेस्टइंडीज की गेंदबाजी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। भारत में तीसरे सत्र में 98 रन जोड़े और इस बीच सुदर्शन का विकेट गंवाया। वेस्टइंडीज के स्पिनरों की लेंथ सही नहीं थी जबकि उसके तेज गेंदबाज सही लाइन और लेंथ पर गेंदबाजी नहीं कर पाए जिससे भारत के बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी नहीं हुई। जायसवाल और सुदर्शन में आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की और लंच के बाद पहले घंटे में एक समय वे लगभग छह रन प्रति ओवर की दर से रन बना रहे थे, लेकिन दूसरे घंटे में उनकी गति थोड़ी धीमी हो गई। वेस्टइंडीज को दूसरे सत्र में विकेट हासिल करने का एकमात्र मौका तब मिला जब सुदर्शन ने जस्टिन ग्रीव्स की गेंद को शॉर्ट मिडविकेट पर थोड़ा हवा में खेला लेकिन वारिकन कैच नहीं ले पाए।

वेस्टइंडीज के खिलाड़ी तीसरे अंपायर के निर्णय का इंतजार करते हुए। एजेंसी

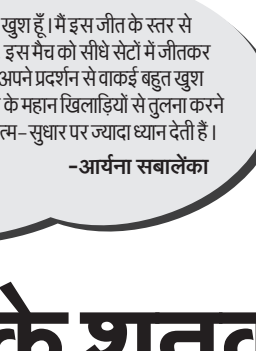

मुझे और रन बनाने की उम्मीद थी : सुदर्शन

नई दिल्ली : भारत के तीसरे क्रम के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने स्वीकार किया कि उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने पहले टेस्ट शतक तक पहुंचने की उम्मीद थी, लेकिन 87 रन पर आउट होने से उन्हें थोड़ी निराशा हुई। सुदर्शन ने दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन 165 गेंदों में 12 चौकों की मदद से यह पारी खेली। सुदर्शन पहले टेस्ट में (अहमदाबाद में) रन नहीं बना पाए थे, जहां भारत ने वेस्टइंडीज को एक पारी और 140 रन से हराया था। सुदर्शन ने टेस्ट में अपनी सबसे बड़ी पारी खेलने के बाद कहा मैं आज की अपनी पारी के लिए निश्चित रूप से आभारी हूं, लेकिन मन में हमेशा वो छोटी सी ख्वाहिश होती है कि शतक पूरा हो जाए। इसलिए मैं और ज्यादा की उम्मीद कर रहा था। इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट पदार्पण करने वाले सुदर्शन ने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ दूसरे विकेट के लिए 193 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी।

भारत

318/2 (90 ओवर)

यशस्वी जायसवाल नाबाद	173
राहुल स्टं. मलाचा बो वारिकन	98
साई सुदर्शन पगबाधा वारिकन	87
शुभमन गिल नाबाद	20

गेंदबाजी : सील्स 16-1-59-0, फिलिप 13-2-44-0, ग्रीव्स 8-1-26-0, पियरे 20-1-74-0, वारिकन 20-3-60-2, चेज 13-0-55-0

यशस्वी जायसवाल।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 100 रनों से रौंदा

गुवाहाटी, एजेंसी

ब्रुक हॉलिडे और कप्तान सोफी डिवाइन के जुझारू अर्धशतकों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत न्यूजीलैंड ने शुक्रवार को यहां महिला विश्व कप मैच में बांग्लादेश को 100 रनों से आसानी से हरा दिया।

डिवाइन (63) और हॉलिडे (69) ने खराब शुरुआत के बाद चौथे विकेट के लिए 112 रनों की साझेदारी कर न्यूजीलैंड को नौ विकेट पर 227 रन के स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद गेंदबाजों ने बांग्लादेश की पारी को 39.5 ओवर में 127 रन पर समेट दिया। बांग्लादेश के लिए फाहिमा खातून ने सबसे ज्यादा 34 रन बनाये।

न्यूजीलैंड के लिए जेस केर और लिया तहुहु ने तीन-तीन विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत काफी खराब रही। टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाते रही जिससे 14वें ओवर तक उसका स्कोर पांच विकेट पर 30 रन हो गया। रुबया हैदर, शर्मीन अख्तर, कप्तान निगार सुल्ताना, शोभना मोस्तारी, सुमैया अख्तर और शोर्ना अख्तर जैसे बल्लेबाज गेंदबाजों का सामना करने में नाकाम रहे और टीम ने 33 रन तक छह विकेट गंवा दिए। बांग्लादेश की पारी की सबसे बड़ी साझेदारी फहिमा खातून (34) और राबिया खान (25) ने की, जिन्होंने आठवें विकेट के लिए 44 रन जोड़े। बांग्लादेश के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी खातून और नाहिदा अख्तर (17) के बीच सातवें विकेट के लिए 33 रन जोड़े। न्यूज़ीलैंड की ओर से तेज गेंदबाज़ जेस केर और लिया तहुहू ने तीन-तीन जबकि रोजमेरी मेयर ने दो विकेट लिए।

न्यूजीलैंड की ब्रुक हॉलिडे ने अर्धशतकीय पारी के दौरान कई आकर्षक शॉट लगाए। एजेंसी

- **बांग्लादेश के खिलाफ हॉलिडे और डिवाइन ने खेली शानदार अर्धशतकीय पारियां**

पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 10.5 ओवर में 38 के स्कोर पर अपने पहले तीन विकेट जॉर्जिया प्लिमर (चार), सूजी बेट्स (29) और अमेलिया केर के रूप में गंवा दिए। प्लिमर नौवें ओवर में लेग स्पिनर राबिया (30 रन पर तीन विकेट) की गेंद पर विकेटकीपर सुल्ताना को कैच देकर आउट हुई।

इंग्लैंड की नजर जीत की हैट्रिक पर

कोलंबो : चार बार की चैंपियन इंग्लैंड की टीम अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर शनिवार को यहां होने वाले महिला एक दिवसीय विश्व कप के मैच में जीत की हैट्रिक पूरी करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी जबकि मेजबान श्रीलंका की नजरें परिस्थितियों से परिचित होने पर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने पर लगी होंगी। इंग्लैंड ने अपने पहले दो मैच में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश को हराया। बांग्लादेश के खिलाफ वह एक समय वह मुश्किल स्थिति में दिख रहा था लेकिन 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 78 रन पर आधी टीम गंवाने के बावजूद हीथर नाइट के नाबाद 79 रन की बदौलत उसकी टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। इंग्लैंड की बल्लेबाजी की गहराई और अनुभव एक बार फिर चार विकेट की जीत में निर्णायक साबित हुए। कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने स्वीकार किया टीम मुश्किल परिस्थितियों में पड़े बिना जीत हासिल करना चाहती थी।

समय दोपहर 3:00 बजे से

एशिया कप ट्रॉफी एसीसी कार्यालय में बंद की गई

लाहौर, एजेंसी

- **नकवी का उनकी अनुमति के बिना इसे नहीं हटाने का निर्देश**

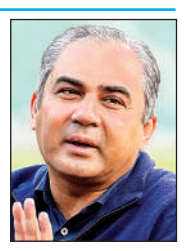

एशिया कप ट्रॉफी को एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के दुबई स्थित मुख्यालय में बंद कर दिया गया है। इस महाद्वीपीय संस्था के प्रमुख मोहसिन नकवी ने निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी के बिना इसे स्थानांतरित या भारत को नहीं सौंपा जाना चाहिए।

भारतीय टीम ने एशिया कप जीतने के बाद नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इन्कार कर दिया था। इसके बाद नकवी इसे अपने साथ ले गए थे और तभी से यह ट्रॉफी एसीसी कार्यालय में है। भारत ने 28 सितंबर को दुबई में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और अपने देश के गृह मंत्री भी हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। नकवी के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई को बताया आज की स्थिति में ट्रॉफी दुबई में एसीसी कार्यालय में है और नकवी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी और व्यक्तिगत उपस्थिति के बिना इसे किसी को नहीं सौंपा जाना चाहिए। उन्होंने कहा नकवी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि केवल वही व्यक्तिगत रूप से ट्रॉफी (जब भी ऐसा होगा) भारतीय टीम या बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) को सौंपेंगे। एशिया कप भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के साए में खेला गया। इसके अलावा नकवी ने भी सोशल मीडिया पर राजनीतिक बयान दिए।

बीसीसीआई ने ट्रॉफी लेकर चले जाने के उनके कृत्य पर कड़ी आपत्ति जताई और अगले महीने आईसीसी की बैठक में इस मुद्दे को उठाने का संकल्प लिया। अटकलें लगाई जा रही हैं कि नकवी की निंदा करने और उन्हें आईसीसी के निदेशक पद से हटाने के लिए कड़ा कदम उठाया जा सकता है।

नई दिल्ली स्थित त्यागराज स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग ट्रॉफी का कप्तान अर्जुन देसवाल (तमिल थलाइवाज), असलम इनामदार (पुनेरी पलटन), योगेश दहिया (बेंगलुरु बुल्स) और नितिन रावल (जयपुर पिंक पैंथर्स) ने अनावरण किया। ● एजेंसी

पीकेएल ट्रॉफी के लिए भिड़ेंगी आठ टीमें

नई दिल्ली, एजेंसी : प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने शुक्रवार को प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के प्लेऑफ और फाइनल के कार्यक्रम की घोषणा की। यह मुकाबले दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में खेले जाएंगे।

शनिवार से शुरू होने वाले सीजन 12 के दिल्ली चरण से पहले आज यहां संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की गई। दिल्ली चरण

प्रो कबड्डी लीग

पीकेएल के सबसे प्रतिस्पर्धी सीजन के अंत में हो रहा है। घरेलू टीम-दबंग दिल्ली केसी अंक तालिका में शीर्ष पर है और शीर्ष आठ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है, इसलिए अंतिम सात स्थानों के लिए मुकाबला प्रशंसकों के लिए कड़ा और रोमांचक बना रहेगा।

23 अक्टूबर को दिल्ली चरण समाप्त होने के बाद, 25 अक्टूबर को प्ले-इन्स के साथ प्लेऑफ शुरू होंगे। इसके बाद पांचवें से आठवें स्थान पर रहने वाली टीमें अस्तित्व के लिए संघर्ष करेंगी। वहां से विजेता प्लेऑफ में पहुंचेंगे। प्लेऑफ 26 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक चलेंगे, जिसमें एलिमिनेटर और क्वालीफायर का क्रम शामिल होगा, जिसका समापन शुक्रवार, 31 अक्टूबर को ग्रैंड फिनाले में होगा।

कास्परोव ने विश्वनाथन आनंद पर बढ़त मजबूत की

सेंट लुइस (अमेरिका) : भारतीय दिग्गज विश्वनाथन आनंद ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी गैरी कास्परोव के खिलाफ कुछ महत्वपूर्ण मौके गंवाए, जिससे रूसी दिग्गज ने क्लच शतरंज लीजेंड्स में मुकाबले के अंतिम दिन से पहले दो जीत और इतने ही ड्रॉ के साथ अपनी बढ़त पांच अंक तक पहुंचा दी।

कास्परोव पहली बाजी जीतने में सफल रहे क्योंकि तब आनंद जीत की स्थिति में थे, पर वह घड़ी पर नजर रखना भूल गए। दिन के दो ब्लिट्ज गेम में कास्परोव ने फिर से पहला गेम जीत लिया और 144,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाली प्रतियोगिता के अंतिम दिन से पहले 8.5-3.5 से आगे हो गए। यह मुकाबला 12 बाजियों का है। अभी चार बाजियां बाकी हैं। आनंद के पास अब भी चैंपियन बनने का मौका है।

किया बचाव दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद बोलीं-भारतीय शीर्ष क्रम को एक मैच से नहीं आंका जा सकता

आप हमेशा शीर्ष क्रम को दोष नहीं दे सकते : रिचा घोष

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर रिचा घोष ने वनडे विश्व कप में टीम के शीर्ष क्रम की बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का बचाव करते हुए कहा कि एक मैच से उनका आकलन नहीं किया जा सकता। बल्लेबाजों के लिए आसान पिच पर खेलने के बावजूद भारत के शीर्ष बल्लेबाज विश्व कप में लगातार तीसरी बार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे और टीम गुरुवार को यहां दक्षिण अफ्रीका से तीन विकेट से हार गई।

प्रतीका रावल, स्मृति मंधाना, हरलीन देओल, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स के जल्दी-जल्दी आउट होने के बाद भारत का स्कोर एक समय छह विकेट पर 102 रन था। इसके बाद घोष (94) ने पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ मिलकर पारी को संभाला और भारत को 251 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने मुश्किल चुनौती का सामना करते हुए यह लक्ष्य हासिल कर लिया। घोष ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा हमारे शीर्ष क्रम के सभी खिलाड़ी अच्छे बल्लेबाज हैं। एक मैच से उनका आकलन नहीं किया जा सकता। क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है। हर बार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना हमारा काम है। आप हमेशा शीर्ष क्रम पर दोष नहीं मढ़ सकते।

उन्होंने कहा हमने मैच में कभी हार नहीं मानी। हम आखिरी गेंद तक खेले और अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश की।

प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी

घोष ने कहा कि टीम परिणाम की समीक्षा करेगी, लेकिन इससे रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले उनके आत्मविश्वास पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा हम अपने इस प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। हम इस बात का आकलन करेंगे कि हमने कहां अच्छा प्रदर्शन किया और हम कहां सुधार कर सकते हैं। हम सकारात्मक बने रहेंगे। हम इस मैच से सीख लेकर आगे अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की कोशिश करेंगे। घोष ने कहा मुझे लगता है कि क्रांति के ओवर में टर्निंग पॉइंट आया। नादिन डी क्लार्क ने जो एक छक्का और एक चौका लगाया, जिससे वास्तव में पासा पलट गया। बाकी सब कुछ नियंत्रण में था।